नई दिल्ली

रविवार, 31 दिसंबर, 2023

पौष मास कृष्ण पक्ष, चतुर्थी वर्ष : 27, अंक : 266

पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 18
न्यून. 08

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

11 नेट अभ्यास में रोहित का फोकस मुकेश पर, जडेजा ने की गेंदबाजी

राम के द्वार 'सरकार'

रोड-शो के बाद पीएम मोदी ने की 140 करोड़ देशवासियों से अपील

22 जनवरी को घरों में श्रीराम ज्योति जलाएं और मकर संक्रांति से देश के हर मंदिर में स्वच्छता अभियान चलाएं

अयोध्या में पीएम मोदी के 15 किमी लंबे रोड शो में पुष्प वर्षा, शंखनाद व डमरू बजाकर स्वागत, जय श्री-राम के उद्घोष

अयोध्या के निवासियों से पीएम ने की अपील- अब अयोध्या में बरसों तक देश-दुनिया के लोग आएंगे। आपको अयोध्या को स्वच्छतम शहर बनाना है। इसके लिए अभी से सब जुट जाएं

पीएम ने कहा कि आजादी के आंदोलन से जुड़े ऐसे पावन दिवस पर आज हम आजादी के अमृतकाल के संकल्प को आगे बढ़ा रहे हैं। आज विकसित भारत के निर्माण को गति देने के अभियान को अयोध्या नगरी से नई ऊर्जा मिल रही है

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

पीएम नरेंद्र मोदी 22 जनवरी के श्री रामलला प्राण-प्रतिष्ठा समारोह से पूर्व शनिवार को अयोध्या पहुंचे। वहां अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर उन्होंने 6 वंदे भारत और 2 अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। अमृत भारत ट्रेन शनिवार से शुरू हो गई। उन्होंने अयोध्या धाम को भी लोकार्पित किया। पीएम मोदी ने अयोध्या में एयरपोर्ट का भी उद्घाटन किया। यह एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय है।

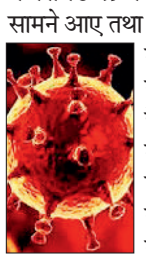

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी उनके साथ मौजूद रहे। पीएम ने यहां जनता के लिए सौगातों का पिटारा खोल दिया। मोदी ने 15,700 करोड़ रुपए से अधिक की केंद्र व राज य सरकार की 46 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उनके दौरे को लेकर जनता ▶▶ शेष पेज 5 पर

अत्याधुनिक अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन व अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की सौगात दी, 6 वंदे भारत व 2 अमृत भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

15,700 करोड़ रुपए से अधिक की केंद्र व राज्य सरकार की 46 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

और, क्या बोले पीएम

ये 'त्रिशक्ति' भारतीय रेलवे का कायाकल्प करने जा रही

आज आधुनिक रेलवे निर्माण की तरफ एक और बड़ा कदम देश ने उठाया है। वंदे भारत और नमो भारत के बाद एक और आधुनिक ट्रेन देश को मिली है। इस नई ट्रेन का नाम अमृत भारत ट्रेन रखा गया है। वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत ट्रेनों की ये त्रिशक्ति भारतीय रेलवे का कायाकल्प करने जा रही है।

रामभक्तों से बोले मोदी...

22 जनवरी को आप न आएं अयोध्या, साढ़े पांच सौ साल इंतजार किया कुछ दिन और सही

पीएम ने राम भक्तों से भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा पर 22 जनवरी को अयोध्या न आने की अपील की। हर किसी की इच्छा है कि 22 जनवरी को होने वाले आयोजन का साक्षी बनने के लिए वे स्वयं अयोध्या आएं। पर सुरक्षा कारणों व व्यवस्थाओं के लिहाज से कुछ ही लोगों को न्यौता गया है। पीएम ने कहा कि आप भी जानते हैं कि हर किसी का आना संभव नहीं है। सभी राम भक्तों को, विशेषकर उत्तर प्रदेश के राम भक्तों को, मेरी हाथ जोड़कर प्रार्थना है कि 22 जनवरी को एक बार विधि पूर्वक कार्यक्रम हो जाने के बाद, 23 तारीख के बाद अपनी सुविधा के अनुसार वे अयोध्या आएं। प्रभु श्रीराम आ रहे हैं, तो हम उनके दर्शनों के लिए इंतजार करें। 550 साल इंतजार किया है, कुछ दिन और इंतजार कीजिए।

उज्ज्वला की 10 करोड़ वीं लाभार्थी के घर पहुंचे पीएम...

मीरा मांझी ने चाय पिलाई, बोले मोदी-थोड़ी मीठी कर दी

राम मंदिर जाने से पहले पीएम मोदी एक दलित परिवार के घर गए। यहां उन्होंने चाय भी पी। ये परिवार उज्ज्वला योजना का 10करोड़ वां लाभार्थी है। मीरा मांझी के घर पीएम मोदी अचानक ही पहुंच गए। यह देख पूरी बस्ती के लोग हैरान रह गए। पीएम मोदी अयोध्या के राजघाट इलाके के कंधरपुर की गली में पहुंचे। वे मीरा मांझी के घर आए, चाय पी और कहा कि मैं भी चाय वाला हूं। प्रधानमंत्री ने चाय पीकर कहा कि थोड़ी मीठी ▶▶ शेष पेज 5 पर

◆ मेरे घर में तो भगवान आ गए: मीरा

मीरा ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है। मेरे घर तो भगवान आ गए। मुझे एक घंटे पहले ही पता चला था कि मेरे घर मोदी आ रहे हैं। इस मौके पर पीएम मोदी ने बच्चे को ▶▶ शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

तवांग में फहराया गया 73 फुट ऊंचा तिरंगा

ईटानगर। भाजपा विधायक त्सेरिंग ताशी ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में समुद्र तल से 15,200 फुट की ऊंचाई पर 73 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्थानीय विधायक ताशी ने सीमा की सुरक्षा कर रहे सैनिकों से राष्ट्र के प्रति अपनी निस्वार्थ सेवा जारी रखने को कहा। उन्होंने विश्वास जताया कि राष्ट्रीय ध्वज को स्थापित करने से लोगों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और ताकत की प्रेरणा मिलेगी। विधायक ने तवांग में नागरिक-सैन्य संबंधों की प्रशंसा की।

कोरोना के 743 नए केस, 7 मरीजों की मौत

नई दिल्ली। देश में बीते 24 घंटे में कोविड-19 के 743 नए मामले सामने आए तथा उपचाराधीन मरीजों की संख्या 3,997 है। बीते 24 घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण से सात लोगों की मौत हुई है।

24 घंटे में कोविड-19 से केरल में तीन, कर्नाटक में दो जबकि छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु में एक-एक मरीज की मौत हुई है। ठंड और कोरोना वायरस के नए उपस्वरूप के कारण हालिया दिनों में संक्रमण के मामलों में तेजी आई है।

7 राज्यों में घना कोहरा, बढ़ी ठिठुरन, 80 विमान और 30 ट्रेनें प्रभावित

नए साल में पहाड़ों में बर्फबारी, मैदान में सताएगा कोहरा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मौसम का मिजाज पल-पल बदल रहा है। पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानों को कोहरे को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। लगातार चौथे दिन दिल्ली एयरपोर्ट से फ्लाइट्स के लेट होने का सिलसिला जारी रहा। सुबह साढ़े आठ बजे तक 80 फ्लाइट्स और 30 ट्रेनें अपने निर्धारित समय से नहीं चल पाईं। शनिवार सुबह राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत 7 राज्यों में घना कोहरा देखने को मिला। हिमाचल और यूपी में कोहरे के चलते हादसे में 5 की मौत हो गई। उधर, उत्तर रेलवे के अनुसार ज्यादातर ट्रेन 2 घंटे से 6 घंटे तक की देरी से चल रही थीं। वहीं गुरुवार को 134 फ्लाइट डिले हुई थीं, जिसमें इंटरनेशनल और डोमेस्टिक उड़ानें शामिल थीं। उत्तराखंड के कुमाऊं के कुछ इलाकों में और हरिद्वार में घना कोहरा छाया रहा। ▶▶ शेष पेज 5 पर

कुश्ती महासंघ में थम नहीं रहा 'दंगल', दिग्गज पहलवान ने दिखाया दम

विनेश ने लौटाए अवार्ड, पुलिस ने रोका तो कर्तव्य पथ पर छोड़ा पदक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व चैंपियनशिप में कई बार की पदक विजेता विनेश फोगाट ने शनिवार को अपने खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार लौटा दिए और दिल्ली पुलिस द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय जाने से रोके जाने के बाद दोनों पुरस्कार कर्तव्य पथ के बीच में छोड़ दिए। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पहलवान विनेश ने मंगलवार को अपना खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार सरकार को लौटाने का फैसला किया था और कहा था कि ऐसे समय में इस तरह के सम्मान बेमतलब हो गए हैं जब पहलवान न्याय पाने के लिए जूझ रहे हैं। विनेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अपने फैसले की घोषणा की थी। उन्होंने शनिवार को अपने पुरस्कार लौटाने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। ▶▶ शेष पेज 5 पर

राजस्थान में 22 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

अनोखा प्रयोग, चुनाव लड़ने वाले को बनाया मंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राजस्थान में लंबे इंतजार के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया और इसके साथ ही प्रदेश की राजनीति गरमा गई। दरअसल चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार सुरेंद्र पाल सिंह टीटी को मतदान से पहले ही मंत्री बनाना कांग्रेस को बेहद नागवार गुजरा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि यह आदर्श चुनाव संहिता का उल्लंघन है।

श्रीकरणपुर विधानसभा पर पांच जनवरी को है मतदान

श्रीकरणपुर विधानसभा सीट पर पांच जनवरी को वोटिंग होने वाली है और इससे पहले ही भाजपा उम्मीदवार सुरेंद्र पाल सिंह टीटी को मंत्री बना दिया गया। कांग्रेस ने इसे मतदाताओं को प्रलोभन देने का प्रयास बताया है। गौरतलब है कि राजस्थान की श्रीकरणपुर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी की मौत के बाद चुनाव आयोग ने वहां पर मतदान को टाल दिया था। जिसके बाद अब पांच जनवरी को श्रीकरणपुर सीट के लिए वोटिंग होगी, जबकि तीन दिन बाद नतीजे सामने आएंगे। कांग्रेस ने यहां से रूपिंदर सिंह कूनर को चुनावी मैदान में उतारा है।

कांग्रेस ने उठाए सवाल

राजस्थान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि हम चुनाव आयोग ये कार्रवाई की मांग करेंगे। डोटासरा ने कहा कि उनकी पार्टी इस मामले को चुनाव आयोग के संज्ञान में लाएगी और कार्रवाई की मांग करेगी। डोटासरा ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा 'भाजपा का अहंकार सातवें आसमान पर है। भाजपा ने चुनाव आयोग को ठेंगा दिखाकर आदर्श आचार संहिता का उल्लघंन करते हुए श्रीकरणपुर से भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्रपाल टीटी को मंत्री पद की शपथ ▶▶ शेष पेज 5 पर

पांच साल बाद भी नहीं मिला संतान सुख तो कर लिया बच्चा अगवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

शाहदरा जिले की एमएस पार्क पुलिस ने तिलक नगर निवासी रेशमा (35) को गिरफ्तार किया है। इस पर चार साल के बच्चे को अगवा करने का आरोप है। अगवा हुआ चार साल का मासूम परिजनों के हवाले कर दिया गया है।
पुलिस की तहकीकात में पता चला कि शादी के पांच साल बाद भी आरोपी महिला मां नहीं बन पाई थी। संतान सुख हासिल करने के लिये उसने यह वारदात की थी।

डीसीपी रोहित मीणा के अनुसार 24 दिसंबर को एमएस पार्क थाने में अपहरण का का केस दर्ज किया गया था। पीड़ति पवन कुमार ने बताया कि उसका चार साल का बेटा घर के बाहर खेलते समय अचानक लापता हो गया। आसपास काफी तलाशा लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने जांच के दौरान 30 किलोमीटर मार्ग पर लगे 250 से ज्यादा कैमरे खंगाले। इसके बाद एक महिला बच्चे को साथ ले जाती नजर आई। महिला की पहचान कर उसे तिलक नगर क्षेत्र से पकड़ लिया। बच्चा भी उसके घर पर था। रेशमा ने पूछताछ में बताया कि वह पिछले पांच वर्षों से शादीशुदा जिंदगी व्यतीत कर रही थी। काफी कोशिशों के बाद भी कोई बच्चा नहीं हुआ। इसलिए उसने बच्चे के अपहरण की योजना बनाई। 24 दिसंबर को शहीदी दिवस के जुलूस के अवसर पर उसे मौका मिला और उसने घर के बाहर खेल रहे बच्चे को अगवा कर लिया। आरोपी महिला हीरा नाम के एक घोषित अपराधी की बहन बताई जाती है।

खास बातें

- पुलिस ने 250 से ज्यादा कैमरे खंगाल आरोपी दबोचा
- एमएस पार्क इलाके का मामला

कुख्यात ड्रग तस्कर तेलंगाना से गिरफ्तार

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने एक कुख्यात ड्रग तस्कर को तेलंगाना से गिरफ्तार किया है। आरोपी रेप केस में भी जेल जा चुका है। पैरोल मिलने के बाद फरार हो गया था। आरोपी शमशेर सिंह उर्फ शेरी (32) पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिये सिकंदराबाद में कपड़ों की दुकान चला रहा था। स्पेशल सीपी रविन्द्र यादव के अनुसार शमसेर सिंह अपने भाई महेंद्र पाल की गिरफ्तारी के बाद ड्रग तस्करी के धंधे का संचालन कर रहा था। शमशेर 2009 में दो अन्य सह-आरोपियों के साथ एक रेप केस में अरेस्ट हुआ था। जेल में रहने के दौरान वह ड्रग माफियाओं के संपर्क में आया और धंधे का हिस्सा बन गया। वह पंकज उर्फ संजू बाबा से हेरोइन खरीद पंजाब और दिल्ली में बेचता था। पुलिस से बचने के लिये वह वीपीएन, सिग्नल एप और व्हाट्सएप जैसे माध्यमों के जरिये ही अपने ग्राहकों से संपर्क साधता था। इस पर रेप केस थाना कुलगढ़ी, फिरोजपुर पंजाब में दर्ज हुआ था। आरोपी पहले गांव में दिहाड़ी मजदूरी करता था। उसके पिता तीन बार गांव के सरपंच रह चुके है। इसे पिछले साल एनडीपीएस एक्ट के केस में भी अरेस्ट किया गया था। उस समय इसके पास से 500 ग्राम हेरोन और 22 लाख रुपए बरामद किये हुये थे। इसकी निशानदेही पर पंकज को पकड़ा गया था, जिसका लिंक अफगानिस्तान स्थित ड्रग मॉड्यूल से भी जुड़ा मिला था।

- पुलिस से बचने के लिए चलाता था कपड़े की दुकान

ट्रैफिक कांस्टेबल की कार से ई-रिक्शा चालक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मायापुरी इलाके में एक ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल की कार से टक्कर के बाद ई रिक्शा चालक की मौत का मामला सामने आया है। इस घटना से गुस्साए लोगों ने मायापुरी थाने पर प्रदर्शन भी किया। पुलिस केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार शनिवार सुबह मायापुरी थाने में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। जिसमें दुर्घटना के संबंध जानकारी दी गई थी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल ई रिक्शा चालक को दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान ई रिक्शा चालक अमित झा पुत्र कैलाश झा निवासी मेन सागरपुर की मौत हो गई। कार सवार का नाम मुकेश कुमार पता चला। वह दिल्ली पुलिस की यातायात ईकाई में तैनात है। मुकेश कुमार की स्विफ्ट कार को जब्त कर लिया गया है। मामले की एफआईआर धारा 279/337 के तहत दर्ज की गई थी। हालांकि बाद में घायल की मौत होने पर धारा 304ए जोड़ी गई है। आरोपी पुलिसकर्मी का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया है। रिपोर्ट आनी अभी बाकी है।

संदिग्ध का स्कैच तैयार करवा रही पुलिस

इजरायली दूतावास के पास धमाके को लेकर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

इजरायली दूतावास के पास हुए धमाके को लेकर आखिरकार पुलिस ने शुक्रवार रात एफआईआर दर्ज कर ली। केस तुगलक रोड थाने में दर्ज हुआ है। हालांकि इसकी जांच स्पेशल सेल और, एनएसजी और एनआईए पहले से ही कर रही है। पुलिस की शुरुआती जांच जामिया नगर इलाके से ऑटो पकड़ घटनास्थल के नजदीक तक पहुंचे एक शख्स पर केंद्रित है। जांच दल संदिग्ध शख्स का स्कैच तैयार करवाने में जुटा है।

पुलिस के मुताबिक तुगलक रोड थाने में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3 (जीवन या संपत्ति को खतरे में डालने वाला विस्फोट) के तहत केस दर्ज किया गया है। इसमें शिकायतकर्ता एक पुलिसकर्मी ही बना है। एफआईआर के अनुसार घटना के समय इजरायली दूतावास के बाहर दो विदेशी सहित तीन सुरक्षाकर्मी तैनात थे। धमाके की आवाज सुन पुलिसकर्मी की ओर से नजदीक खड़ी पीसीआर वैन को सूचना दी गई थी। इस बीच एक पुलिसकर्मी ने पीसीआर कॉल कर दी। जांच के दौरान मौके से पुलिस को इजरायल दूतावास के राजदूत के नाम लिखा गया लेटर भी मिला था। इसके अलावा जांच दल व फॉरेंसिक टीम ने कुछ छर्रे जैसी चीजें भी जब्त की थी। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली, जिसमें दोपहर करीब ढाई बजे घटनास्थल के नजदीक एक ऑटो को देखा गया। उसमें से एक शख्स भी उतरा था। पुलिस ने ऑटो चालक को ट्रेस किया, जिसने बताया कि वह शख्स को जामिया नगर मेट्रो स्टेशन के बाहर से 150 रुपए में लेकर पृथ्वीराज रोड़ लेकर आया था। वह ठीक से हिंदी नहीं बोल रहा था। वह आदमी ऑटो से उतर कुछ देर वहीं पर रुका और फिर दूसरा ऑटो लेकर कर्तव्य पथ की ओर चला गया था। पुलिस द्वारा चैक किए गए सीसीटीवी फुटेज में वह संदिग्ध नीले रंग की जैकेट में था। दूसरे ऑटो चालक से भी पुलिस पूछताछ कर चुकी है। दोनों ऑटो चालक से मिली जानकारी के आधार पर अब संदिग्ध व्यक्ति का स्कैच तैयार करवाया जा रहा है।

खास बातें

- शुक्रवार को तुगलक रोड थाने में दर्ज हुआ केस
- जामिया नगर इलाके पर पुलिस की जांच हुई केंद्रित

खुदाई में मिले सोने का झांसा देकर ठगे थे तीन लाख रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण जिले की ग्रेटर कैलाश पुलिस ने ठगी में शामिल रैकेट का पर्दाफाश करते हुये तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला भी शामिल है। आरोपी खुदाई में मिले सोने को बेचने के बहाने ठगी करते थे। आरोपियों के नाम किशोर कुमार, कन्हैया लाल और राजो देवी है। इनके पास से पांच पुराने सिक्के, सोने की पॉलिश वाला मंगल सूत्र, दो किलो लौह धातु माला और सात मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।

पुलिस के अनुसार इस गैंग ने जमरुदपुर के एक अस्पताल में काम करने वाले शख्स को अपना शिकार बनाया था। दो दिसंबर को वह जैसे ही अस्पताल के बाहर चाय लेने गया तो उसे एक व्यक्ति मिला था। उसने बताया कि वह मजदूर है और उसे खुदाई के दौरान एक किलो सोना मिला है। वह उसे 10 लाख में बेचना चाहता है। आरोपी ने पीड़ति को लालच दिया और तीन लाख लेकर उसे सोने की जगह लोहा थमा दिया था। सोने जैसे रंग की पॉलिश लोहे पर की गई थी। इस बाबत ग्रेटर कैलाश थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की गई। चितरंजन पार्क सब डिवीजन एसीपी नीरज टोकस और स्थानीय थानाध्यक्ष अजीत कुमार की टीम ने जांच के दौरान पीड़ति से गहन पूछताछ की। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज और लोकल इंटेलीजेंस की मदद से आरोपियों को लकड़पुर, फरीदाबाद से पकड़ लिया। पूछताछ में किशोर कुमार और कन्हैया ने बताया कि वह कई लोगों को ठगी का शिकार बना चुके हैं। पकड़ी गई महिला को दोनों अपनी चाची बताते थे। आरोपी किशोर गुडगांव के एक केस में लिप्त मिला है। कन्हैया पर भी साकेत थाने में धोखाधड़ी का एक केस दर्ज है। आरोपी महिला नांगलोई क्षेत्र की रहने वाली है।

- रैकेट में शामिल महिला समेत तीन अरेस्ट
- ग्रेटर कैलाश इलाके का मामला

साइबर ठगी के पीड़ितों को वापस दिलवाये दो करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पूर्वी जिले की साइबर पुलिस द्वारा इस साल ऑनलाइन साइबर धोखाधड़ी का शिकार बने लोगों को दो करोड़ रुपये से अधिक की राशि वापस दिलाने में मदद की गई। ऑनलाइन जालसाजों ने पीड़ितों को कभी कूरियर पार्सल की आड़ में ठगा। कभी लोन का झांसा देकर ठगी की गई, तो कभी नौकरी के नाम पर ठगा। इसके अलावा ओटीपी धोखाधड़ी, अस्पताल नियुक्ति, कस्टमर केयर नंबर और यूपीआई धोखाधड़ी के जरिये करोड़ों का चूना लोगों को लगाया।

डीसीपी अमृता गुग्लोथ ने बताया कि इस वर्ष साइबर पुलिस टीम द्वारा कई अच्छे कार्य किये गये। इनमें 20 से अधिक फर्जी वेबसाइटों को सस्पेंड करवाना हो या नकली कॉल सेंटर बंद करवाना। पांच कॉल सेंटर बंद करवाये जो जॉब प्लेसमेंट की आड़ में ठगी करते थे। इस वर्ष कुल छह साइबर गिरोह का भंडाफोड़ किया गया। विभिन्न मामलों में कुल 162 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। 489 फोन नंबर और 919 आईएमईआई ब्लॉक किए गए। साइबर जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से 6000 से वरिष्ठ नागरिकों और छात्रों को जागरूक किया गया। पुलिस के अनुसार वित्तीय धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने के लिए 1930 (गृह मंत्रालय का हेल्पलाइन नंबर) पर कॉल करें या तुरंत www.cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट दर्ज करें।

- पूर्वी जिला पुलिस का सराहनीय कार्य

नई वंदे भारत रेल चला कर धार्मिक यात्राओं को और सुलभ बना दिया है : सचदेवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारतीय रेलवे ने तीन धर्म नगरियों अयोध्या, कटरा एवं अमृतसर के लिए नई वंदे भारत रेल चला कर धार्मिक यात्राओं को और सुलभ बना दिया है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आनंद विहार रेलवे-स्टेशन पर, शाहदरा जिलाध्यक्ष संजय गोयल एवं स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ श्री राम नगरी अयोध्या से वंदे भारत रेल में आए यात्रियों का स्वागत करते हुए उक्त बातें कहीं। वहीं, केन्द्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी और सांसद डॉ. हर्षवर्धन के साथ शनिवार को तीन धार्मिक स्थलों अयोध्या, माता वैष्णों देवी कटरा और अमृतसर से शनिवार से चली पहली वंदे भारत रेलों से विभिन्न रेलवे-स्टेशनों पर पधारे यात्रियों का स्वागत किया। केन्द्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने करोल बाग जिलाध्यक्ष सुनील कक्कड़ एवं स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ नई दिल्ली रेलवे-स्टेशन जा कर माता वैष्णों देवी की नगरी कटरा से आए यात्रियों का अभिनंदन किया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सरकार तीर्थ यात्रा एवं पर्यटन को आम आदमी के लिए सुविधाजनक बनाने को अग्रसर है।

सांसद डा. हर्षवर्धन ने चांदनी चौक जिलाध्यक्ष सरदार कुलदीप सिंह एवं कार्यकर्ताओं के साथ पुरानी दिल्ली रेल्वे स्टेशन पर अमृतसर से पधारे यात्रियों का स्वागत किया और कहा कि इस नई वंदे भारत ने सिखों के दो तीर्थों स्वर्ण मंदिर साहब गुरुद्वारा को गुरुद्वारा शीश गंज साहब से सीधा जोड़ दिया है।

हरिनगर में धू धू कर जल गई कार

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के हरिनगर इलाके में शुक्रवार रात चलती कार में अचानक आग लग गई। जब तक कार चला रहा कुछ समझ पाता आग की लपेटे उठने लगी। घटना में चालक की जान बाल बाल बच गई। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक कार पूरी तरह आग की चपेट में आकर खाक हो चुकी थी। कार चालक का नाम वरुण बताया गया है। वह बी ब्लॉक हरिनगर का रहने वाला है। जिस समय कार में आग लगी तब वह अपने घर की तरफ जा रहा था। अचानक कार के अगले हिस्से में आग लग गई। कार पेट्रोल चालित बताई गई है।

हाथ, गर्दन और पैर पर कट के निशान पाये

65 वर्षीय महिला की हत्या, पति पर शक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बाहरी जिले के रणहौला गांव में शनिवार सुबह एक बुजुर्ग महिला की हत्या का मामला सामने आया। महिला के हाथ, गर्दन और पैर पर कट के निशान पाये गये हैं। वारदात को लेकर मृतका के पति पर शक है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिये मोर्चरी भिजवा केस की तफ्तीश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार वारदात की सूचना सुबह करीब 5:30 बजे मिली। पुलिस रणहौला गांव पहुंची। मृतका बीरमती (65) पत्नी ईश्वर सिंह निवासी मकान नंबर 144, सुबह लगभग 5 बजे अपने घर के पास ही स्थित प्लॉट पर गई थी। उनके बेटे देवेन्द्र की पत्नी आशा सुबह 5.30 बजे प्लॉट पर गई तो सास को मृत पाया। शुरुआती जांच में पता चला कि महिला का पति ईश्वर (70) के साथ संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। ईश्वर एक पूर्व सैनिक है और आजकल बाबा बना हुआ है। वह कहीं बाहर रहता है। क्राइम टीम और एफएसएल टीम को भी वारदात स्थल पर बुलाया गया। हत्यारे की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। शुरुआती जांच में ईश्वर पर वारदात को अंजाम देने का शक है। मृतक महिला की तीन बेटियां और एक बेटा है। 47 वर्षीय बेटा देवेन्द्र पिता से अलग हो गया था और सबसे छोटी बहन प्रमिला के साथ रहता है। रणहौला पुलिस आईपीसी की धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर आगे की तफ्तीश में जुटी है।

- रणहौला का मामला
- संपति को लेकर चल रहा था विवाद

IndusInd Bank

कार्यालय पता : सी-53, किरण टावर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद (यू.पी.) 201002

दृष्टिबंधक पुनः कब्जा किये गये वाहन की नीलामी / बिक्री की सार्वजनिक सूचना

इंडसइंड बैंक लि. सीलबंद लिफाफे में सामान्यजन से नीचे दिये गये वाहनों की नीलामी हेतु नीचे वर्णित विशिष्टियों के अनुसार **"जैसा है जहां है आधार पर"** उद्धरण आमंत्रित करता है। वाहन का मॉडल और पंजीकरण संख्या नीचे दी गई है :-

क्र. सं.	डील संख्या	ग्राहक का नाम	पंजीकरण संख्या	पुनः कब्जे की तिथि	आयु	मॉडल
1	DAA00976D (DAA)	बृजेश	RJ11GB7152	26/07/2023	156	टाटा एलपीटी 2818 काउल चेसिस बीएस VI
2	DAA01051L (DAA)	अनीश ए	UP83CT1728	14/11/2023	45	महिंद्रा बोलेरो पिक अप सीबीसी पीएस बीएस-IV
3	DAA01291D (DAA)	भगवान	RJ11GC1555	24/10/2023	66	आयशर प्रो 3019 बीएस VI गुड्स एफबीटी
4	DAA01299L (DAA)	हिंदुस्तान रोडवेज	UP80FT9892	12/12/2023	17	आयशर पीआरओ 2114 XP L 24 FT एचएसडी बीएस6 सीएनजी एनर्जी
5	DAA01367D (DAA)	राजू	UP80GT5172	25/11/2023	34	अशोक लीलैंड 1615 बीएस6 ट्रक
6	DAB00419L (DAB)	फैसल मेवाती	DL1LAD4798	7/10/2023	83	महिंद्रा बोलेरो पिक अप सीबीसी 2डब्ल्यूडी बीएस IV
7	DAB00582L (DAB)	चेतन प्रताप	UP13BT9643	24/06/2022	553	टाटा एलपीटी 1512/48 बीएस VI
8	DAB00712L (DAB)	रशीद	DL1LAH4752	25/10/2023	65	बोलेरो पिक-अप सीएनजी पीएस बीएस VI
9	DAE00145L (DAE)	महिपाल	UP87T5916	5/11/2023	54	एएल इकोमेट 1615 एचएसडी डे केबिन 22 फीट बीएस VI
10	DAL01217D (DAL)	कन्हैया	UP81AF9450	17/12/2023	12	टाटा एलपीटी 2518 टीसी काउल
11	DAL01255D (DAL)	वंती	UP81DT9385	20/12/2023	9	अशोक लीलैंड 1615 बीएस VI ट्रक
12	DAM00849D (DHA)	देवेन्द्र	UP85DT6211	7/12/2023	22	आयशर प्रो 3018 एचएसडी बीएस6
13	DAM00937L (DAM)	सुरेश चंद्र अग्रवाल	UP85AT6596	28/04/2023	245	फोर्स ट्रैवलर 11एसटीआर। डी टीएम 5525 सीसीजी टाटा सिग्ना 5525 बीएस6 गुड्स केबिन
14	DAP00147D (DAP)	रिजवान	HR58C5502	25/10/2023	65	बीएमटी प्लस सीएनजी पीएस बीएस VI
15	DDA02566L (DDA)	धरम	DL1LAF6665	21/09/2023	99	आयशर प्रो 2114 एक्सपी 22 फुट एचएसडी बीएस 6 सीएनजीपी
16	DDA02702L (DDA)	तरूण	UP14KT8519	4/05/2023	239	टाटा एलपीटी 1109एच एक्स 2 36 बीएस-IV
17	DDS00594L (DDS)	फिरोज खान	UP11AT5246	4/12/2023	25	टाटा एलपीटी 3718 आईसीआर बीएस IV काउल 6डब्ल्यूबी
18	DMM01320D (DMM)	नदीम	UP15DT3955	13/08/2019	1599	10आर20
19	DMM01333L (DMM)	नौशाद खान	UP15ET4967	29/08/2023	122	महिंद्रा बोलेरो पिक अप 1.7
20	DMM01725L (DMM)	अजय	UP15FT2926	30/09/2023	90	सरताज जीएस एनजीटीसी 3335 एसएचडी सीएनजी 75 14फट बीएस6
21	DMM01800L (DMM)	गुलफाम	UP19T9778	26/07/2023	156	टाटा योद्धा 1700 बीएस VI
22	DMM01917L (DMM)	अली	UP15FT8727	29/11/2023	30	टाटा योद्धा 1700 पिकअप बीएस VI
23	DNB00171L (DNB)	नमन ट्रेडर्स	UP17AT8682	17/11/2023	42	महिंद्रा बोलेरो पिक अप सीबीसी एमएस 1.3टी
24	DUB00283L (DUB)	संजय	UP20AT8056	5/11/2023	54	टाटा योद्धा 1200 बीएस VI
25	DUB00338L (DUB)	नितिन	UP20AT9135	27/08/2023	124	एएल दोस्त सीएनजी एलएस एफएसडी बीएस 6
26	DUB00368L (DUB)	बलकारसिंह	UP20AT9247	6/10/2023	84	अशोक लीलैंड दोस्त स्ट्रॉन्ग बीएस VI
27	DUH00082L (HDD)	मंजीत सिंह	UK08CB0221	14/07/2022	533	टाटा एलपीटी1412/42 सीआरएक्स बीएस IV
28	DUS00168D (DUS)	इरशाद	UP19AT0482	29/10/2023	61	टाटा अल्ट्रा 1918 बीएस6 गुड्स ट्रक
29	DUZ01580L (DUZ)	कवरपाल	UP12CT0141	25/12/2023	4	अशोक लीलैंड दोस्त स्ट्रॉन्ग एलएस एफएसडी बीएस VI
30	DUZ02890D (DUZ)	इसरार	UP12AT1081	16/11/2023	43	टाटा एलपीएस 4018 सीआर बीएस4
31	UHH01110D (UHH)	तेजपाल	UK06CA7782	10/10/2023	80	एएल 2516 आईएल 1938 डब्ल्यूबी (6X2) बीएस III
32	UHH01139D (UHH)	जसीम	RJ13GB2913	4/10/2023	86	टाटा एलपीएस 4018 बीएस3
33	UHM00865L (UHM)	जितेंद्र	UP23AT0356	16/12/2023	13	एएल इकोमेट 1214
34	ULY01357D (ULY)	चन्द्र शेखर जयसवाल	UP25CT5952	12/08/2023	139	महिंद्रा ब्लेजो 37
35	ULY01776D (ULY)	राम	UP26T7495	8/11/2023	51	टाटा एलपीटी 3518/60 बीएस6 ट्रक काउल चेसिस
36	ULY01932D (ULY)	आरिफ अली	UP25FT1295	6/07/2023	176	एएल 1815 22 फुट एसएल एचएसडी बीएस6 एफबीटी
37	UYN00317L (UYN)	भारत	UP25ET9776	31/10/2023	59	बोलेरो मैक्स सिटी पिकअप 3000 एलएक्स बीएस6
38	DAA02737C (DAA)	राजू	UP80FP9547	17/11/2023	42	मारुति न्यू ऑल्टो 800 एलएक्सआई बीएस VI
39	DAF00574C (DAF)	देवेन्द्र सिंह	UP86T9440	31/07/2023	151	होंडा अमेज 1.2 ईएमटी
40	DAF00663C (DAF)	जितेंद्र	HR29AG1088	28/07/2023	154	मारुति स्विफ्ट वीडीआई 1248 सीसी बीएस III
41	DAL02975C (DAL)	किरण	HR26DM9952	18/11/2023	41	मारुति ईको 7 सीटर एसटीडी पीईटी 1196सीसी
42	DAL03051C (DAL)	पवन	UP81BT5801	27/10/2023	63	मारुति सियाज एसएचवीएस जेडडीआई + बीएस III
43	DAL03336C (DAL)	भूरा	UP85CC4480	27/10/2023	63	मारुति ईको 7 एसटीआर एसटीडी (ओ) बीएस VI
44	DAM01959C (DAM)	राजू सिंह	UP85AW9676	4/04/2023	269	एम एंड एम बोलेरो जेडएलएक्स 2 डब्ल्यूडी 7 एसटीआर एसी एंड पीएस बीएस III
45	DAM03035C (DAM)	अरूण	UP85BF7271	18/07/2023	164	मारुति ईको 5 सीटर एसी एचटीआर पीईटी 1196 सीसी
46	DDS00463C (DDS)	काशिफ अली	UP11CH8013	21/10/2023	69	रेनॉल्ट ट्राइबर आरएक्स जैड 1.0 एल ईजी-आर बीएस VI
47	DMM02606C (DMM)	सागर	UP15DY0846	12/11/2023	47	मारुति बलेनो अल्फा 1.2 आईएसएस एजीएस बीएस VI
48	DNB00047C (DNB)	फैय्याज्यज	UP17AT0383	21/10/2020	1164	मारुति वैगन आर एलएक्सआई सीएनजी 998सीसी बीएस IV सॉलिड
49	DUH00751C (DUH)	कोमल	UK17U0556	4/11/2023	55	मारुति ऑल्टो के 10 सी वीएक्सआई + एएमटी बीएस VI
50	HDD01978C (DDS)	अनिल	UK07TB5047	14/12/2023	15	हुंडई एक्सेंट एस डीजल
51	HDD02450C (HDD)	सूरज	UK07DT2324	27/07/2023	155	हुंडई एलीट 120 स्पोर्टज + पेट्रोल बीएस VI
52	UHM04146C (UHM)	मोहम्मद	N/A	25/10/2023	65	एम एंड एम बोलेरो बी6 बीएस VI
53	UI001513H (DAB)	रूप बसंत सिंह	HR51W2491	14/01/2018	2175	टाटा इंडिगो एलएक्स
54	ULY05443C (ULY)	गीता	UP16FT9261	10/08/2023	141	हुंडई एक्सेंट प्राइम वीटीवीटी सीएनजी

जो व्यक्ति उपरोक्त वर्णित वाहनों को खरीदने का इच्छुक है वे इंडसइंड बैंक लि. से उपरोक्त वर्णित पते पर सम्पर्क कर सकता है और विशेष प्रपत्र में अपना उद्धरण इस प्रकाशन सूचना के दो दिन के अंदर जमा करवा सकता है। यह खरीददार का उत्तरदायित्व होगा कि वह एरियर के सभी करों, वाहन की पार्किंग का भुगतान करें। वह अपने नाम में ओनरशिप ट्रांसफर से सम्बन्धित आरटीओ की सभी औपचारिकताएं भी पूरी करें। बैंक वाहन की बिक्री के उपरांत इससे सम्बन्धित किसी भी विवाद के लिए उत्तरदायी नहीं होगा, बैंक को बिना पूर्व सूचना के किसी भी स्तर पर नीलामी को रद्द करने का अधिकार होगा। वाहन उच्चतर बोलीदाता को बेचा जाएगा और बैंक का निर्णय अन्तिम और इस साम्बन्ध में सभी पर लागू होगा।

स्थान : गाजियाबाद **सम्पर्क व्यक्ति : मनीष अग्रवाल, मो. नं. 9791015623**

केजरीवाल आज के समय में दिल्ली के बुजुर्गों के श्रवण कुमार : आतिशी

अब तक 84 ट्रेनों के जरिए लगभग 81 हजार बुजुर्गों को करा चुके तीर्थ यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज के समय में दिल्ली के बुजुर्गों के श्रवण कुमार है और अब तक 84 ट्रेनों के ज़रिए लगभग 81 हजार बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा करा चुके हैं और उनका वादा है कि चाहे कितनी भी बाधाएं आ जाएं लेकिन वो बुजुर्गों के लिए तीर्थ-यात्रा का सिलसिला रुकने नहीं देंगे और दिल्ली के हर बुजुर्ग की तीर्थ यात्रा करवाएंगे। दिल्ली की राजस्व मंत्री आतिशी ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत शनिवार को 780 बुजुर्गों को लेकर दिल्ली से रामेश्वरम के लिए 85 वीं ट्रेन रवाना करने से पहले तीर्थयात्रियों से मुलाकात कर उन्हें यात्रा टिकट और किट सौंपने के दौरान उक्त बातें कहीं। इस यात्रा से पहले सभी तीर्थयात्रियों के लिए त्यागराज स्टेडियम में भजन संध्या का आयोजन किया गया। यहां राजस्व मंत्री आतिशी ने कहा कि मैं दिल्ली के सभी बुजुर्गों की ओर से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का धन्यवाद करना चाहती हूं जो दिल्ली के सभी बुजुर्गों को अपने माता-पिता की तरह मानते है और बेटे की भूमिका निभाते हुए दिल्ली के बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा करवा रहे हैं। राजस्व मंत्री ने कहा कि मुझे इस बात की ख़ुशी है कि पिछली कई बार से तीर्थ-यात्रा पर जाने वाले बुजुर्गों में 80 प्रतिशत से अधिक महिलाएं होती है। ये बेहद अच्छी बात है क्योंकि हमारे समाज में एक महिला अपनी पूरी ज़िंदगी अपने परिवार की सेवा में लगा देती है। और अक्सर महिलाएँ ख़ुद को पीछे रखकर अपने परिवार को आगे रखती है। ऐसे में हमारे लिए ये बेहद ख़ुशी कई बात है कि जिन माताओं ने अपना पूरा जीवन अपने परिवार की सेवा में लगा दिया हम ज़िंदगी के इस पड़ाव पर उन्हें तीर्थ-यात्रा पर भेज रहे है।

इन तीर्थ स्थलों का दर्शन कराती है केजरीवाल सरकार

दिल्ली सरकार रामेश्वरम, द्वारकाधीश, सोमनाथ, नागेश्वरम, जगन्नाथपुरी, बाबा महाकाल, शिरडी में तमकेश्वरम तिरुपति बालाजी, अयोध्या, माता वैष्णो देवी, पुष्कर, फतेहपुर सीकरी, अमृतसर में स्वर्ण मंदिर, करतारपुर साहिब, मथुरा-वृंदावन और हरिद्वार के दर्शन अपने खर्चे पर करवाती है। पात्र यात्री अपनी मन पसंद यात्रा को चुन सकते हैं।

खबर संक्षेप

एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने किया औचक निरीक्षण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के 'स्वच्छ भारत मिशन' और 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण के साथ, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने नेहरू पार्क, चाणक्यपुरी और इसके आस-पास के स्थानों पर सार्वजनिक शौचालयों (पीटीयू) और वाटर एटीएमों का एक व्यापक औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य नई दिल्ली क्षेत्र के बड़ी संख्या वाले आगंतुकों के लिए एक स्वच्छ और कुशल सार्वजनिक परिवहन प्रणाली सुनिश्चित करना है। चाणक्यपुरी में स्थित सत्य मार्ग और नीति मार्ग पर तीन शौचालयों के निरीक्षण के दौरान उपाध्याय ने एक सराहनीय स्तर की साफ-सफाई को देखा। छोटी-मोटी मरम्मतें, सेनेटरी वेंडिंग मशीन कार्य नहीं रही थीं और इसे लेकर उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ तत्पर संवाद किया। निरीक्षण के बाद उपाध्याय ने नेहरू पार्क में वाटर एटीएमों के कार्यक्षमता का मूल्यांकन किया।

जमीनी स्तर के लोकतंत्र की आधारशिला बनाते हैं स्थानीय चुनाव : डॉ विजय देव

नई दिल्ली। राष्ट्रीय और राज्य-स्तरीय चुनावों के महत्व को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है, यह स्थानीय चुनाव ही हैं जो जमीनी स्तर के लोकतंत्र की आधारशिला बनाते हैं। वार्ड स्तर पर आयोजित नगर निगम चुनाव नागरिकों को अपने समुदायों के शासन में सीधे बोलने का अधिकार देते हैं, यह सुनिश्चित करते हैं कि उनकी आवाज सुनी जाए और उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा किया जाए। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और यूटी चंडीगढ़ के राज्य चुनाव आयुक्त डॉ. विजय देव ने दिसंबर 2022 में आयोजित दिल्ली नगर निगम के आम चुनावों पर शुक्रवार को एक कॉफी टेबल बुक के विमोचन के मौके पर यह संबोधन दिया। साथ ही राज्य चुनाव आयुक्त ने कॉफी टेबल बुक के अलावा चुनाव रिपोर्ट के दो खंड भी जारी किए। इस अवसर पर उनके साथ सचिव बंसराज, आदेश्वर कांत और पी. के. गोयल उपस्थित रहें।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस किया गया दर्ज

घने कोहरे ने दी दस्तक रुकी वाहनों की रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में शनिवार को मध्यम से घना कोहरा रहा वहीं, कई इलाकों में दृश्यता में सुधार आया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। दिल्ली के मुख्य मौसम केंद्र सफदरजंग में दृश्यता 200 मीटर रही जबकि रिज क्षेत्र में यह 500 मीटर दर्ज की गई। कोहरे के कारण लगातार चौथे दिन ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई। दिल्ली आने वाली 30 रेलगाड़ियां देरी से चल रही हैं। वहीं दिल्ली की सड़कों पर वाहन रेंगते हुए नजर आए।

आईएमडी ने बताया कि दिल्ली में न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के औसत तापमान से पांच डिग्री अधिक है। वहीं, सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 88 प्रतिशत रही। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह आठ बजे 332 रहा, जो 'बहुत खराब' श्रेणी के अंतर्गत आता है। एक्यूआई शून्य से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बेहद खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

प्रदूषण और ठंड के समय गायब है मुख्यमंत्री केजरीवाल और पर्यावरण मंत्री : सचदेवा

नई दिल्ली। यह अफसोसजनक है कि ऐसे समय में जब दिल्लीवासी प्रदूषण की धुंध और ठंड के साथ कोहरा, दोनों का सामना कर रहे हैं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पर्यावरण मंत्री गोपाल राय गायब हैं। पिछले एक सप्ताह से सीएम छुट्टी पर हैं जबकि पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने एक शब्द भी नहीं बोला है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को केजरीवाल सरकार को घेरते हुए उक्त बातें कही। बता दें कि दिल्ली भाजपा ने शनिवार सुबह दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण और प्रदूषण को नियंत्रित करने में अरविंद केजरीवाल सरकार की विफलता को उजागर करने के लिए नई दिल्ली में 4 प्रमुख स्थानों पर ऑक्सीजन मास्क अभियान का आयोजन किया। प्रदेश अध्यक्ष सचदेवा ने कहा है कि पिछले एक साल से दिल्ली हवा में धूल के कणों की वृद्धि के कारण वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का स्तर बढ़ने के कारण अत्यधिक प्रदूषण का सामना कर रही है। पिछले सप्ताह अक्टूबर से प्रदूषण और बढ़ गया है क्योंकि मुख्य रूप से पंजाब में फसल अवशेष जलाने की घटनाएं सामने आई थी और अब धूल के कारण प्रदूषण बढ़ा हुआ है। सचदेवा ने कहा है कि प्रदूषण पर दिल्ली सरकार की शीतकालीन कार्य योजना पूरी तरह विफल रही है क्योंकि उसके पास शहर में लगातार बढ़ते धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार को जगाने के लिए हमारे 5 वरिष्ठ नेता दिल्ली के प्रमुख यातायात चौराहों पर ऑक्सीजन मास्क के साथ खड़े हुए है।

बच्चों पर ब्रोन्कोल अटैक में हुई वृद्धि

सांसद मनोज तिवारी एवं दिल्ली भाजपा महासचिव कमलजीत सहरावत 11 मूर्ति चौक पर ऑक्सीजन मास्क पहनकर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ खड़े हुए और कहा कि लगातार बढ़ते प्रदूषण से गर्भवती महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। बच्चों पर ब्रोन्कोल अटैक में वृद्धि हुई हैं। प्रदेश भाजपा महासचिव योगेन्द्र चंदोलिया ने ली मेरिडियन होटल चौराहे पर खुद ऑक्सीजन मास्क पहनकर पार्टी कार्यकर्ताओं का नेतृत्व किया और कहा कि यह अफसोस की बात है कि केजरीवाल सरकार की अन्य सभी योजनाओं की तरह उनका शीतकालीन कार्य योजना भी मंत्रियों और सत्ताधारी पार्टी के लिए पैसा कमाने का जरिया बन गया है। प्रदूषण के लिए शीतकालीन कार्य योजना पूरी तरह अप्रभावी है।

एक्यूआई का 200 से ऊपर जाना चौंकाने वाला

दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता राजीव बब्बर ने इस विरोध अभियान का समन्वय किया और स्वयं इंडिया गेट कर्तव्य पथ चौराहे पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ खड़े रहे। राजीव बब्बर ने कहा है कि यह अफसोसजनक है कि प्रदूषण पर अंकुश लगाने में केजरीवाल सरकार की विफलता के कारण वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है और उन्हें घर के अंदर रहना पड़ता है। प्रदेश भाजपा महासचिव हर्ष मल्होत्रा आईटीओ चौराहे पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ खड़े हुए और कहा कि दिसंबर के अंत में एक्यूआई का 200 से ऊपर जाना चौंकाने वाला है, जबकि सामान्य तौर पर इस वक्त हवा साफ होती थी और पिछले साल तक इस समय केवल कोहरा ही परेशान करता था, लेकिन केजरीवाल सरकार की आपराधिक लापरवाही के कारण अब हम स्मॉग और कोहरे दोनों से जूझ रहे हैं।

दिल्ली नगर निगम ने तीन दुकानें की सील

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सामान्य व्यापार लाइसेंस (जीटीएल) के बिना व्यवसाय चलाने वाली दुकानों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कारवाई के अभियान के तहत, दिल्ली नगर निगम के दक्षिणी जोन ने मुनिरका क्षेत्र में तीन दुकानों को सील कर दिया है। दिल्ली नगर निगम प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि एमसीडी के साउथ जोन के प्रवर्तन विभाग ने मुनिरका मार्केट का निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य उन दुकानों या वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को चिन्हित करना था, जो दिल्ली नगर निगम अधिनियम-1957 में उल्लिखित सामान्य व्यापार लाइसेंस के संबंध में नियमों का अनुपालन नहीं करते हैं। गहन जांच करने पर, मुनिरका मार्केट में कई दुकानें सामान्य व्यापार लाइसेंस प्राप्त किए बिना व्यावसायिक गतिविधियां करती पाई गईं। इस संबंध में तीन दुकानों के खिलाफ सीलिंग आदेश पारित किए गए। इन तीन दुकानों में से दो दुकानें लालजी मार्केट में स्थित हैं और बाकी एक दुकान मुनिरका के बाबा गंगनाथ मार्केट में स्थित है। प्रशासन ने बताया कि दिल्ली नगर निगम सभी व्यवसायों और प्रतिष्ठानों से अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने और कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह करता है। यह प्रवर्तन कार्रवाई दिल्ली में एक सुरक्षित और विनियमित कारोबारी माहौल बनाने के उद्देश्य हेतु किए जा रहे प्रयास का हिस्सा है, जो निवासियों और व्यवसायों के समग्र कल्याण में योगदान देगा।

■ बिना जनरल ट्रेड लाइसेंस के संचालित हो रही थी दुकानें

10 दिवसीय विपश्यना सत्र के बाद दिल्ली लौटे केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि वह पंजाब के होशियारपुर जिले से अपना दस दिवसीय विपश्यना ध्यान सत्र पूरा करने के बाद राष्ट्रीय राजधानी लौट आए हैं और फिर से लोगों की सेवा करना शुरू करेंगे। केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में तीन जनवरी को पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश होना है। दिल्ली के मुख्यमंत्री 20 दिसंबर को होशियारपुर से करीब 11 किलोमीटर दूर आनंदगढ़ स्थित धम्म धज विपश्यना केंद्र (डीडीवीसी) पहुंचे थे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दस दिनों की विपश्यना साधना के बाद आज वापस लौटा। इस साधना से असीम शांति मिलती है। नयी ऊर्जा के साथ आज से फिर जनता की सेवा में लगेंगे। सबका मंगल हो। ध्यान केंद्र से प्रस्थान करने से पहले केजरीवाल को डीडीवीसी के न्यासी गौतम लाल ने सम्मानित किया। यह पहली बार था जब केजरीवाल ने पंजाब में विपश्यना का अभ्यास किया। इससे पहले उन्होंने जयपुर, नागपुर, धर्मकोट और बेंगलुरु में यह अभ्यास किया था। विपश्यना आत्म-अवलोकन के माध्यम से आत्म-परिवर्तन के लिए ध्यान की एक प्राचीन भारतीय पद्धति है, जिसमें मन और शरीर के बीच गहन अंतर्संबंध पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। ध्यान के दौरान केजरीवाल को केंद्र के नियमों का पालन करना था, जिसमें मोबाइल फोन, इंटरनेट, टेलीविजन और समाचार पत्रों के उपयोग से परहेज करना शामिल था। डीडीवीसी के प्रवक्ता ने कहा कि उनकी दिनचर्या सुबह चार बजे शुरू होती थी और रात साढ़े नौ बजे समाप्त होती थी। इस दौरान वह साधारण भोजन करते थे और उन्हें दोपहर के बाद भोजन की अनुमति नहीं थी।

आज रात राजीव चौक मेट्रो स्टेशन से नौ बजे के बाद यात्रियों को बाहर निकलने की नहीं होगी अनुमति : डीएमआरसी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने शनिवार को कहा कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर अत्यधिक भीड़भाड़ से बचने के लिए रात नौ बजे के बाद यात्रियों को राजीव चौक मेट्रो स्टेशन से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि यात्रियों को स्टेशन पर प्रवेश की अनुमति होगी। डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने एक बयान में कहा कि पुलिस अधिकारियों से मिले परामर्श के आधार पर नववर्ष की पूर्व संध्या पर अत्यधिक भीड़ से बचने के लिए रात नौ बजे के बाद राजीव चौक स्टेशन से निकास की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 31 दिसंबर को स्टेशन से अंतिम ट्रेन रवाना होने तक यात्रियों को प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। दयाल ने कहा कि यात्रियों से अनुरोध है कि वे इसी के अनुसार अपनी यात्रा योजना बनाएं। दयाल ने कहा, बाकी मेट्रो स्टेशनों पर सेवाएं नियमित समय सारिणी के अनुसार उपलब्ध रहेंगी। दिल्ली पुलिस ने बृहस्पतिवार को कहा था कि रविवार रात 8 बजे के बाद कनॉट प्लेस की ओर जाने वाले यातायात को नियंत्रित किया जाएगा। पुलिस ने कहा था कि वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए लगभग 2,500 यातायात पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे और नशे में गाड़ी चलाने पर रोक लगाने के लिए 250 टीम तैनात की जाएंगी।

निगम विद्यालयों के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने का कार्य कर रही निगम सरकार

शिक्षा समाज में सकारात्मक बदलाव का सशक्त माध्यम : उपमहापौर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

शिक्षा समाज में सकारात्मक बदलाव का सशक्त माध्यम है। बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाकर ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। दिल्ली नगर निगम के उपमहापौर आले मोहम्मद इकबाल ने शनिवार को शहरी सदर पहाड़गंज जोन के निगम प्रतिभा सह- विद्यालय फूलमंडी में आयोजित विज्ञान मेले का अवलोकन किया एवं क्षेत्रीय शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षकों को सम्मानित करने के दौरान उक्त संबोधन दिया। इस दौरान उपमहापौर आले मोहम्मद इकबाल ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में निगम की आप सरकार दिल्ली सरकार के शिक्षा मॉडल को निगम विद्यालयों में लागू कर रही है। इस उद्देश्य से निगम विद्यालयों के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निगम विद्यालयों में जल्द ही सुरक्षा गार्ड, डाटा एंट्री ऑपरेटर की भर्ती की जायेगी और सुनिश्चित किया जायेगा कि बच्चों को साफ एवं सुरक्षित वातावरण मिले। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद सुलताना आबाद, अतिरिक्त निदेशक सुजाता मलिक और शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

छात्रों ने किए वैज्ञानिक मॉडल प्रदर्शित

तीन दिवसीय विज्ञान मेले के समापन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में निगम छात्रों ने विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर मॉडल प्रदर्शित किए। छात्रों ने सामाजिक संदेशों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। आले मोहम्मद इकबाल ने कार्यक्रमों के माध्यम से वैज्ञानिक ज्ञान और रचनात्मकता को शानदार प्रदर्शन करने के लिए शिक्षकों और छात्रों के प्रयासों की सराहना की।

स्कूलों के वार्षिकोत्सव समारोह में शामिल हुए इमरान हुसैन, बढ़ाया बच्चों का हौसला

नई दिल्ली। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन शनिवार को बल्लीमारान विधानसभा क्षेत्र के गवर्नमेंट सर्वोदय कन्या विद्यालय(ईदगाह रोड), गवर्नमेंट बॉयज मिडिल स्कूल (मॉडल बस्ती) और गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल (कुरेश नगर) के वार्षिकोत्सव समारोह में शामिल हुए। वार्षिक उत्सव समारोह में विद्यालय में प्रिंसिपल, स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों, शिक्षक गणों के अलावा इलाके के प्रबुद्धजनों, अतिथियों और बच्चों के अभिभावकों ने भाग लिया। इस मौके पर मंत्री इमरान हुसैन ने कहा कि हमारे सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। स्कूल के शिक्षकों और छात्रों की शिक्षा के प्रति दृढ़ संकल्प के कारण एक दिन अपनी इसी प्रतिभा के दम पर ये बच्चे भारत को दुनिया का नंबर 1 देश बनायेंगे। ईदगाह रोड स्थित राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय के वार्षिकोत्सव का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। मंत्री इमरान हुसैन ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के दौरान स्कूली बच्चों के उत्साह और छात्रों के मनमोहक प्रस्तुति की सराहना की। स्कूल की छात्राओं ने फेस्टिवल थीम पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर आगंतुकों का मन मोह लिया। खाद्य आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन द्वारा स्कूल बुक "ज्ञान धारा" का भी विमोचन किया गया।

आईपी यूनिवर्सिटी के 20 छात्र-छात्राओं को मिली 'हाना छात्रवृति'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आईपी यूनिवर्सिटी के 20 छात्र-छात्राओं को शनिवार 'हाना छात्रवृति' प्रदान की गई। यह छात्रवृति दक्षिण कोरिया के सबसे बड़े बैंक 'हाना बैंक' द्वारा दिया जाता है। हाना बैंक ने दो साल पहले इस छात्रवृति की शुरुआत यूनिवर्सिटी के मेधावी छात्र- छात्राओं को अर्थिक सहयोग प्रदान करने के लिए की थी। इस छात्रवृति के रूप में प्रत्येक छात्र-छात्राओं को 500 अमेरिकी डालर की धनराशि प्रदान की गई है। इस तरह समवेत रूप में सभी छात्र-छात्राओं को 10 हज़ार अमेरिकी डालर की धनराशि प्रदान की गई। छात्रवृति पाने वालों में यूनिवर्सिटी कैम्पस के अलावा संबद्ध इंस्टिट्यूट्स के छात्र- छात्राएँ भी शामिल हैं। इन छात्र- छात्राओं को बधाई देते हुए यूनिवर्सिटी के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉक्टर) महेश वर्मा ने कहा कि छात्रवृति की 'यह धनराशि इन छात्र-छात्राओं के करियर के सफ़र को आसान बनाएगी। मुझे पूरी उम्मीद है कि ये इस धनराशि का सदुपयोग करेंगे और इसके ज़रिए अपने करियर को नए आयाम देंगे। हाना बैंक का कहना है कि बैंक के सीएसआर फंड का इससे अच्छा सदुपयोग नहीं हो सकता।

खबर संक्षेप

रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य बने विमल

फरीदाबाद। भाजपा व्यवसायिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक विमल खंडेलवाल को रेल मंत्रालय द्वारा

गठित रेलवे बोर्ड की तरफ से ओल्ड फरीदाबाद रेलवे स्टेशन सलाहकार समिति का सदस्य का बनाया गया। रेल मंत्रालय के रेल बोर्ड की तरफ से इनको पत्र प्राप्त हुआ है। घोषणा पत्र पर अपनी सहमति व्यक्त करते हुए हस्ताक्षर करने के उपरांत उसे रेलवे बोर्ड के लिए भेज दिया गया है।

साई मित्र मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट ने कंबल बांटे

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद के गांव वजीरपुर में संस्था साई मित्र मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कंबल

वितरण किया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक नरेंद्र जैन ने बताया कि संस्था द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सर्दी के मौसम में रजाई एवं कंबल वितरण किया गया। संस्था द्वारा शहर के विभिन्न वृद्ध आश्रमों में गर्म कपड़े एवं जरूरी दवाइयां आदि भी वितरित की गई हैं।

गाजियाबाद में एक और कोरोना पॉजिटिव मिले

गाजियाबाद। गले में दर्द और बुखार होने पर अस्पताल गए वैशाली में एक बुजुर्ग की कोरोना

जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। 73 वर्षीय बुजुर्ग का इलाज होम आइसोलेशन में चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग उनकी निगरानी कर रहा है। जिला सर्विलांस अधिकारी (डीएसओ) डॉ. आरके गुप्ता ने बताया कि इस समय जिले में कोरोना के तीन सक्रिय मरीज हैं।

ठंड में ठिठुरते स्कूल पहुंचे गाजियाबाद के नौनिहाल

गाजियाबाद। कड़ाके की ठंड के कारण डीएम ने 8वीं तक के स्कूलों में 29 व 30 दिसंबर को अवकाश

घोषित किया था, लेकिन ट्रांस हिंडन के निजी स्कूलों ने डीएम के आदेशों की परवाह नहीं की। ज्यादातर स्कूल रोजाना की तरह खुले। ठंड में ठिठुरते नौनिहाल स्कूल पहुंचे। आदेश का पालन कराने के लिए बेसिक शिक्षा अधिकारी की ओर से सभी स्कूलों को अवकाश के लिए आदेश जारी किया गया था।

पैदल व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने कुचला, मौत

गुरुग्राम। सेक्टर 10 थाना क्षेत्र में वजीरपुर से फरुखनगर रोड पर पैदल जा रहे व्यक्ति को अज्ञात

वाहन ने कुचल दिया। हादसे में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया और केस दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी। शिकायत में अमरेश यादव ने कहा कि मामा बुधन ने उसे फोन पर बताया कि उसके पिता जय किशोर यादव का एक्सीडेंट हो गया है।

चोरी के मामले में दो सहित आठ काबू

गुरुग्राम। चोरी करने के मामले में गुरुग्राम पुलिस ने अलग-अलग जगह से दो नाबालिग सहित आठ

आरोपितों को काबू किया है। आरोपियों की पहचान रोहतक निवासी मोहन व संदीप, यूपी के हाथरस निवासी आफताब, यूपी के बहराईच निवासी रामपाल उर्फ रंजन, गुडग़ांव के संजीव व रुहुल उर्फ राहुल निवासी गांव ब्राह्मण गांव जिला दक्षिण दिनाजपुर (पश्चिम बंगाल) के रूप में हुई।

1927 में यमुना में गांवों के डूब जाने से अंग्रेजी हुकूमत ने की थी अस्थाई व्यवस्था

विधायक नागर ने विधानसभा में उठाई थी अमीपुर के ग्रामीणों को स्थाई रूप से बसाने की मांग

आजादी से पहले की स्थिति को सुधारने की लंबे समय से की जा रही थी मांग

विधायक राजेश नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल सबकी सुनते हैं और सही चुनते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आपकी समस्या का भी हल जरूर निकलेगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

यमुना नदी किनारे बसे गांव अमीपुर की देह शामलात स्थिति खत्म कर स्थाई रूप से बसाने की मांग हरियाणा विधानसभा में रखने पर स्थानीय ग्रामीणों ने विधायक राजेश नागर का आभार जताते हुए स्वागत किया। निवासियों ने कहा कि विधायक ने उनकी आजादी से पहले की स्थिति को सुधारने की उनकी बड़ी मांग को रखा है। इसके लिए पूरा गांव उनका आभार प्रकट करता है।

विधायक राजेश नागर ने बताया कि मेरी विधानसभा क्षेत्र में आने वाले चार गांवों को देह शामलात कर रखा है। यह स्थिति वर्ष 1927 में यमुना के जल में गांवों के डूब जाने से अंग्रेजी हुकूमत द्वारा अस्थाई व्यवस्था बनाने के बाद से चली आ रही है। नागर ने कहा कि आप लोगों ने मुझे चुनकर विधानसभा भेजा है। इसलिए मैं हमेशा आपकी आवाज बना रहूंगा।

सही चुनते है सीएम मनोहर

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल सबकी सुनते हैं और सही चुनते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आपकी समस्या का भी हल जरूर निकलेगा। इस अवसर पर गांव अमीपुर की सरदारी सहित कई गांव के निवासियों ने विधायक राजेश नागर को मिठाई खिलाई और फूल मालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर गांव अमीपुर सरपंच सुभाष भाटी, पूर्व चेयरमैन सुनील भाटी, पार्षद संदीप भाटी, पूर्व पार्षद सिब्बी, दिनेश भाटी, धर्मवीर भाटी, पूर्व सरपंच वेदपाल, जयचंद, छत्रपाल बीडीसी मैम्बर, तेजी, ईश्वर सिंह, मवासी आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आर्य नगरवासियों को नववर्ष से पूर्व एक करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

मोहना रोड पर बनाए जाने वाले एलिवेटिट पुल का सपना अब जल्द हो जाएगा पूरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने बल्लबगढ़ के आर्यनगर के निवासियों को करीब एक करोड़ की लागत से बनने वाली आरएमसी गलियों की सौगात दी।

प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा का मोहना रोड पर बनाए जाने वाले एलिवेटिट पुल का सपना अब जल्द ही पूरा होने जा रहा है। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बनाए जाने वाले इस पुल का टेंडर खुल गया है और अब नए साल में कुछ ही दिनों में इस पुल की आधारशिला रखी जाएगी। यह जानकारी प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़ के आर्यनगर के निवासियों को करीब एक करोड़ की लागत से बनने वाली आरएमसी गलियों की सौगात देते हुए दी।

परिवहन मंत्री ने स्थानीय निवासियों के हाथों गलियों के निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। इन गलियों के निर्माण कार्य होने से आर्य नगर के लोगों को बड़ी राहत मिलने वाली है।

खास बातें

- नए साल में कुछ ही दिनों में इस पुल की आधारशिला रखी जाएगी
- विकास के पथ पर है बल्लबगढ़

84 गांव को मिलेगा फायदा

उन्होंने सीएम मनोहर लाल का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा बल्लभगढ़ के विकास में प्रदेश के सीएम ने जमकर विकास के लिए धनराशि दी। उन्होंने कहा कि देश में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और प्रदेश में सीएम मनोहर लाल नेतृत्व में चहुंमुखी विकास कार्य कार्य करवाए जा रहे हैं। जिसके कारण बल्लभगढ़ विकास के पथ पर है। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ की करीब 50 कॉलोनी और पृथला विधानसभा क्षेत्र सहित करीब 84 गांव के साथ-साथ जेवर एयरपोर्ट आने जाने में मोहना रोड के एलिवेटेड पुल का लाभ लोगों को मिलेगा। वहीं बल्लभगढ़ विधानसभा के सेक्टरों और आईएमटी एरिया को इस पुल का लाभ मिलेगा।

रक्तदान शिविर में भी शिरकत की

परिवहन मंत्री ने इसके उपरांत आईएमटी में उद्योगपति कृष्ण कौशिक द्वारा रोटरी क्लब फरीदाबाद सेंटर द्वारा लगाए गए रक्तदान शिविर में भी शिरकत भी की। वहीं शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में विकसित भारत संकल्प यात्रा के यात्राएं निकाली जा रही है। जहां लोगों को उनके घर द्वार पर सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और परियोजनाओं की जानकारी दी जा रही है। लोगों के परिवार पहचान पत्र सहित सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं और परियोजनाओं का आन लाइन प्लेट फार्म प्रणाली पर लाभ दिया जा रहा है। इस अवसर पर भाजपा नेता टिपरचंद शर्मा, निर्वतमान पार्षद हर प्रसाद गोड, लखन बेनीवाल, मनोज सिसोदिया, लखमी भारद्वाज, सुषमा यादव, बबली प्रधान, मास्टर जगदीश शर्मा, शिवप्रकाश शर्मा, राजेश गौड, अर्जुन सैनी, एक्सईएन ओपी कर्दम सहित कालोनी के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नए साल के जश्न में खलल नहीं डालेगी पुलिस

ज्यादा शराब पीने वालों को कैब से भेजा जाएगा घर

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

नए साल पर शांति से जश्न मनाने वालों की मौज-मस्ती में पुलिस खलल नहीं डालेगी। पुलिस का रवैया उनके साथ नरम होगा। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा की ओर से अपने अधिकारियों को दिए गए निर्देश में इस बात का खयाल रखने को कहा गया है कि पुलिस हर किसी का सहयोग करेगी। कोई अगर शरारत करता पाया जाता है तो उसे नहीं छोड़ेगी। किसी ने ज्यादा शराब पी ली है तो उसे कैब के माध्यम से उसके घर पहुंचाया जाएगा।

▸ कैब उपलब्ध कराने के लिए डीसीपी ट्रैफिक ने कंपनियों से चर्चा की

इसके लिए डीसीपी ट्रैफिक ने कैब उपलब्ध कराने वाली कंपनियों के प्रबंधकों के साथ बैठक की है। जिनको 31 दिसंबर की रात को आवश्यकतानुसार तुरंत कैब उपलब्ध कराने को कहा गया है। अधिक नशे की हालत में होने पर पुलिस की ओर ऑनलाइन कैब बुक करके उसे घर तक भेजा जाएगा। नए साल के जश्न को लेकर कमिश्नरेट की पुलिस ने 3200 जवानों को सड़क पर उतारने का प्लान तैयार किया है। 2500 पुलिस के जवानों में एसीपी, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर , एएसआई, हवलदार व सिपाही शामिल है। जबकि 700 होमगार्ड की ड्यूटी लगाई गई है।

पुलिस ने 3200 जवानों को सड़क पर उतारने का प्लान किया

सबसे अधिक पुलिस बल की तैनाती ईस्ट जोन में की गई है। 32 पुलिस नाके के साथ पार्किंग से लेकर सेक्टर 29 की मार्केट में सादी वर्दी में जवान तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही बादशाहपुर व सेक्टर-65 थाना क्षेत्र में नए साल का जश्न मनाने वालों की भीड़ होने का अनुमान है।

फर्जी जीपीए से एनआरआई की

40 करोड़ की जमीन हड़पने पर दो और आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

फर्जी दस्तावेज तैयार कर एनआरआई की जमीन हड़पने के मामले में पुलिस ने दो और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन्हें अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस हिरासत रिमांड पर लिया है। पुलिस मामले में एक नेता समेत पांच लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

दरअसल, एक मार्च 2022 को पूर्ण मनचंदा ने पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी कि गांव बेगमपुर खटोला में उसकी जमीन को फर्जी कागजात के आधार पर रजिस्ट्री कराकर हड़प लिया गया है। पुलिस ने जांच के बाद 16 मार्च 2022 को धोखाधड़ी, जालसाजी करने व अन्य धाराओं में केस दर्ज किया। वहीं पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा ने एक एसआईटी गठित कर मामले में आरोपियों व दस्तावेजों के बारे में जानकारी जुटाने के दिशा-निर्देश दिए। एसआईटी ने रिकॉर्ड की असल बही व जीपीए के रिकॉर्ड की जांच की तो जीपीए के रिकॉर्ड का रजिस्टर का एक पेज फटा मिला। जिसमें इस जमीन की जीपीए का इंद्राज किया गया था। इसके अलावा पुलिस ने रिकॉर्ड के कई दस्तावेज कब्जे में लिए। पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी पहचान सुभाष चन्द, टोनी यादव, संजय गोस्वामी, भीम सिंह राठी व प्रदीप के रुप में हुई थी। मामले में सेक्टर-31 क्राईम ब्रांच ने कार्रवाई करते हुए दो और आरोपितों को काबू कर लिया। आरोपितों की पहचान विनोद निवासी गांव धनोदा, महेंद्रगढ़ व ओमवीर निवासी गांव नरसिंहपुर, गुरुग्राम के रूप में हुई है।

ग्रामीणों ने लाभ उठाया

गारंटी रथ यात्रा पहुंची गांव मादलपुर और कुरैशीपुर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

एनआईटी विधानसभा क्षेत्र के गांव मादलपुर और कुरैशीपुर में मोदी जी की गारंटी वाली विकसित भारत संकल्प यात्रा में भाजपा सरकार की योजनाओं को आम जन तक पहुंचाने के लिए मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश फागना उपस्थित रहें।

सतीश फागना ने बताया कि भाजपा सरकार एक ऐसी सरकार है जो बिना भेदभाव के छत्तीस बिरादरी व सर्व समाज को साथ लेकर चलती है और गरीबों तक बिना किसी लोभ के योजनाओं को पहुंचाने का काम करती है। जिसमें लोगो के आयुष्मान कार्ड, उज्जवला योजना के तहत गैस सिलेंडर, फैमिली आईडी में सुधार, पेंशन योजना, आधार कार्ड सुधार और

गरीबों के रोजगार के लिए मुद्रा लोन जैसी सभी योजनाओं का लाभ दिलाया।

इस मौके पर अनिल लोहिया चेयरमैन ब्लॉक समिति, सुरेंद्र भड़ाना चेयरमैन किसान मोर्चा नंगला मंडल, रणबीर लोहिया सरपंच खेड़ी गांव, शौककीन खान सरपंच मादलपुर, कासिम खान पूर्व सरपंच मादलपुर, इलियास खान पूर्व सरपंच, धर्मबीर पोसवाल, ओमप्रकाश राठी उपाध्यक्ष नंगला मंडल भाजपा आदि मौजूद रहे।

विधायक शर्मा ने नगर निगम आयुक्त से की मुलाकात

एनआईटी विधानसभा क्षेत्र में नाले ओवरफ्लो के कारण सड़कों पर पानी भर जाने की शिकायत की

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

एनआईटी विधायक नीरज शर्मा ने विधानसभा की समस्याओं को लेकर नगर निगम आयुक्त मोना ए निवास से मुलाकात की। विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि एनआईटी विधानसभा में लगातार सीवरेज ओवरफ्लो, नाले ओवरफ्लो की समस्या बढ़ती जा रही है जिसके कारण 60 फीट रोड, नंगला रोड़, भडाना चौक, सुभाष चौक, प्रिंस स्कूल रोड, लालू एसटीडी पर ओवरफ्लो, नाले ओवरफ्लो के कारण सड़कों पर पानी भरा है।

विधायक आदर्श ग्राम योजना के तहत एनआईटी विधानसभा के वार्ड-5 जीवन नगर पार्ट-2 की लगभग 28 गलियों, पर्वतीय कालोनी की 6 गलियों, एफ ब्लॉक की 3 गलियों, वार्ड-6 मोती वाली गली, वार्ड-3 में लगभग 10 गलियों एंव वार्ड-7 के अन्तर्गत 60 फीट रोड पर नैन चौक तक की सडक का टैंडर लगा हुआ है। जल्द ही इन सभी कार्यों का शुभारंभ होगा। इसके अतिरिक्त वार्ड-5 बाल कल्याण स्कूल पाकेट में नई सीवर लाईन डालने के लगभग 1 करोड 77 लाख रूपए के टैंडर लगे हुए है जिसका कार्य भी जल्द शुरू होगा तथा लगभग 4 करोड के अन्य टैंडर एनआईटी विधानसभा के विभिन्न वार्डों के लगे हुए है जिनका कार्य जल्द शुरू होगा।

विधायक नीरज शर्मा ने आयुक्त मोना ए श्रीनिवास नगर निगम को अवगत करवाया कि वर्ष 2012-2013 से वाटर ओवर हैड टैंक बनकर तैयार पड़े है, लेकिन वह चालू स्थिति में नहीं है। इसे लेकर फरीदाबाद महानगर विकास प्रधिकरण द्वारा ननि को पत्र लिखकर कहा गया है कि इसे चालू किया जाए ताकि लोगों को पानी की समस्या से ना जूझना पड़े।

ढोल नगाड़ों के साथ निगम में आयोजित हुआ 11 कर्मचारियों का विदाई समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

नगर निगम मुख्यालय से 11 कर्मचारियों का रिटायरमेंट हुआ। जिसमें सहायक नगर आयुक्त रश्मि त्रिपाठी, सुरेश कुमार लेखाकार, अजय शर्मा प्रथम श्रेणी लिपिक, लालाराम लिपिक, योगेंद्र शर्मा निर्माण सुपरवाइजर, रफीक अनुचर, बाला देवी अनुचर, मुकेश कुमार ड्राइवर, अनिल त्यागी गैंगमैन, भगवत प्रसाद सफाई नायक, राजेश सफाई कर्मचारी का रिटायरमेंट हुआ, सभी गाजियाबाद नगर निगम के कर्मचारियों तथा अधिकारियों द्वारा सेवानिवृत हो रहे कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी गई।

रश्मि त्रिपाठी सहायक नगर आयुक्त, अजय शर्मा प्रथम लिपिक, सुरेश कुमार लेखाकार नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक से मिले। नगर आयुक्त ने सभी कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी गई साथ ही गाजियाबाद नगर निगम का हर कर्मचारी निगम का महत्वपूर्ण अंग है रिटायरमेंट के पहले तथा बाद में भी अधिकारी कर्मचारियों के संग है इस प्रकार कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया। गाजियाबाद नगर निगम कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव, उद्यान प्रभारी डॉ. अनुज, मुख्य कारण निर्धारण अधिकारी डॉक्टर संजीव, विवेक एमएनएलपी, व अन्य अधिकारी-कर्मचारियों को माला तथा पुष्प गुच्छ भेंट किया कर उनका सम्मान किया। उनके द्वारा निगम हित तथा शहर हित में किए गए कार्यों की सरहाना की गई।

गाजियाबाद नगर निगम कर्मचारी संघ की तरफ से सभी पदाधिकारी सहित अध्यक्ष रविंद्र द्वारा भी सभी को शुभकामनाएं दी गई। निगम अधिकारियों ने रिटायरमेंट हो रहे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया, गाजियाबाद नगर निगम परिवार से जुड़ा रहने के लिए भी कहा, शुभकामनाएं प्रेषित की।

शिक्षकों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी देने

डीपीजी डिग्री कॉलेज में अनुसंधान पद्धति से संबंधित शोध पत्र लेखन पर कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

डीपीजी डिग्री कॉलेज ने अनुसंधान पद्धति शोध पत्र लेखन विषय पर पांच दिन का शिक्षक विकास कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य उन्नत शिक्षा तकनीकी और समृद्धि के क्षेत्र में शिक्षकों को आधुनिक तकनीकों और उत्कृष्टता के साथ परिपूर्ण करना रहा।

शिक्षक विकास प्रोग्राम (एफडीपी) का संचालन रिसर्च कमेटी मेम्बर डॉ. नेहा, डॉ. नलिनी, डॉ. शमा, डॉ. आरती, दिनेश, गीतांजलि और डॉ. जगजीत कौर ने डीपीजी डिग्री कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. एसएस बोकन, डीपीजी एसटीएम के डायरेक्टर कर्नल सुरेंद्र धनकड़, सीपीएसएम की प्रिंसिपल डॉ. संगीता यादव एवं रजिस्ट्रार अशोक गोगिया के नेतृत्व में प्रभावशाली तरीके से किया। कार्यक्रम में डॉ. डीआर अग्रवाल, प्रोफेसर इमेरिटस, स्टारेक्स यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम एवं प्रोफेसर डीएन सनसनवाल, फॉर्मर हेड ऑफ़

डिपार्टमेंट एवं डीन, एस.ओ.ई, डीएविवि, इंदौर ने महाविद्यालय में शिक्षकों का अपने ज्ञान और अनुभव से मार्गदर्शन किया।

विशेषज्ञ वक्ता डॉ. अग्रवाल ने अपने विचारों से शिक्षकों को प्रेरित किया और उन्हें शोध लेखन के क्षेत्र में नए दिशानिर्देश प्रदान करने के लिए अग्रणी तकनीकों का सही तरीके से उपयोग करने की महत्वपूर्णता पर चर्चा की। डीएन सनसनवाल ने शोध के विभिन्न आयामों पर अपनी बात रखी और आंकड़ा संकलन, शोध पत्र लेखन व शोध लेखन पर अपने महत्वपूर्ण विचार रखे।

शिक्षकों ने अनुभव साझा किए

कॉलेज के वाईस चेयरमैन दीपक गहलोत ने कहा कि कार्यक्रम में शिक्षकों को शोध की नई तकनीकों को जानने का अवसर भी मिला और उन्हें उनकी क्षमताओं को विकसित करने का एवं कार्यक्रम में उत्साही भागीदार बनने का एक माध्यम प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि डीपीजी डिग्री कॉलेज ने शिक्षक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया है। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को नवीनतम शिक्षा तकनीकों, अद्यतित पाठ्यक्रमों, और शिक्षा क्षेत्र में नई प्रवृत्तियों से अवगत कराना है। डीपीजी डिग्री कॉलेज के चेयरमैन राजेंद्र गहलोत ने कहा कि हम प्रयास करेंगे कि आने वाले समय में इस तरह के और कार्यक्रम का आयोजन करें। जिससे हमारे शिक्षकों को विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर प्राप्त हों और वे शोध के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करें। कॉलेज का यह मिशन है कि, हमारे छात्र और शिक्षक न केवल अच्छे पेशेवर योग्यताओं के साथ उभरें, बल्कि समाज में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे।

मिथिला के 50 से अधिक साधु-संतों को मिला है आमंत्रण

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में सीता रसोई के लिए बिहार से अयोध्या जाएंगे बर्तन, 1 लाख लोगों का बनेगा महाप्रसाद

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा आयोजन को लेकर बिहार भाजपा की दो जनवरी को बैठक होगी। इसमें सीता रसोई के लिए बर्तन समेत तमाम मुद्दों पर निर्णय होगा।

एजेंसी ▶▶ मुजफ्फरपुर

अयोध्या के भव्य मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की तैयारी के बीच उत्तर बिहार विशेषकर मिथिलांचल में जबरदस्त उत्साह है।

इस खास अवसर को हर कोई अपने तरीके से विशेष बनाने की तैयारी में जुटा है। श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के सदस्य कामेश्वर चौपाल ने बताया कि करीब 500 साल बाद भगवान राम अपने घर में विराजमान हो रहे हैं तो उनके ससुराल में उत्साह स्वाभाविक है। उन्होंने बताया कि परंपरा के अनुरूप अपनी बेटी के गृहप्रवेश के लिए उपहारों के साथ अयोध्या की सीता रसोई के लिए मायके से बर्तन भेजने की तैयारी है। इस रसोई में रोजाना करीब एक लाख श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद बनेगा।

2 जन. को भाजपा के बड़े नेताओं की बैठक

श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के सदस्य कामेश्वर चौपाल के अनुसार बिहार भाजपा के अध्यक्ष सम्राट चौधरी एवं केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने ट्रस्ट से बात कर बर्तनों की जरूरत पूछी थी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि दो जनवरी को हमारी बैठक है। बैठक में सीता रसोई के लिए बर्तन समेत तमाम मुद्दों पर निर्णय होगा। दो जनवरी को दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष, राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल, बिहार प्रभारी विनोद तांवड़े, तरुण चुघ जैसे नेताओं के साथ बिहार भाजपा के बड़े नेताओं की बैठक होनी है।

25 जनवरी को कई जिलों से अयोध्या के लिए चलेंगी ट्रेनें

बिहार भाजपा के प्रदेश महासचिव और रामलला दर्शन अभियान समिति के प्रदेश संयोजक जगन्नाथ ठाकुर बताते हैं कि 25 जनवरी को हजारों श्रद्धालुओं को लेकर एक साथ बिहार के कई जिलों से दर्जनों ट्रेनें अयोध्या के लिए प्रस्थान करेंगी। इन ट्रेनों में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेडिकल टीम से लेकर कीर्तन मंडली भी रहेंगी। श्रद्धालुओं को ले जाने, लाने, ठहराने व भोजन का इंतजाम निशुल्क होगा। यह अभियान 25 मार्च तक चलेगा। प्राण-प्रतिष्ठा के दिन सभी गांवों में दीपोत्सव मनाने की तैयारी है।

खबर संक्षेप

मां से 15 दिन की बच्ची छीन भागे बदमाश

शाहजहांपुर। जिले के अल्हागंज थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े सनसनीखेज वारदात हुई है।

शनिवार को महिला की गोद से उसकी 15 दिन की बच्ची को छीनकर बाइक सवार बदमाश भाग गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस बच्ची की तलाश कर रही है। घटना के बाद महिला रो-रोकर बेहाल हो गई। घटना से गुस्साए बच्ची के परिजनों और ग्रामीणों ने बझेड़ा चौराहे पर जाम लगा दिया है। पुलिस जाम खुलवाने का प्रयास कर रही है।

ईडी ने किया बिरसा मुंडा जेल के जेलर को तलब

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोपी योगेन्द्र तिवारी के नाम से एक वरिष्ठ पत्रकार को कथित

धमकी भरे कॉल करने के मामले में ईडी ने बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल के जेलर को तलब किया है। प्रवर्तन निदेशालय ने उनसे सीसीटीवी फुटेज के साथ यह स्पष्टीकरण भी मांगा है कि एक आरोपी को जेल के अंदर टेलीफोन तक पहुंच कैसे मिली। जेलर को दो जनवरी को उपस्थित होने को कहा गया है।

हजारों करोड़ की परियोजना के लिए प्रधानमंत्री का सीएम योगी ने किया स्वागत

500 वर्षों का इंतजार समाप्त, अयोध्या के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हुई 30 दिसंबर

जिस भव्यता के साथ पीएम का स्वागत हुआ, वह नए भारत की नई अयोध्या का दर्शन कराता है । सीएम योगी ने कहा कि 'अवधपुरी प्रभु आवत जानी, भई सकल शोभा के खानी' 22 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी के करकमलों से प्रभु अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो रहे हैं।

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 'अवधपुरी प्रभु आवत जानी, भई सकल शोभा के खानी' 22 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी के करकमलों से प्रभु अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो रहे हैं। 500 वर्षों का इंतजार समाप्त होने जा रहा है। प्रभु के आगमन से पहले प्रधानमंत्री का सपना था कि अयोध्या को दुनिया की सुंदरतम नगरी के रूप में स्थापित करेंगे, जिस भव्यता के साथ पीएम का स्वागत अयोध्यावासियों ने किया है, यह नए भारत की नई अयोध्या का दर्शन कराता है।

सीएम योगी ने यूपी और अयोध्या के विकास के लिए हजारों करोड़ की परियोजना के लिए यूपीवासियों की तरफ से पीएम का स्वागत करते हुए आभार जताया। सीएम ने बाल रामलला की मूर्ति पीएम को भेंट की। सीएम ने कहा कि अयोध्या बेहतरीन फोरलेन, सिक्स लेन व आठ लेन के रोड मार्ग से जुड़ा है। इसका उद्घाटन पीएम के करकमलों से होने जा रहा है। रेल की बेहतरीन सुविधा, नए रेलवे स्टेशन के साथ-साथ वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ और अमृत भारत के नाम पर दो नई ट्रेन पीएम ने प्रभु राम की जन्मभूमि अयोध्या से माता सीता के प्रकटीकरण स्थल सीतामढ़ी से जोड़ने के कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

खास बातें

- प्रधानमंत्री ने अयोध्या को इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उपहार दिया
- सबसे अधिक बार अयोध्या आने वाले प्रधानमंत्री का रिकॉर्ड मोदी जी के नाम पर बन गया
- 22 जनवरी से पहले विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी से जुड़ी अयोध्या को बेहतरीन सुविधा

पीएम बनने के बाद अयोध्या तीसरी बार पहुंचे मोदी

उन्होंने कहा कि भगवान राम त्रेता में पुष्पक विमान से अयोध्या आए होंगे, प्रधानमंत्री ने उद्घाटन कर अयोध्या को इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उपहार दिया। यह वही अयोध्या है, जहां आने की बात तो दूर, नाम लेने में भी लोग संकोच करते थे। सबसे अधिक बार अयोध्या आने वाले प्रधानमंत्री का रिकॉर्ड मोदी जी के नाम पर बन गया है। उत्तर प्रदेश व अयोध्या जैसे विरासत से जुड़ी नगरियों को नई पहचान पीएम मोदी के कारण संभव हो पाया है। आज प्रधानमंत्री 22 जनवरी से पहले विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी से जुड़ी अयोध्या को बेहतरीन सुविधाओं से संपन्न कर रहे हैं।

अपने दायित्वों का निर्वहन कर पाएंगे

सीएम ने आभार जताते हुए कहा कि प्रभु राम से इस लोक का मिलन कराने वाले त्रिकालदर्शी ऋषि महर्षि वाल्मीकि के नाम पर इस अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का नाम प्रधानमंत्री ने रखा है। रामायण को लौकिक रूप से हम सब तक पहुंचाने वाले पहले ऋषि महर्षि वाल्मीकि हैं। उनके नाम से अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नामकरण भारत के अंदर भारत की परंपरा व विरासत पर गौरव की अनुभूति कराने वाला क्षण है। सीएम ने कहा कि आगामी समय में हम सब अपने दायित्वों का निर्वहन कर पाएंगे। अयोध्या में 22 जनवरी के बाद 'अतिथि देवो भवः' का नया अनुभव देश-दुनिया को कराना है।

मुख्यमंत्री ने अपनी विशेष चर्चा में किया ऐलान

बुजुर्गों को 22 के बाद करवाएंगे अयोध्या में राम लला के दर्शन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश की राजनीति में शनिवार को उस वक्त एक नया अध्याय जोड़ दिया जब उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम की तर्ज पर लोगों से विशेष चर्चा की गोल्डन जुबली बना डाली। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के लोगों के लिए किए जा रहे कल्याण के कार्यों की फीडबैक लेने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने एक साल पहले शनिवार को विशेष चर्चा का कार्यक्रम शुरू किया था , उसका शनिवार को 50वां एपिसोड था। जैसे एक किसान गर्मी -सर्दी की परवाह किए बिना अपनी फ़सल की हिफ़ाजत करता है ठीक उसी प्रकार मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी हर हाल में (चाहे चंडीगढ़ हों या दिल्ली, या फिर किसी ग्रामीण या शहरी दौरे पर हों) हर शनिवार को अपनी विशेष चर्चा के माध्यम से प्रदेशवासियों का हाल -चाल जाना।

चर्चा में गांव और मोहल्ले से जुड़े लोग: विशेष चर्चा की गोल्डन जुबली पर मुख्यमंत्री से प्रदेश के लगभग हर गांव व मोहल्ले से लोग जुड़े हुए थे। उन्होंने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की योजनाओं व सेवाओं के लाभार्थियों के साथ मोबाइल फोन के माध्यम से साप्ताहिक विशेष चर्चा का आज एक साल पूरा हो रहा है।

सीधे ले रहे फीडबैक : इस एक साल के दौरान मुझे विभिन्न वर्गों से सीधे बात करने का अवसर मिला है, जिससे आपकी समस्याओं ,शिकायतों व सुझावों का सीधे ही पता चला है। साथ ही मुझे विभिन्न वर्गों के कल्याण व उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं और सेवाओं के कार्यान्वयन के बारे में सीधे ही फीडबैक भी मिला है। इस दृष्टि से यह कार्यक्रम मेरे लिए बहुत उपयोगी रहा है।

यूपी के 74 हजार बुजुर्गों को मिलेगा तोहफा

खाते में पहुंचेंगे तीन-तीन हजार, किस्त की गई जारी

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

नया साल बुजुर्गों के लिए खुशखबरी लेकर आ रहा है। नया साल आते ही बुजुर्गों के मोबाइल पर घंटी बजेगी और वह घंटी उनके खाते में पैसा पहुंचने की होगी। इसके लिए डिमांड पत्र समाज कल्याण के स्थानीय स्तर से चला गया है। अब नतून वर्ष आते ही बुजुर्गों के खातों में सीधे तीन-तीन हजार रुपए पहुंचेंगे। नूतन वर्ष आते ही तमाम त्योहार हैं, त्योहारी सीजन में बुजुर्गों के खातों में पहुंचा पैसा उनके जरूरी कार्यों में काम आ जाएगा। इसके लिए सीएम योगी आदित्यनाथ ने घोषणा कर दी है कि नूतन वर्ष में तीसरी किश्त जारी कर दी जाए।

विभाग डाटा फिल्टर कर प्रस्ताव भेजा

जिला समाज कल्याण विभाग से शासन ने जनपद में वृद्धावस्था पेंशन योजना के लाभार्थियों का डाटा मांग लिया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने डाटा फिल्टर कर प्रस्ताव पत्र के साथ भेज दिया है। अब नूतन वर्ष 2024 के पहले सप्ताह में सभी लाभार्थियों के खाते में पेंशन योजना की तीसरी किस्त पहुंच जाएगी। वृद्धावस्था योजना के तहत 74 हजार 238 लाभार्थी हैं। जिनके खाते में वित्तीय वर्ष 2023-24 की तीसरी किसत लाभार्थियों के खातों में पहुंचाई जाएगी। गौरतलब है कि पहली किश्त व दूसरी किश्त भेजी गई थी। तीसरी में अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर की किस्त भेजी जाएगी। तीसरी किस्त भी तीन-तीन हजार रुपए की रहेगी। क्योंकि लाभार्थियों को हर महीने एक हजार पेंशन योजना के तहत दिए जाते हैं।

पेज एक का शेष

22 जनवरी को घरों...

में काफी उत्साह दिखाई दिया। लोगों ने पीएम का भव्य तरीके से स्वागत किया। एयरपोर्ट से प्रधानमंत्री का काफिला जैसे ही निकला तो सड़क के दोनों तरफ लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। पीएम भी सभी का अभिवादन स्वीकार करते हुए आगे बढ़ते रहे। इस दौरान लोगों ने 'जय श्री राम' के नारे लगाए। 15 किलोमीटर लंबे रोड़ शो में पीएम के काफिले पर फूल बरसाए गए। उनका डमरू व शंख बजाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 140 करोड़ देशवासी 22 जनवरी को अपने घरों में श्रीराम ज्योति जलाएं। दीपावली मनाएं। ये ऐतिहासिक क्षण बहुत भाग्य से हम सभी के जीवन में आया है। हमें देश के लिए नव संकल्प लेना है, खुद को नई ऊर्जा से भरना है। आजादी के आंदोलन से जुड़े ऐसे पावन दिवस पर आज हम आजादी के अमृतकाल के संकल्प को आगे बढ़ा रहे हैं। आज विकसित भारत के निर्माण को गति देने के अभियान को अयोध्या नगरी से नई ऊर्जा मिल रही है। उन्होंने देशवासियों को एक और संकल्प दिलाया कि वे मकर संक्रांति से 14 तारीख से 22 जनवरी तक देश भर के मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाएं। उन्होने कहा कि भगवान राम अयोध्या आ रहे हैं तो उनके स्वागत में सभी धर्मस्थलों को स्वच्छ होना चाहिए।

पक्का घर रामलला को ही नहीं, 4 करोड़ गरीबों को भी मिला: एक समय था, जब यहीं अयोध्या में रामलला टेंट में विराजमान थे। आज पक्का घर सिर्फ रामलला को ही नहीं बल्कि पक्का घर देश के 4 करोड़ गरीबों को भी मिला है। आज का भारत अपने तीर्थों को भी संवार रहा है, वहीं डिजिटल टेक्नोलॉजी की दुनिया में भी छाया हुआ है। तीर्थस्थलों की यात्राओं और कई जगह से चलने वाली परिक्रमाओं के पथ को सरकार संवार रही है। इन यात्राओं और परिक्रमाओं को आसान बना रही है।

मोदी की गारंटी क्यों भरोसेमंद है, खुद पीएम ने बताया: पीएम ने कहा कि लोग मुझसे पूछते हैं कि मोदी की गारंटी क्यों भरोसेमंद है? मैं कहता हूं कि मोदी जो गारंटी देता है उसके लिए अपना जीवन खपा देता है। रात-दिन एक कर देता है। इसलिए, यह भरोसेमंद है। उज्ज्वला योजना को ही ले लीजिए। पिछले 5 दशक में सिर्फ 14 करोड़ सिलेंडर थे। हमने एक दशक में ही 18 करोड़ सिलेंडर दिए।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने की बड़ी घोषणा...अब 3 बड़े शहरों से अयोध्या के लिए सीधी उड़ान: एयर इंडिया एक्सप्रेस के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी डॉ. अंकुर गर्ग ने बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से अयोध्या और दिल्ली के बीच अपनी उद्घाटन उड़ान संचालित की। 17 जनवरी से अयोध्या से बेंगलुरु और कोलकाता के लिए सीधी उड़ान शुरू होगी। बेंगलुरु-अयोध्या रूट पर पहली उड़ान 17 जनवरी को सुबह 08:05 बजे रवाना होगी और 10:35 बजे अयोध्या में उतरेगी। वापसी उड़ान 15:40 बजे अयोध्या से रवाना होगी और 18:10 बजे बेंगलुरु पहुंचेगी। अयोध्या-कोलकाता रूट पर फ्लाइट 11:05 बजे अयोध्या से उड़ान भरेगी और 12:50 बजे कोलकाता में उतरेगी। कोलकाता-अयोध्या उड़ान 13:25 बजे कोलकाता से प्रस्थान करेगी और 15:10 बजे अयोध्या में उतरेगी।

मीरा मांझी ने ...

कर दी है। पीएम यहां करीब 20 मिनट रुके। उन्होंने मीरा के बच्चों से, पति और सास-ससुर से बात की। इससे पहले पीएम मोदी ने मीरा से पूछा कि आज क्या बनाया है? मीरा ने कहा- दाल-चावल और सब्जी पकाई है। चाय भी बनाई है। पीएम मोदी ने ठंड में चाय पिलाने के लिए कहा। साथ ही बच्चों को प्यार भी किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने निषाद परिवार को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में 22 जनवरी को आने का न्योता भी दिया।

मेरे घर में तो...

ऑटोग्राफ भी दिया। इसमें उन्होंने वंदे मातरम लिखा। पीएम ने पूछा-सब ठीक-ठाक है। कोई दिक्कत तो नहीं? मीरा के पति ने कहा कि हम लोग बहुत खुश हैं। मीरा ने बताया कि पीएम आवास योजना में घर मिला है। रसोई गैस सिलेंडर व चूल्हा मिला है, पहले भट्टी पर खाना बनाती थी। पीने का पानी फ्री में मिल रहा है। अब बचे वक्त में बच्चों को पढ़ा पाती हूं।

विनेश ने लौटाए...

विरोध स्वरूप विनेश ने कर्तव्य पथ पर पुरस्कार छोड़ दिए और बाद में दिल्ली पुलिस ने इन्हें उठा लिया। विनेश ने ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया के साथ मिलकर भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह के चुनाव का विरोध किया था। इन तीनों ने बृजभूषण पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। संजय सिंह के डब्ल्यूएफआई प्रमुख की नियुक्ति के तुरंत बाद साक्षी ने कुश्ती से संन्यास की घोषणा कर दी थी। खेल मंत्रालय ने हालांकि संविधान के प्रावधानों का पालन नहीं करने के लिए डब्ल्यूएफआई के नवनिर्वाचित पैनल को निलंबित कर दिया था जबकि भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से खेल संस्था का कामकाज देखने के लिए एक तदर्थ पैनल का गठन करने के लिए कहा था। विनेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए अपने पत्र में कहा था कि उनका जीवन सरकार के विज्ञापनों जैसा नहीं है जो महिला सशक्तिकरण और उत्थान के बारे में बात करते हैं। खेल मंत्रालय के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए आईओए ने बुधवार को डब्ल्यूएफआई का कामकाज चलाने के लिए तीन सदस्यीय तदर्थ समिति का गठन किया।

पूनिया भी लौटा चुके हैं पुरस्कार: भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव में संजय सिंह को अध्यक्ष चुना गया था। इसके बाद साक्षी मलिक ने यह कहते हुए संन्यास ले लिया कि फिर से बृजभूषण जैसा ही चुना गया है तो क्या करें? इसके बाद बजरंग ने पद्म श्री लौटाया और अब विनेश ने अपना खेल रत्न लौटा दिया है। पैरा एथलीट वीरेंद्र सिंह भी अपना पद्म श्री लौटाने की बात कह चुके हैं।

इस वजह से नाराज हैं पहलवान: दरअसल, रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के चुनाव में बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह 'बबलू' ने जीत हासिल की थी। इसे लेकर विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक समेत कई रेसलर नाराज हैं। ये रेसलर्स काफी समय से बृज भूषण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। इन सभी की मांग की थी कि रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद पर किसी महिला को होना चाहिए।

नए साल में पहाड़ों...

वहीं, देश के पर्वतीय राज्यों में आज बर्फबारी के आसार हैं। इससे सुबह-शाम के साथ दोपहर में भी ठंड बढ़ जाएगी। इसके बाद नए साल पर मैदानी इलाकों में सुबह और रात घना कोहरा लोगों की परेशानी बढ़ा सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र ने उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ में बारिश और बर्फबारी के आसार जताए हैं। जबकि, हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में घना कोहरा छाने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

इन राज्यों का ऐसा हाल पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तरी राजस्थान और उत्तरी मध्य प्रदेश के कुछ एयरपोर्ट, हाईवे और रेल रूट कोहरे की वजह से 31 दिसंबर को भी प्रभावित हो सकते हैं। 2 जनवरी के बीच कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड समेत नॉर्थ-वेस्ट और सेंट्रल दिल्ली में हल्की बारिश और बर्फबारी का अनुमान जताया है।

आज भी छाया रहेगा घना कोहरा: मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार को सुबह के समय राजधानी में मध्यम से घना कोहरा बना रहेगा। दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश 19 एवं 11 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। सोमवार को भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा। मंगलवार से अधिकतम तापमान में करीब दो डिग्री की वृद्धि होगी एवं न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट देखने को मिलेगी।

कांग्रेस ने उठाए...

दिलाई है। संभवतः देश में यह पहला मामला है जब चुनाव से पूर्व भाजपा ने अपने प्रत्याशी को मंत्री बनाया है, कांग्रेस इस मामले को चुनाव आयोग के संज्ञान में लाकर कार्रवाई की मांग करेगी। भाजपा भले ही मतदाताओं को प्रलोभन दे लेकिन श्रीकरणपुर की सीट कांग्रेस पार्टी बड़े अंतर से जीतेगी।' उधर, भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 164 (4) में निहित प्रावधानों के तहत किसी भी व्यक्ति को बिना निर्वाचित हुए 6 माह तक मंत्री पद धारण करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि इस संवैधानिक प्रावधान के अनुसार मुख्यमंत्री की सलाह पर राज्यपाल द्वारा किसी भी व्यक्ति को मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है। उसके बाद 6 महीने के अंदर उसे विधानमंडल का सदस्य निर्वाचित होना जरूरी है।

नववर्ष पर बांके बिहारी के दर्शन के लिए गाइडलाइन

5 जनवरी तक न आने की डीएम ने की श्रद्धालुओं से अपील

एजेंसी ▶▶ आगरा

वृंदावन में एक तरफ वात्सल्य ग्राम में षष्ठीपूर्ति महोत्सव, वहीं दूसरी तरफ नए साल के मद्देनजर भक्तों की भीड़ बांकेबिहारी के दर्शन के लिए उमड़ने लगेगी। भीड़ नियंत्रण की चुनौती और बीते रविवार दो महिलाओं की मौत के मद्देनजर एहतियात बरतते हुए प्रशासन के साथ ही मंदिर प्रबंधन ने लोगों से अगले तीन दिन वृंदावन आने से बचने की अपील की। खासकर बच्चे, बुजुर्ग और बीमार व्यक्ति न लाने की हिदायत जारी की गई है।

बांकेबिहारी के दर्शनों के लिए 30 दिसंबर से लेकर 5 जनवरी तक 20 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। देशभर से श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया है। शनिवार को वीकेंड के कारण लाखों श्रद्धालु उमड़ेंगे।

ठाकुर की अति पिछड़ा वर्ग को मुख्यधारा में लाने की अहम भूमिका

जेडीयू की कर्पूरी की जयंती रैली रद्द, आरजेडी मनाएगी जन्मशती समारोह

एजेंसी ▶▶ पटना

लालू प्रसाद यादव की आरजेडी 23 जनवरी को जननायक कर्पूरी ठाकुर का जन्मशती समारोह मनाएगी। आरजेडी का यह ऐलान जेडीयू द्वारा कर्पूरी ठाकुर के जन्म शताब्दी समारोह को रद्द किए जाने के बाद आया है। जेडीयू ने पहले 24 जनवरी को पटना में रैली की योजना बनाई थी, बाद में ठंड का हवाला देते हुए इसे रद्द कर दिया।

भाजपा ने इस पर निशाना साधते हुए नीतीश कुमार की पार्टी पर पिछड़ों के अपमान का भी आरोप लगाया था। हालांकि, जेडीयू का कहना है कि कर्पूरी ठाकुर की जन्मशती पर पार्टी जिला स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन करेगी।

कर्पूरी ठाकुर के जन्म शताब्दी पर राजनीतिक दलों की नजर है। जेडीयू की रैली रद्द होने के बाद आरजेडी ने 23 जनवरी को पटना में कर्पूरी जयंती पर समारोह आयोजित करने का फैसला लिया है।

आरजेडी के प्रधान महासचिव व विधायक रणविजय साहू ने दी जानकारी

आरजेडी की ओर से 23 जनवरी को पटना स्थित एसके मेमोरियल हॉल में जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव सहित तमाम बड़े नेता शामिल होंगे। इस बात की जानकारी प्रदेश आरजेडी के प्रधान महासचिव एवं विधायक रणविजय साहू ने दी।

इससे पहले जेडीयू ने पटना में 24 जनवरी को कर्पूरी जन्मशती पर अति पिछड़ों की बड़ी रैली रखी थी। पार्टी के नेता इसमें पूरे बिहार से 3 लाख लोगों के आने का दावा कर रहे थे। हालांकि, बीते 25 दिसंबर को जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने बताया कि ठंड की वजह से पटना की रैली कैंसिल कर दी गई। क्योंकि ठंग के समय इतने लोगों को पटना में ठहराने के इंतजाम में दिक्कत होगी। उमेश कुशवाहा ने कहा था कि अब जिला स्तर पर ही जेडीयू कार्यक्रम करेगी। इससे पहले जेडीयू ने दलितों को टार्गेट करते हुए पटना में भीम संसद का भी आयोजन किया था।

हरिभूमि
रविवार भारती
नववर्ष विशेष 2024
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com
नई दिल्ली, रविवार 31 दिसंबर 2023
P-6

अपने जीवन को नया रूप, नया अर्थ हम ही दे सकते हैं। इसके लिए हमें अपने स्वास्थ्य, आर्थिक, मानसिक, आत्मिक, संबंध और तकनीक प्रबंधन की कला सीखनी होगी। इस कला के सूत्रों को अपनाकर हमारा जीवन निश्चित ही तनावमुक्त, उत्साह और ऊर्जा से भरपूर बन जाएगा। इसका शुभारंभ हम कल से शुरू हो रहे नववर्ष से ही कर सकते हैं।

नए वर्ष में दें जीवन को नया अर्थ

आवरण कथा / कुमार राधारमण

यह जीवन सुख-दुख और हर्ष-विषाद की एक अनवरत यात्रा है। हमारी कामनाएं इस यात्रा को गति देती हैं और परेशानी का कारण भी बनती हैं। इस वर्ष आपने ना जाने कितनी योजनाएं बनाई होंगी। कुछ पूरे हुए होंगे और कुछ शेष होंगे। कल की बेहतरी की उम्मीद जिजीविषा को बनाए रखती है और जीवन को नए मायने देती है। वस्तुतः नएपन का बोध व्यक्ति को ऊर्जा से भर देता है और यही ऊर्जा मनुष्य के विकास का आधार है। कल से आरंभ हो रहे नववर्ष में हम स्व प्रबंधन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

आर्थिक प्रबंधन

यह आर्थिक युग है। जीने के लिए धन की अनिवार्यता है और आर्थिक आत्मनिर्भरता हर व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आप अपने परिवार से इतर लोगों के लिए भी सहारा बनते हैं और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में भी योगदान देते हैं। व्यवसाय कई पीढ़ियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना सकता है। व्यवसाय के लिए पूंजी चाहिए और लंबे समय तक छोटी बचत से भी बड़ी पूंजी खड़ी हो सकती है। बाजार के प्रभाव में आकर अनावश्यक खर्चे से बचें और आर्थिक रूप से जागरूक बनें। जिस निवेश में जोखिम हो, उसमें लाभ की संभावना भी छिपी होती है। नया वर्ष ऐसी किसी योजना को कार्यरूप देने का अवसर है। जमीन या मकान में ऐसा निवेश ना करें, जो कई वर्षों तक आपकी परेशानी का सबब बना रहे। वास्तविक जरूरत का सम्यक आकलन ऐसी परेशानी से बचा सकता है।

स्वास्थ्य प्रबंधन

जो स्वस्थ है, वही जीवन का आनंद ले सकता है। किसी रोग से ग्रस्त होने से पहले भी शरीर कई तरह के संकेत देता है, लेकिन सामान्यतः हम उन्हें पकड़ नही पाते क्योंकि हम इसके प्रति इतने जागरूक नहीं होते। ऐसे में, बेहतर यही है कि प्रतिवर्ष बुनियादी मानदंडों पर अपने स्वास्थ्य को परखने के लिए अपनी जांच कराएं ताकि यदि कोई रोग भीतर पनप भी रहा हो, तो शुरुआती दौर में ही उसका पता चल जाए और

आप आगे का जीवन सक्रियतापूर्वक बिता सकें। क्या बीत रहे वर्ष में आपने ऐसी कोई जांच कराई है? यदि हां, तो क्या आपकी दिनचर्या डॉक्टर के कहे मुताबिक ही चल रही है या आप अब भी तमाम लक्षणों का विश्लेषण अपने कयास के आधार पर कर रहे हैं? चिकित्सा विज्ञान ने जो प्रगति की है, उसका लाभ उठाना आपका अधिकार है, यह लाभ लेने में ही ना सिर्फ आपकी बल्कि आपके परिवार की भी सुरक्षा और भलाई है।

संबंध प्रबंधन

यह दुनिया संबंधों की है। बहुधा देखा जाता है कि पद, कद, रुतबा बदलते ही हमारे व्यवहार में परिवर्तन आने लगता है। अपनी खुशहाली में हम जिनसे सम्मान और मान्यता की अपेक्षा रखते हैं, व्यवहार जगत में हम उन्हीं रक्तसंबंधियों से दूर होने लगते हैं। हममें से अधिकतर लोग अपने ही सगों से धोखा खाए, सताए हुए हैं। ऐसे में, कई बार पराए, अल्पपरिचित लोग अधिक प्रिय लगने लग जाते हैं। फिर भी, संबंध छूट नहीं जाते। मैं सही-तू गलत के चक्कर में यदि संबंधों की न्यूनतम मर्यादा के पालन से भी आप चूके हों, तो आने वाला वर्ष इसे सुधारने का अवसर है। नए संबंध भी बनाएं और रक्तसंबंधियों से भी जुड़े रहें। इससे आगे चलकर पहचान का संकट पैदा नहीं होगा।

तकनीक प्रबंधन

सबसे कीमती है समय। सही समय पर लिया गया सही निर्णय एक लंबी छलांग दे सकता है। लेकिन हममें से बहुतों की दुनिया अब गैजेट्स तक सीमित रह गई है। वास्तव में, इन दिनों लोग सोशल मीडिया पर बहुत अधिक समय दे रहे हैं। परिवार छोटे हो रहे हैं और परिवार का हर सदस्य अपने मोबाइल में व्यस्त है। गौर कीजिए कि इस बीत रहे वर्ष में आपने प्रतिदिन सोशल मीडिया पर बिताए औसत समय की तुलना में क्या कुछ हासिल किया? सोशल मीडिया आपके लिए अपनी रचनात्मकता की अभिव्यक्ति या धनार्जन का विषय है या आप बस टाइमपास कर रहे हैं? गैजेट्स पर अपनी व्यस्तता की समीक्षा कीजिए और अधिक सार्थक काम को समय दीजिए। जीवन की जरूरतें बहुत अधिक नहीं हैं और ना ही महत्वाकांक्षा का कोई अंत है। इसलिए किसी भी तकनीक को उतना ही समय दें, जितने के बाद भी आप परिवार को पर्याप्त समय दे पा रहे हों।

मानसिक प्रबंधन

संभव है, बीत रहा वर्ष आपके लिए किसी विषय या क्षेत्र में कड़वा अनुभव देने वाला रहा हो। यह अनुभव नए वर्ष में आपके काम आ सकता है, क्योंकि बकौल हरिवंश राय बच्चन-जो बीत गई, सो बात गई। किसी दुर्घटना के डर से हम सड़क पर निकलना तो नहीं छोड़ देते। जीवन में आगे बढ़ना ही होता है। अपनी जिजीविषा के बूते मनुष्य ने अनंत चुनौतियां पार की हैं। प्रकृति प्रतिपल नूतन है और जीवन का हर क्षण एक अप्रतिम अवसर है। महाप्राण निराला का महामंत्र है-'नवगति नवलय ताल-छंद नव, नवल कंठ नव जलद मंत्र रव।' जब तक आपमें प्राणऊर्जा है, आप अपनी परिस्थितियों को बेहतर बनाने के लिए प्रयास कर सकते हैं। अनंत अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। आइए, अपने जीवन को नया रूप, नया अर्थ देने के शुभ संकल्प के साथ नव वर्ष में प्रवेश करें। *

आत्म प्रबंधन

मनुष्य केवल भूख, नींद और पैसा कमाने के लिए नहीं है। उसके पास एक विकसित मन और चेतना भी है। जीवन की इस आपा-धापी में, हमारे पास अपने लिए समय ना के बराबर रह गया है। आज ऐसा एकांत दुर्लभ होता जा रहा है, जिसमें हम कुछ समय सिर्फ अपने आपको दे सकें। स्वाध्याय, चिंतन-मनन, शांत करने वाले संगीत और ध्यान से हममें से अधिकतर लोग विमुख हैं। जीवन में जो कुछ भी आध्यात्मिक रूप से मूल्यवान है, तकनीक वो हमें नहीं दे रही है। सो निरंतर सक्रियता के साथ ठहरना भी जरूरी है। नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए आत्ममंथन भी हो कि क्या यह हमें बेहतर मनुष्य बना रही है? यह समय इस वर्ष की गलतियों से सबक लेकर नए वर्ष में नए संकल्प के साथ प्रवेश करने का है। क्या आपके खान-पान और जगत-व्यवहार में शुचिता है? क्या चेतना के तल पर आप ऊपर उठ पाए हैं? क्या आपके जीवन में आध्यात्मिकता है? इन प्रश्नों के जवाब अगर ना में हैं तो यही सही समय है कि आत्मचेतना के लिए भी सक्रिय हों।

लघुकथा / डॉ. मोनिका शर्मा

आभासी चक्रव्यूह

नववर्ष के संकल्पों की सूची बनाते हुए उसने तकनीकी दुनिया से मिली सहूलियतों पर भी विचार किया। नए साल में अपनी दुनिया नई कर लेने के वादों को वास्तविकता के धरातल पर उतारने के लिए बहुत से एप स्मार्ट फोन में डाउनलोड कर लिए। फोन की स्क्रीन पर पल-पल अवतरित हो वजन घटाने की युक्तियां

बताने वाले एप से लेकर मन की सेहत सुधारने के तरीके सुझाने वाले एप तक। कोई एप दिन की शुरुआत में ही सितारों की चाल जान लेने के लिए चुना तो कोई जीवनशैली बदलने के गुर समझने के लिए। उसके उत्साहित युवा मन को ये एप्स झटपट कुछ कर जाने और उसका लेखा-जोखा रखने के माध्यम प्रतीत हुए।

साल का पहला सप्ताह स्क्रीन पर अवतरित होते सुझावों को समझते-गुनते ही बीत गया। स्क्रीन स्क्रॉल का वक्त घटने के बजाय और बढ़ गया। साथ ही कम हो गई लक्ष्य तक जाने, जो करने की ठानी है, उसे कर पाने की सक्रियता और प्रतिबद्धता। कोई संकल्प मुश्किल लगता तो मन उसका विकल्प भी किसी दूसरे एप में तलाशने की वर्चुअल दौड़-धूप शुरू कर देता। यह नहीं तो वह, वह नहीं तो यह। कुछ ना करते हुए सब कुछ कर जाने का आभासी चक्रव्यूह असल जीवन को घेरने लगा। गति पकड़ने के गुर बताने वाले माध्यमों से जीवन कुछ और ठिठक-सा गया।

बेटे के स्वयं से किए वादों का दावे भर बनकर रह जाना देख मां ने संयत स्वर में एक दिन कहा, 'सोचने या चाहने भर से कुछ नहीं होता बेटा, नियमित समय और ऊर्जा लगाना ही अपने लक्ष्य तक जाने का एकमात्र रास्ता है।' बेटे ने मां की ओर देखकर हामी भरी, 'हां मां, मैं समझ गया हूं। यह सब भ्रम-सा ही है। स्क्रीन के इस ओर बैठकर जानी-समझी गई बातों के मायने भी तभी हैं, जब वास्तविक दुनिया में हम स्वयं इन्हें लागू करने की ठानें।'

मां ने आशा भरी नजर से अपने बेटे को देखा और फिर बोलीं, 'अपने आपको या जिंदगी को बदलने की राह में असर तभी नजर आता है, जब सूचनाओं और जानकारियों को जुटाने के साथ-साथ मन-जीवन में भी सक्रियता लाई जाए। बदलाव का मार्ग किसी एप में नहीं स्वयं अपने आप में है बेटे।' बेटे ने बरसों से सधी-सजग और सक्रिय दिनचर्या का पालन कर रही मां की ओर मुस्कुराकर देखा और स्क्रीन स्क्रॉल कर रहे अंगूठे को विराम दिया। फोन एक तरफ रख मन ही मन कुछ ठानते हुए वह कागज-कलम ले गंभीरता से अपनी समय सारिणी बनाने लगा। *

गीत

अशोक 'अंजुम'

नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!

तोड़ गया, अंदर तक हमको तोड़ गया,
गया वर्ष जो उलझन अनगिन छोड़ गया,
तुम देना निष्कर्ष,
तुम्हारा स्वागत है!
स्वागत है,
नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!
जो सच्चाई की राहों के साधक हैं,
मानवता के जो सच्चे आराधक हैं,
वे पाएं उत्कर्ष,
तुम्हारा स्वागत है!
स्वागत है,
नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!
निर्बल का बल बनकर जो भी रहते हैं,
जिनके मन में करुणा के नद बहते हैं,
उनको देना हर्ष,
तुम्हारा स्वागत है!
स्वागत है,
नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!
सबके पथ पर सुंदर फूल खिलाना तुम,
भटकों को अब मंजिल तक पहुंचाना तुम,
सुफलित हों संघर्ष,
तुम्हारा स्वागत है!
स्वागत है,
नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!

आत्मप्रेरणा / बीके शिवानी, मोटिवेशनल स्पीकर

आध्यात्मिक संस्था ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से जुड़ीं राजयोग मेडिटेशन शिक्षिका एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मोटिवेशनल स्पीकर बीके शिवानी दुनिया भर के लाखों-करोड़ों लोगों के जीवन में सार्थक और सकारात्मक परिवर्तन लाने के प्रेरित करती रहती हैं। नववर्ष के अवसर पर शिवानी बता रही हैं बेहतर, शांतचित्त और खुशहाल जीवन जीने के सूत्र।

नए संकल्प लें दृढ़ता से करें उन्हें पूर्ण

आध्यात्मिक प्रेरक वक्ता बीके शिवानी किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। 2007 में प्रसारित टीवी शो- 'अवेकनिंग विद ब्रह्मा कुमारीज' के माध्यम से उन्होंने जनमानस को मानसिक तनाव, अवसाद आदि मानसिक विकारों से मुक्त होकर अपने आत्म-सम्मान को ऊंचा रखने एवं आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की प्रेरणा दी। 2019 में तत्कालीन राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित बीके शिवानी विश्व साइकिएट्रिक एसोसिएशन की गुडविल एम्बेसेडर होने के अलावा फॉग्सी (एफओजीएसआई) के अद्भुत मातृत्व कार्यक्रम से भी जुड़ी हैं। प्रस्तुत हैं उनके प्रेरक विचार, उन्हीं की जुबानी।

नव वर्ष के मायने

नए वर्ष का मतलब होता है, पुराने को विदाई और नए को बधाई देना। पुरानी, कड़वी बातों, घटनाओं को भूल कर आगे बढ़ना। लेकिन क्या हम ऐसा कर पाते हैं? जवाब है-नहीं। अधिकतर लोग वर्षों तक इन कटु बातों को याद रखते हैं। मन पर बोझ लिए चलते रहते हैं और दुखी रहते हैं। जरूरी यह है कि हम पुराने साल को विदा करते समय ऐसी तमाम यादों, कमजोरियों को बिसारते जाएं। हरेक के प्रति शुभभावना रखें। लोगों को दुआएं दें, तो स्वयं को भी दुआ देना ना भूलें। नए, शक्तिशाली संकल्प लें और इन्हें दृढ़ता के साथ पूर्ण करें।

स्व-परिवर्तन सिखाता है राजयोग ध्यान

राजयोग ध्यान द्वारा स्व-परिवर्तन की इस अद्भुत यात्रा को मुझे 25 वर्ष से अधिक हो गए हैं। गुजरते समय के साथ अपने भीतर छिपे अहंकार को आत्मिक स्वरूप के अभ्यास से परिवर्तित करने का प्रयास किया है। यह यात्रा अब भी जारी है, क्योंकि आंतरिक शक्ति का विकास एक निरंतर प्रक्रिया है। हमें किसी से कुछ मांगना नहीं, सिर्फ देना होता है। देने से आंतरिक शक्ति स्वयं ही बढ़ती जाती है। जो हम देते हैं, बदले में वही पाते हैं। यह सोच दुनिया की उस मान्यता से ठीक विपरीत है कि हम जो पाते हैं, वही सच है। इससे शांति, स्थिरता एवं स्वीकार्यता तीनों बढ़ती है। इच्छाएं खत्म होती जाती हैं और वर्तमान में रहने की आदत स्वाभाविक बन जाती है। हमारे ब्रह्मा कुमारीज में एक खूबसूरत कहावत है कि जब मैं बदलूंगी तो मेरी दुनिया भी बदलेगी। तमाम आध्यात्मिक सिद्धांत एवं पद्धति भी स्व में सुधार लाने पर ही जोर देते हैं। अर्थात् स्व का ध्यान रखें, स्व की जिम्मेदारी लें, स्व को सशक्त बनाएं, स्व को मान दें एवं स्व को प्रेम करें। ऐसा करने से हम आध्यात्मिक, भावनात्मक, मानसिक, शारीरिक एवं सामाजिक पांचों रूपों में शक्तिशाली बनते जाते हैं। इसलिए किसी व्यक्ति या बाह्य परिस्थिति के बदलने की प्रतीक्षा किए बिना स्वयं पर ध्यान दें।

ऐसे रखें खुद को शांत

अशांत वातावरण में खुद को शांत रखने से पहले हमें समझना होगा कि कोलाहल हमारे आस-पास नहीं, बल्कि हमारे अपने मन के अंदर होता है। अगर सुबह ही हम अपने मन की स्थिति को ठीक कर लेते हैं और पूरा दिन थोड़ा-थोड़ा उसका ध्यान रखते रहते हैं, तो कैसी भी परिस्थिति आने पर हम उसका स्थिर रहकर सामना कर पाते हैं। जैसे किसी फोन को सुबह चार्ज करने के बाद उसके सैकड़ों फीचर्स पूरे दिन कार्य करते रहते हैं। लेकिन बैट्री अगर चार्ज ना हो, तो फिर फोन रखने का कोई उद्देश्य नहीं रह जाता है। उसी प्रकार, हमारी आत्मा भी एक बैट्री की तरह ही है, जिसे हमें हर सुबह मेडिटेशन से चार्ज करना पड़ता है। इसके अलावा, जब हम कर्मयोगी के स्वरूप में स्थित होकर कोई कार्य करते हैं, तो उसकी दिशा सही होती है। कहने का तात्पर्य है कि हर कर्म करते हुए हमें अपने वाइब्रेशंस का ध्यान रखना होता है।

कैसे मिलती है सच्ची खुशी

सच्ची खुशी तब मिलती है, जब हमारा मन हर परिस्थिति में स्थिर रहता है। यानी बाह्य संसार में कुछ भी घटित क्यों ना हो रहा हो, कोई व्यक्ति कुछ भी क्यों ना बोल रहा हो, आलोचना ही क्यों ना कर रहा हो, मन हलचल में नहीं आता है। विचलित नहीं होता है और हम खुश रहते हैं। इसी प्रकार, जब मन में सही विचार उत्पन्न होते हैं, तो हमें खुशी मिलती है। असल में खुशी हमारे भीतर ही छिपी है। वह प्रत्येक मनुष्य आत्मा का मूल एवं आंतरिक गुण है। विडंबना यह है कि आज मानव बाहरी दुनिया में खुशी तलाश रहा है। उसकी खुशी दूसरों पर निर्भर हो गई है। मनोनुकूल परिस्थिति ना होने पर वह दुखी, निराश हो जाता है। ऐसे में हम अगर अपनी स्व स्थिति पर ध्यान दें, तो खुश रहने से कोई रोक नहीं सकता है।

बच्चों-युवाओं के लिए संदेश

आजकल बच्चे, किशोर और युवा कई तरह की मानसिक समस्याओं का सामना करते दिखते हैं। हमें समझना होगा कि उनकी मानसिक समस्याओं के कई कारण हैं। पहला, वे अपने घरों में बड़ों को गुस्सा, तनाव, बेचैनी, चिंता आदि में घिरा देखते हैं। वही वाइब्रेशन उन्हें खुद भी अनुभव होती हैं। इसके अतिरिक्त, बाहरी जगत का नकारात्मक वातावरण उनके मन-मस्तिष्क पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसके अलावा, अभिभावकों एवं अन्य लोगों द्वारा बच्चों के अंदर निरंतर यह विचार डाला जाता है कि जैसी परिस्थिति होगी, वैसे ही उनका मन होगा। परिणाम यह होता है कि बच्चों और युवाओं की भावनाएं बाह्य कारकों पर निर्भर करने लगती हैं। किसी को क्रोध आता है, तो वे भी गुस्सा करने लगते हैं। कोई निराश होता है, तो उन्हें भी वही महसूस होता है। इस प्रकार की भावनात्मक निर्भरता से उनका भावनात्मक स्वास्थ्य कमजोर हो जाता है। हालांकि, बच्चे या युवा अपनी दिनचर्या में सुधार लाकर इन तमाम समस्याओं से निजात पा सकते हैं। उनके बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि वे रात को समय से (दस बजे तक) सोएं। सोने से कम से कम एक घंटे पहले गैजेट्स से दूरी बना लें। इसके बदले सकारात्मक चीजें पढ़कर या सुनकर सोएं। तब नींद भी अच्छी आएगी और सुबह जल्दी उठ सकेंगे। इससे वे ऊर्जावान महसूस करेंगे। साथ में उनकी रचनात्मकता, स्पष्टता, निर्णय लेने की क्षमता सब बढ़ जाएगी। याद रखें कि आप जो पढ़ते, सुनते, देखते और बोलते हैं, उससे ही विचार उत्पन्न होते हैं। इसके अलावा, टीवी या मोबाइल फोन देखकर खाना बंद करें। खाने से पहले मेडिटेशन के जरिए भोजन में सकारात्मक ऊर्जा भरें। हो सके तो घर का बना भोजन करें, जिसमें प्यार के वाइब्रेशन होते हैं और जो शुद्धता से बनाए जाते हैं। इन उपायों से उन्हें अवश्य लाभ होगा। *

बातचीत : अंशु सिंह

नए वर्ष के दोहे

अखिलेश श्रीवास्तव चमन

अखबारों में सुर्खियां, नया दिवस औ रैन।
मन ना माने बात यह, पढ़ते थक गए नैन।।
आते व जाते रहे, नए साल हर साल।
यक्ष प्रश्न अब भी वही, कपड़ा, रोटी, दाल।।
नया कहूं तो किसलिए, तुझको ऐ नववर्ष।
वही पुरानी बेवसी, विथड़ा-विथड़ा हर्ष।।
आंख धंसीं, चेहरे बुझे, जन-गण हैं बदहाल।
भूख, गरीबी, व्याधियां, दे गया गुजरा साल।।
गए साल में लिखना था, एक नया इतिहास।
क्या लिक्खें यह सोचते, बीते बारह मास।।
कितने फागुन, चैत गए, कितने अगहन, माघ।
नए मुखौटों में मिले, वही पुराने घाघ।।
द्वेष, डाह औ नफरतें, महंगाई की मार।
नया साल गर हो सके, कर इनका उपचार।।
हे विधना नववर्ष में, हो ऐसा संयोग।
मिटे देश की देह से, दहशतगर्दी रोग।।

लघुकथा / ललित शौर्य

नया सूरज

रश्मि बड़े ध्यान से सूरज को देख रही थी। वह मन ही मन बुदबुदाई, 'सूरज तो कल जैसा ही है, तो फिर यह साल नया कैसे हो गया? मैं तो यह नहीं मानती कि कुछ भी नया है!'

तभी पीछे से आकर रश्मि की भाभी ने उसे चौंका दिया, 'सुबह-सुबह बहुत ध्यान से क्या देख रही हो रश्मि? क्या नया नजर आ रहा है आज?'

'नया ही तो कुछ नजर नहीं आ रहा है। कल से टीवी, अखबारों में सुन-पढ़ रही हूं, नए साल का नया सूरज! पर यहां नया और नयापन जैसा कुछ भी नजर नहीं आ रहा। खैर! आपको नया साल मुबारक हो भाभी!' रश्मि ने उलझे स्वर में जवाब दिया। 'नयापन तो महसूस करना पड़ता है रश्मि। अगर हम इसे महसूस कर लें तो सब कुछ नएपन से भर जाएगा। हमारे भीतर उमंग की तरंग दौड़ने लगेगी। सूरज का नयापन हमें पहले से ज्यादा गर्माहट देगा। संबंधों का नयापन पहले से ज्यादा गहरा लगेगा। हमें अपने भीतर एक नई ऊर्जा महसूस होगी।' भाभी ने रश्मि को समझाने की कोशिश की।

यह सुनते ही रश्मि के शरीर में एक अजीब-सी सिहरन दौड़ गई। अभी तक जो सूरज उसे तेजहीन लग रहा था, अचानक उसकी आंखों के सामने दमकने लगा था। उसने भाभी को गले लगा लिया, बोली, 'भाभी, मुझे इस नए सूरज और नएपन का आभास कराने के लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद और नए साल की शुभकामनाएं।' *

मेहनत इतनी खामोशी से करो कि सफलता शोर मचाए

पढ़ने में रट्टे की बजाय समझने पर फोकस करें

आज का काम कल पर न टालें, समय पर उठें

सुबह के समय कुछ समय अपने शरीर को भी दें

नए साल में छात्रों की कामयाबी का मूल मंत्र

व्यायाम करें, शरीर के साथ दिमाग भी बनेगा चुस्त

हर छात्र कम से कम एक स्किल सीखे

हर दिन कम से कम एक घंटा खेलना भी जरूरी

छात्र किताबों से दोस्ती करें और स्क्रीन से दूरी बनाएं

सफलता चूमेगी कदम

नव वर्ष, नए संकल्प

विनोद कौशिक/विनोद गौतम

विद्यार्थियों के लिए 2024 के 24 संकल्प

हर किसी में एक न एक खासियत जरूर होती है। जरूरत है सिर्फ उस स्किल को पहचानने की। ऐसे में सभी को चाहिए कि वे अपनी खूबी को पहचानें और सफलता पाने के लिए जी जान जुट जाएं। हर बार नया साल कुछ न कुछ खास लेकर आता है। यह समय कुछ संकल्प लेने का होता है। बुराइयों को छोड़कर अच्छाइयां अपनाते हुए आगे बढ़ने का होता है। ऐसे में विद्यार्थियों को चाहिए कि वे भी नए साल 2024 के लिए अपने कुछ लक्ष्य तय करें और उन पर अमल कर तैयारी करें। इससे वे आसानी से अपनी मंजिल को प्राप्त कर लेंगे और सफलता उनके कदम चूमेगी नए साल में फरवरी से 10वीं-12वीं की परीक्षाएं होनी हैं। इसके बाद कुछ नौकरी के लिए भर्ती परीक्षाएं होनी हैं, वहीं कॉलेज और विश्विद्यालयों के एग्जाम भी होने हैं। अब बात आती है कि विद्यार्थी कैसे तैयारी करें कि वे अपना मुकाम हासिल कर सकें। इस डिजिटल जमाने में सफलता का मूल मंत्र है 'किताबों से दोस्ती और स्क्रीन से दूरी'। यदि विद्यार्थी ऐसा करते हैं तो उन्हें सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। पढ़ने में रट्टे की बजाय समझने पर फोकस करें। आज का काम कल पर न टालें। समय पर उठें और कुछ देर व्यायाम करें। कुछ समय अपने शरीर को भी दिया जाना जरूरी है। इससे मन स्वस्थ रहेगा और शरीर मजबूत बनेगा। छात्रों के लिए जितना पढ़ना जरूरी है उतना ही हर दिन खेलना भी बेहद जरूरी है। हर छात्र कम से कम एक स्किल जरूर विकसित करें। यह आपके भविष्य में काम आएगी।नए साल पर पेश इस रिपोर्ट में हम बताएंगे ऐसे 24 संकल्प जो छात्र अपने जीवन में आत्मसात कर आगे बढ़ सकते हैं।

1. आज का काम कल पर न टालें

आज के काम को कल पर टालने का प्रयास न करें। इस आदत से आप पिछड़ते चले जाएंगे। इसके बाद एक समय ऐसा आएगा कि इस गेप को भरना मुश्किल होगा। संत कबीर दास जी ने भी कहा है। 'काल करे सो आज कर, आज करे सो अब। पल में परलय होएगी, बहुरि करेगा कब'। इस साल यह संकल्प लें कि अपना आज का काम आज ही निटाएंगे। उसे कल के भरोसे पर नहीं छोड़ेंगे। इससे कॉन्फिडेंस डेवलप होगा।

2. किताबों से करें दोस्ती

विद्यार्थी किताबों से दोस्ती करें, क्योंकि कहा भी जाता है कि किताबों से ही ज्ञान मिलेगा और आपका भविष्य उज्ज्वल बनेगा। किताबें ही व्यक्ति की सच्ची मित्र होती हैं और जीवन जीने की सही राह दिखाती हैं। जो ज्ञान किताबों से अर्जित कर सकते हैं वह कहीं और से नहीं मिल सकता। छात्र किताबों पर फोकस करें और परीक्षा की तैयारी करें। जितना लिखकर या नोट्स बनाकर तैयारी करेंगे उतने ही अच्छे अंक परीक्षाओं में प्राप्त होंगे।

3. खुद को कमजोर न समझें

हा किसी में कोई न कोई प्रतिभा जरूर होती है। इसलिए खुद को किसी से कमजोर न समझें और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें। नंबर गेम के चक्कर में न फंसे अपना स्वाभाविक प्रदर्शन कर करते जाएं। अपनी किसी से तुलना न करें। सबकी अपनी-अपनी क्षमताएं होती हैं। खुद को कमजोर समझेंगे तो बेहतर प्रदर्शन नही कर पाएंगे और उलझन में फंस जाएंगे।

4. अवसर तलाशें

छात्रों को इस साल यह भी संकल्प लेना चाहिए कि जिस काम में उनकी रूचि है उसमें बेहतरीन अवसर तलाशें। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता, सिर्फ उसमें अवसर तलाशकर आगे बढ़ना होता है। कोई भी क्षेत्र हो जहां लगता है कि आप कुछ कर पाएंगे। उस क्षेत्र में अवसरों की तलाश कर जुट जाएंगे तो आपको कामयाब होने से कोई नहीं रोक पाएगा।

5. स्क्रीन से दूरी बनाएं

आज के डिजिटल युग में स्मार्टफोन, एलईडी या अन्य डिवाइस छात्रों को प्रभावित कर रही हैं, इनके जहां फायदे हैं, वहीं नुकसान भी बेहद खतरनाक हैं। स्क्रीन का सिर्फ उतना ही प्रयोग करें, जितनी जरूरत हो, वरना यह करियर को खराब कर सकता है। छात्रों को सोशल मीडिया और मोबाइल से जितना दूर हो सके, उतना दूर रहना चाहिए। स्क्रीन से जितनी दूरी रखेंगे उतना ही आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ठीक होगा। ध्यान नहीं भटकेगा और आप आसानी से अपने लक्ष्य पूरे कर पाएंगे।

6. रट्टे की बजाय समझने पर जोर

छात्रों को अच्छे नंबर पाने के लिए पढ़ाई में रट्टे के बजाय समझने पर जोर देना चाहिए, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। मानसिक विकास के लिए चीजों में बंधने की बजाय विचार मंथन और समझने की क्षमता पर जोर दिया जाना चाहिए। इससे आप भविष्य में अच्छे निर्णय ले पाएंगे। किताबों का रट्टा मारने से आप एक बार अच्छे नंबर तो पा सकते हैं, लेकिन खुद को भविष्य के लिए तैयार नहीं कर पाएंगे। ऐसे में जरूरी है कि पहले चीजों को समझना सीखें। इसी बाद कामयाबी आपसे दूर नहीं। आप किसी भी क्षेत्र में सफलता के झंडे गाड़ सकते हैं।

7. स्किल विकसित करें

छात्रों को चाहिए कि वे खुद में कम से कम एक स्किल जरूर विकसित करें। यह आपके बेहद काम की है। यह स्किल आपके बेहद काम आएगी। कई बार आप जो चाहते हैं वह नहीं बन पाते हैं। इस स्थिति में जो स्किल आपके पास है वह आपके जीवन में आपको अच्छा रोजगार भी दिल सकती है। इसलिए यह संकल्प लें कि इस साल हम कुछ न कुछ स्किल जरूर विकसित करेंगे।

8. आत्म विकास

याद रखें, हर कोई अद्वितीय है, इसलिए ऐसे संकल्प चुनें जो आपके लक्ष्यों के अनुरूप हों। आत्मविकास और आत्ममंथन करें। अच्छे बुरे की पहचान करें। आत्म-सुधार की यात्रा को अपनाएं, अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखें और देखें कि कैसे ये छोटे कदम आपके जीवन में बड़े सकारात्मक बदलाव लाते हैं।

9. सवाल उठाएं

कक्षा में सवाल पूछें, घबराएं नहीं, एक चीज एक बार में समझ न आए तो दोबारा पूछें। शर्म न करें। ध्यान रखें आप जितने सवाल उठाएंगे उतने ही निखरेंगे। यदि आप सवाल नहीं उठाते और समझ आए या न आए हां भरते या मौन स्वीकृति भी देते हैं तो अपना ही नुकसान कर रहे हैं।

10. अध्ययन का रुटीन बनाएं

अध्ययन के लिए रूटीन बनाएं। नए साल पर एक वास्तविक, यथार्थवादी अध्ययन योजना बनाएं, जिसका आप अपने पूरे शैक्षणिक वर्ष में पालन कर सकें। सभी विषयों को महत्वपूर्ण अध्यायों के साथ सूचीबद्ध करें और तैयारी के स्तर के अनुसार कुछ घंटे समर्पित करें।

11. कुछ नया आजमाएं

नए साल में कुछ न कुछ नया सीखने का संकल्प लें। आप जो कुछ भी करते हैं उसमें नयापन चीजों को दिलचस्प बनाता है और सीखने के लिए प्ररेरित करता है। तो, इस वर्ष, आप भी कुछ नया आजमा सकते हैं जो आपको उत्साहित करें और एक नई ऊर्जा का संचार करे।

12. सीखें, सिर्फ ग्रेड के लिए नहीं

आप केवल अच्छे ग्रेड प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, तो सफलता तो प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन लंबे समय के लिए नहीं। अवधारणाओं से सीखना और उन्हें अपने रोजमर्रा के जीवन में लागू करना है। इसलिए सीखें जरूर, लेकिन यह सिर्फ ग्रेड पाने के लिए ही न हो।

13. तनाव न लें

विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा या बोर्ड परीक्षाओं के दौरान तनाव नहीं लेना चाहिए। स्वाभाविक रूप से तैयारी पर ध्यान देना चाहिए। इससे छात्र परीक्षाओं में बेहतरीन प्रदर्शन कर पाएंगे। कई बार तनाव के कारण छात्र सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाते और वे परीक्षाओं में पिछड़ जाते हैं।

14. गलतियों से सीखें

एक ही गलती बार-बार नहीं करनी चाहिए, बल्कि अपनी गलतियों से सीख लेनी चाहिए। इससे आसानी से अपनी मंजिल हासिल कर सकेंगे। कहा भी जाता है की एक हार जीवन की सफलता की कूंजी होती है। इससे व्यक्ति मजबूत बनकर उभरता है। असफतला से डरें नहीं।

15. टाइम टेबल बनाएं

पढ़ाई और परीक्षा के हिसाब से टाइम टेबल बनाएं। ध्यान रखें खाली टाइम टेबल बनाकर दीवार पर चिपकाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उसे फॉलो भी करना होगा। तभी आप समय रहते खुद को स्थापित कर पाएंगे। खुद को टाइम टेबल के अनुसार ढालें। सफलता कदम चूमेगी

16. अभ्यास करें

सिलेबस का बार-बार अभ्यास करें। भी गया है 'करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान, रसरी आवत जात ते सिल पर परत निशान' अर्थात जिस प्रकार लगातार आते जाते रस्सी पत्थर पर निशान बना देती है उसी प्रकार सतत अभ्यास किसी बुद्धिहीन को भी बुद्धिमान बना देता है।

17. मन लगाकर पढ़ें

सफतला पाने के लिए मन लगाकर पढ़ाई करें। हमेशा तैयारी पर फोकस रखें। इधर-उधर के बहाने बनाने की बजाय पढ़ाई पर ध्यान देंगे तो आपको कामयाब होने से कोई नहीं रोक सकता है। पढ़ाई के लिए साफ सुथरी जगह का चयन करें। आसपास जरूरत की चीजें ही रखें।

18. सुबह जल्दी उठें

सुबह जल्दी उठकर पढ़ने से चीजें लम्बे समय तक याद रहती है। दिमाग शांत और तरोताजा रहता है। इस दौरान व्यक्ति जो भी काम करता है या फिर पढ़ता है उसे पूरे ध्यान और मन से करता है। इससे प्रोडक्टिविटी बढ़ती है। पढ़ाई पर और ज्यादा ध्यान लगाया जा सकता है।

19. व्यायाम करें

सुबह जल्दी उठना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इससे व्यक्ति का आलस कम होता है साथ ही दिमाग फ्रेश और एक्टिव रहता है। सुबह जल्दी उठकर कुछ समय व्यायाम जरूर करें। शरीर हेल्दी और दिमाग चुस्त व दुरुस्त रहेगा। थकान नहीं होगी।

20. हेल्दी खाना खाएं

हेल्दी खाना खाएं। तले, भुने और बाहर के खाने से बचें। हमेशा घर का बना खाना खाएं। अस्वास्थ्यकर जंक फूड या प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से दूर रहे। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन हमारे स्वास्थ्य और दिमाग पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। यह चिंता और थकान बढ़ाता है।

21. मानसिक रूप से मजबूत बनें

शारीरिक स्वास्थ्य की देखभाल के अलावा, छात्रों के लिए मानसिक रूप से भी मजबूत बनना होगा। शैक्षणिक, वित्तीय और व्यक्तिगत चुनौतियों के दौरान, छात्रों को अक्सर अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है, जिसका असर मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है।

22. खेल भी जरूरी

पढ़ाई के साथ खेल भी जरूरी हैं। खेलों में करियर बनाने के भी बेहतरीन अवसर हैं। खेल छात्र के विकास का अहम हिस्सा हैं। वे मानसिक कल्याण और शारीरिक फिटनेस के विकास में सहायता करते हैं। खेलों में भागीदारी से अनुभव और आत्मविश्वास बढ़ता है।

23. लक्ष्य तय करें

लक्ष्य का निर्धारण करियर में सफलता के रोडमैप के रूप में काम करता है। छात्र अपनी कमजोरी और ताकत का आकलन कर लक्ष्य तय करें। जिन छात्रों के पास उद्देश्य होता है, वे अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करते हैं और जल्द कामयाब होते हैं।

24. बड़ों का सम्मान करें

विद्यार्थियों को भी अपने शिक्षक व माता-पिता का पूर्ण सम्मान करना चाहिए। विद्यार्थी जीवन के दौरान एकाग्रचित्त होकर अध्ययन करें। प्रतिदिन माता-पिता के चरण स्पर्श करना चाहिए। क्योंकि जब तक हम अपनी सांस्कृतिक जड़ों से नहीं जुड़ेंगे, नैतिक गुणों को आत्मसात नहीं करेंगे तब तक हमारी आंतरिक उन्नति संभव नहीं है।

सकारात्मक सोच रखें

कामयाबी के दरवाजे उन्हीं के लिए खुलते हैं... जो उन्हें खटखटाने की ताकत रखते हैं..!!

नए साल में छात्रों को जीवन में बदलाव लाने और कुछ अच्छा हासिल करने के संकल्प लेने चाहिए। सकारात्मक सोच के साथ खुद को स्थापित करना होगा। मन लगाकर पढ़ाई करनी होगी। जो लक्ष्य तय करें उस पर साल भर अडिग रहकर चलना होगा।

-**परमजीत कौर**, प्राचार्या, पी एम श्री केवि, रोहतक

शिक्षा और सेहत दोनों जरूरी

छात्रों के लिए शिक्षा और सेहत दोनों काफी महत्वपूर्ण हैं। कहते हैं 'हेल्थ इज वेल, आल इस वेल' यह जितना सुनने में अच्छा लगता है, उससे कहीं ज्यादा यह शरीर के लिए लाभकारी होता है। छात्रों को नए साल में संकल्प लेना चाहिए कि सेहत के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। पढ़ाई के साथ साथ खेल व व्यायाम पर भी फोकस करेंगे।

-**अनिता धनखड़**, एनसीसी अधिकारी, केन्द्रीय विद्यालय मस्जिद मोठ, द्वितीय पाली, नई दिल्ली

स्क्रीन से न चिपकें

विद्यार्थी सोशल मीडिया का कम से कम उपयोग करें। इंटरनेट का उपयोग सिर्फ अपनी प्रोडक्टिविटी बनाने के लिए करें, अनावश्यक रूप से स्क्रीन से चिपके न रहें। हमेशा सकारात्मक रहें और संघर्ष के साथ आगे बढ़ने की कोशिश करें। इससे आपको कामयाब होने से कोई नहीं रोक पाएगा और सफलता कदम चूमेगी।

-**अमरदीप**, पीजीटी भौतिक विज्ञान, पी एम श्री केवि, रोहतक

ज्यादा पानी पीएं

विद्यार्थियों को अच्छी तैयारी के किए मोबाइल से दूर रहकर किताबों पर फोकस करना चाहिए। अच्छी तरह से विषय को समझें और अभ्यास करें। किसी भी प्रश्न के उत्तर को बिंदुओं से दर्शाएं। जैसे, भूमिका, निष्कर्ष आदि प्वाइंट्स में बांटें। परीक्षा के दिनों में ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं, इससे मस्तिष्क सक्रिय होता है और ऊर्जा मिलती है। विषय अच्छी तरह से याद रहता है और पढ़ाई में परेशानी नहीं होती।

-**डॉ. मानवेंद्र सिंह**, प्रोफेसर, एमडीयू

सेल्फ स्टडी जरूरी

छात्रों को अच्छा स्कोर करने के लिए हर रोज कम से कम 8 से 10 घंटें तक पढ़ करना चाहिए। शांत माहौल में बैठकर सेल्फ स्टडी करें। इस समय जितनी सेल्फ स्टडी करेंगे। परीक्षा की तैयारी अच्छी होगी और प्रर्याप्त समय मिल सकेगा। मोबाइल पर समय बर्बाद न करें और पढ़ाई पर ध्यान दें। स्क्रीन से जितनी दूरी बनाएंगे, उतना ही अच्छा स्कोर परीक्षा में कर पाएंगे।

-**कविता राठी**, मेथ टीचर, हाईरैंक एकेडमी

वर्ष 2023 गुजर रहा है और नूतन वर्ष 2024 का आगमन हो रहा है। चालू वर्ष में देश की राजनीति, अर्थव्यवस्था ने कैसा प्रदर्शन किया और नए साल में यह कैसी रहेंगी, इस पर विवेचना आवश्यक है। विदेश नीति के मोर्चे पर भी चालू वर्ष में भारत के शानदार प्रदर्शन और नए साल की चुनौतियों से भी रूबरू होना जरूरी है। वर्ष 2023 राजनीति के लिहाज से काफी उथलपुथल वाला रहा, तो आर्थिक मोर्चे पर देश ने शानदार प्रदर्शन किया। भारत वैश्विक स्तर पर एक ग्लोबल ताकत बनकर उभरा। नए वर्ष में लोकसभा के साथ कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं, इसलिए यह वर्ष भी राजनीतिक उथलपुथल वाला रहेगा। वैश्विक दिक्कतों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था नए वर्ष में भी सबसे तेज गति से आगे बढ़ेगा। नए साल में भारत की संतुलित व मजबूत विदेश नीति देखने को मिलेगी। राजनीति, अर्थव्यवस्था व विदेश नीति में गुजरते साल की उपलब्धियों और नए साल की चुनौतियों का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

भविष्य की तैयारी का समय

राजनीति

प्रणय यादव
वरिष्ठ पत्रकार

नए साल की शुरूआत जय श्रीराम के उद्घोष से हो रही है। अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी साल खत्म होने से एक दिन पहले ही टेंट में बैठे रामलला के दर्शन कर आए। अब 22 जनवरी को भव्यमंदिर में रामलला की स्थापना होगी। इसमें कोई दो राय नहीं कि 22 जनवरी को होने वाला कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। पांच सौ सालों के रामभक्तों के संघर्ष की परणिति है, लेकिन बीजेपी, संघ और विश्व हिन्दू परिषद ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को एक सामाजिक आंदोलन का रूप दे दिया है। घर-घर पीले चावल पहुंचाए जा रहे हैं। पांच लाख मंदिरों में कार्यक्रम के सीधे प्रसारण का इंतजाम किया जा रहा है। यानि पूरा देश राममय हो रहा है।

ये वक्त भूत की समीक्षा करके भविष्य की तैयारी करने का है। साल का अंत है। नए वर्ष की दस्तक है। हर क्षेत्र में साल भर में क्या हुआ और अगले वर्ष क्या होने वाले है इसकी विवेचना हो रही है इसलिए राजनीतिक दृष्टि से भी ये होना चाहिए। पिछला साल राजनीतिक गतिविधियों के लिहाज है, सरकार के फैसलों के लिहाज से बहुत ही महत्वपूर्ण साल था। और आने वाला साल देश के राजनीतिक और आर्थिक भविष्य की दिशा तय करेगा।

नए साल की शुरूआत जय श्रीराम के उद्घोष से हो रही है। अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साल खत्म होने से एक दिन पहले टेंट में बैठे रामलला के दर्शन कर आए। अब 22 जनवरी को भव्यमंदिर में रामलला की स्थापना करेंगे। इसमें तो कोई दो राय नहीं कि 22 जनवरी को होने वाला कार्यक्रम ऐतिहासिक है। पांच सौ सालों के रामभक्तों के संघर्ष की परणिति है, लेकिन बीजेपी, संघ और विश्व हिन्दू परिषद ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को एक सामाजिक आंदोलन का रूप दे दिया है। घर घर पीले चावल पहुंचाए जा रहे हैं। पांच लाख मंदिरों में कार्यक्रम के सीधे प्रसारण का इंतजाम किया जा रहा है। यानि पूरा देश राममय हो रहा है। ये भक्ति भाव के लिहाज से तो अच्छी बात है, लेकिन राजनीतिक लिहाज से विरोधी दलों के टेंशन को बढ़ाने वाली है। अयोध्या को बीजेपी ने भक्ति की शक्ति का प्रतीक बना दिया है। प्रोग्राम का न्योता विरोधी दलों के जिन नेताओं को दिया गया है। वो ये तय नहीं कर पा रहे हैं कि जाएं या न जाएं। जिनको निमंत्रण नहीं मिला है वो इसलिए परेशान हैं कि जाएं तो कैसे जाएं। क्योंकि सब जानते हैं कि अब भक्तिभाव चरम पर होगा और बीजेपी लोकसभा चुनाव की वैतरणी राम का नाम लेकर ही पार करेगी। अयोध्या का मुद्दा बीजेपी के लिए ऐसा है, जिसमें चित भी मेरी पट भी मेरी और अंटा मेरे बाप का। विरोधी दलों के जिन नेताओं को बुलाया गया है, अगर वो समारोह में शामिल हुए। रामलला के दर्शन करने पहुंचे तो बीजेपी के नेता कहेंगे जो लोग राम के अस्तित्व को नरकारते थे, जो राम मंदिर के विरोधी थे, आज वो भी राम भजन कर रहे हैं इसका क्रेडिट बीजेपी को मिलना चाहिए। और अगर विरोधी दलों के नेता नहीं गए। तो उन्हें रामविरोधी घोषित कर दिया जाएगा। कुल मिलाकर अगले साल राम राजनीति के केन्द्र होंगे। और अयोध्या के मुद्दे पर विपक्षी पार्टियों के लिए इधर कुंआ ऊधर खाई वाली स्थिति होगी।

बीजेपी के एजेंडे में तीन बड़े मुद्दे थे। राम मंदिर का निर्माण, आर्टिकल 370 को हटाना और कॉमन सिविल कोड। दो तिहाई एजेंडा पूरा हो गया। नरेन्द्र मोदी ने दूसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। उसके बाद पहला फैसला आर्टिकल 370 को खत्म करने का था। और पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले पर मुहर लगा दी। उन सभी पिटीशन को खारिज कर दिया जिनमें आर्टिकल 370 को खत्म करने के फैसले की संवैधानिकता को चुनौती दी गई थी। देश की सबसे बड़ी अदालत ने, संवैधानिक पीठ ने यह सरकार के फैसले को संविधान के अनुरूप बताया। इसलिए अब आर्टिकल 370 हमेशा हमेशा के लिए खत्म हो गया, लेकिन इस पर सियासत जारी रहेगी। बीजेपी चुनावों में इसका जिक्र करेगी। और कांग्रेस समेत जो पार्टियां इस फैसले के लिए सरकार की आलोचना कर रही हैं उनसे पूछेंगी कि अगर वो आर्टिकल 370 खत्म होने से परेशान हैं तो अपने मैनीफेस्टो में ये वादा क्यों नहीं करते कि अगर वो सत्ता में आए तो आर्टिकल 370 को वापस लाएंगे। इसी तरह अयोध्या में मंदिर बनकर तैयार है। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा हो जाएगी। इसके बाद बीजेपी पांच-पांच हजार श्रद्धालुओं को रोज अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए ले जाएगी। इसका मतलब किसी न किसी तरह चुनाव तक अयोध्या के मुद्दे को चर्चा में रखा जाएगा। अब बीजेपी के एजेंडे में तीसरा मुद्दा रह गया कॉमन सिविल कोड। मतलब अब देश में कॉमन सिविल कोड की बात शुरू होगी। हालांकि बीजेपी ने इसकी भूमिका बनाने का काम पहले ही शुरू कर दिया था। तीन तलाक खत्म करना इसका पहला चरण था। अब असम सरकार बिना तलाक दिए दूसरी शादी करने को गैरकानूनी घोषित करने का कानून बनाने जा रही है। यानि मुसलमानों को चार-चार शादियां करने का जो हक हासिल है वो खत्म होगा। इधर, केन्द्र सरकार ने आईपीसी और सीआरपीसी को तो पूरी तरह बदल दिया है। अब भारतीय दंड संहिता और भारतीय न्याय संहिता लागू हो गई है। अब अगला कदम कॉमन सिविल कोड की तरफ होगा, लेकिन इस तरफ नरेन्द्र मोदी की सरकार चुनाव से पहले बढ़ेगी या चुनाव के बाद ये फिलहाल कहना मुश्किल है।

ऐसा नहीं है कि बीजेपी सिर्फ धर्म की या भावनाओं के भरोसे राजनीति कर रही है। नरेन्द्र मोदी ने विकास, विरासत और विश्वास को ऐसा कॉकटेल तैयार किया है, जिसका असर आने वाले साल में खूब दिखेगा। अयोध्या, उज्जैन, काशी इसके उदाहरण हैं। अब तक ये तीनों शहर अपनी प्राचीनता, धार्मिक महत्व के लिए पहचानते जाते थे। ये आस्था के बड़े केंद्र थे, लेकिन अब आस्था के साथ-साथ आधुनिकता के प्रतीक बन गए हैं। काशी में पिछले साल पांच करोड़ से ज्यादा टूरिस्ट पहुंचे। गंगा में क्रूज चल रहा है। काशी में फाइव स्टार होटल बन रहे हैं। होम स्टे चल रहे हैं। इंटरनेशनल स्टैंडर्ड की फैसेलिटीज उपलब्ध हैं। इसका असर काशी की इकोनॉमी पर दिख रहा है। उज्जैन में भी यही हुआ। अब अयोध्या में भी इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन हो गया है। एयरपोर्ट जैसा ही अयोध्या का रेलवे स्टेशन बना है। अयोध्या का कायाकल्प हो गया है। इसका फायदा भक्तों को भी होगा और अयोध्या के निवासियों को भी। मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद जब पहली बार जापान गए थे। उस वक्त उन्होंने कहा था कि काशी को भी क्योटो की तरह विकसित करने का प्रयास करेंगे। यानि विरासत को बचाए रखकर आधुनिकता का समावेश। इसके बाद ये सरकार की थीम बन गई और आने वाले साल में इसी तर्ज पर मथुरा का विकास होगा। बुद्धा सर्किट डेवलप होगा। अमृतसर का कायाकल्प होगा। तमाम प्राचीन और पवित्र शहरों को उनकी पुरानी पहचान के मुताबिक नए तरीके से डेवलप किया जाएगा।

आने वाले साल में देश के विकास में, देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। सरकार ने पिछले साल जो सबसे बड़ा फैसला किया वो राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का था। सरकार ने संसद और विधानसभाओं में, महिलाओं को तीस परशेंट रिजर्वेशन देने का कानून पास करवा लिया है। ये बीते हुए साल की बहुत बड़ी उपलब्धि है। हालांकि महिला आरक्षण विधेयक लागू तो अगली जनगणना के बाद होगा यानि 2026 से पहले इसके लागू होने की गुंजाइश नहीं है, लेकिन चूंकि कानून बन गया है। बीजेपी इसका क्रेडिट लेगी तो राजनीतिक दलों पर भी यह दिखाने का दबाव होगा कि वह अपनी अपनी पार्टी में टिकटों के बंटवारे में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाएं। इसीलिए अगले लोकसभा चुनाव में महिला उम्मीदवारों की संख्या भी बढ़ेगी। चूंकि नरेन्द्र मोदी की राजनीति का फोकस आधी आबादी है। अब सेना में महिलाओं की तैनाती मोर्चे पर हो रही है। महिलाएं फाइटर जैट उड़ा रही हैं। कमांडो की ट्रेनिंग ले रही है। गांव में स्वंय सहायता ग्रुप के जरिए महिला सशक्तिकरण का अभियान चल रहा है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि अगला साल नारीशक्ति के उत्थान का वर्ष होगा।

अगले साल गांव गरीब किसान और नौजवान के मुद्दों के अलावा जातियों का मुद्दा भी अगले साल राजनीति का बड़ा इश्यू होगा। बिहार में जातिगत जनगणना के आंकडों को जारी करके नीतीश कुमार ने ये संकेत दे दिए हैं। जिस तरह विरोधी दल जातिगत जनगणना की मांग को आगे बढ़ा रहे हैं। अभी हाल में ही जिस तरह मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के चुनाव में कांग्रेस ने अपने मैनीफेस्टो में जातिगत जनगणना का वादा किया। उससे ये साफ है कि अब लोकसभा चुनाव से पहले इस मुद्दे को बड़ा बनाने की कोशिश की जाएगी। असल में विपक्षी दलों को लगता है कि बीजेपी हिन्दुत्व की राजनीति करती है। हिन्दुत्व की पिच पर बीजेपी का मुकाबला मुश्किल है। इसलिए अगर जातियों की बात की जाए तो फायदा मिल सकता है। चूंकि ये बात अब जग जाहिर है कि जातियों के गणित में पिछड़े वर्ग की आबादी सबसे ज्यादा है। फिर दलित और आदिवासियों का नंबर है। सवर्णों की संख्या सबसे कम है, लेकिन विकास की दौड़ में सवर्ण आगे हैं। राजनीतिक दल इसी का फायदा उठाना चाहते हैं। बीजेपी को दलित पिछड़ा विरोधी घोषित करके इन वर्गों का सपोर्ट हासिल करना चाहते हैं। हालांकि बीजेपी के नेता इस चाल को समझ रहे हैं। इसलिए प्रदानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ये कहना शुरू कर दिया है कि उनके लिए सिर्फ चार जातियां हैं-गरीब, किसान, नौजवान और महिलाएं, लेकिन सिर्फ इस डॉयलॉग से बात बनेगी नहीं। जाति की सियासत होगी और अगले पूरे साल ये देश में राजनीतिक विमर्श का मुद्दा होगी।

चुनौतियों के बाद भी सुनहरी आर्थिक तस्वीर

अर्थव्यवस्था

शंभू भद्र
वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

आज जब चालू वर्ष में हम भारतीय अर्थव्यवस्था की उपलब्धियों व कमियों की विवेचना कर रहे हैं, तो एक मिश्रित तस्वीर उभर रही है। मजबूत जीडीपी, महंगाई-बेरोजगारी पर नकेल, शेयर बाजार का रिकार्ड, जीएसटी कलेक्शन में इजाफा, विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि व आर्थिक कॉरिडोर ने वर्ष 2023 में भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दी, तो खाने पीने की महंगाई, महंगे पेट्रोल व डीजल, सेवा क्षेत्र की कमजोरी, राजकोषीय व वित्तीय घाटा में बढ़ोत्तरी, व्यापार घाटा, सरकारी खर्च में कमी ने अर्थव्यवस्था की कमियों को उजागर किया। इस वर्ष भारत ने जी-20 का सफल आयोजन कर जहां दुनिया को नई राह दिखाई, वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था के सशक्त बनने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) महंगाई को काबू में लाने, असुरक्षित माने वाले कर्ज से जुड़े जोखिम पर अंकुश लगाने, नया ऋण लेकर पुराने कर्ज चुकाने (एवरग्रिनिंग) पर लगाम लगाने तथा बैंकों में ग्राहक सेवा और बेहतर बनाने को लेकर उपाय जैसे कदमों को लेकर पूरे वर्ष सुर्खियों में रहा। नए साल में आरबीआई केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) को बढ़ावा दे सकता है।

वर्ष 2023 की उपलब्धियां

वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद जीडीपी और महंगाई के मोर्चे पर साल 2023 में भारत का प्रदर्शन सराहनीय रहा है। भारत में आयोजित जी 20 समिट के दौरान भारत से यूरोप तक नया स्पाइस कॉरिडोर या आर्थिक कनेक्टिविटी कॉरिडोर बनाने पर भी सहमति बनी जो एक तरह से चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट का तोड़ है। यह कॉरिडोर जल्द ही भारत, पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच बनेगा, जिसमें भारत, यूएई, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, फ्रांस, इटली, जर्मनी और अमेरिका शामिल हो रहे हैं। इटली ने बीआरई प्रोजेक्ट से अलग होने की घोषणा कर एक तरह से भारत की परियोजना के साथ अपनी प्रतिबद्धता जाहिर कर दी है। ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते या एफटीए की दिशा में भी वर्ष 2023 में अहम बातचीत हुई। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मौजूदा और अगले वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। आरबीआई महंगाई दर को वर्ष 2023 में अधिकतर समय पर चार से छह प्रतिशत के बीच बनाए रखने में सफल रहा। साल 2023 में देश में बेरोजगारी दर कम करने में भी सफलता मिली है। एनएसएसओ की ताजा आवधिक श्रम बल रिपोर्ट देश में 15 साल से अधिक उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी दर 3.2 प्रतिशत दर्ज की गई यह छह साल में सबसे कम है। पिछले साल बेरोजगारी दर 4.1 प्रतिशत थी। 2023 में दिसंबर महीने की शुरुआत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक बार फिर 600 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। बता दें कि अक्तूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 642 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

आरबीआई की ओर से लॉन्च की गई डिजिटल करेंसी यानी सीबीडीसी के लिहाज से भी साल 2023 अहम साबित हुआ है। सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) या ई-रुपये के सीमापार लेन-देन के उपयोग से लागत में दो से तीन फीसदी की बचत होती है। साल 2023 भारत के लिए चिप निर्माण का आगाज करने वाला साल भी रहा। माइक्रॉन टेक्नोलॉजी, फॉक्सकॉन और वेदांता जैसी कंपनियां भारत में चिप निर्माण के क्षेत्र में आगे बढ़ा रही हैं। इस वर्ष शेयर बाजार ऑल टाइम हाई पर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार पर भरोसा करते हुए अपना निवेश जारी रखा। देश में एक्सप्रेसवे और हाईवे निर्माण के लिहाज से भी 2023 अहम साबित हुआ। बंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के एक हिस्से की शुरुआत आदि अहम हैं। एविएशन सेक्टर में मजबूती आई। वर्ष 2023 में हवाई यात्रियों की संख्या में भी बड़ी वृद्धि हुई।

ग्लोबल चुनौतियां

व्यापार में तनाव, बढ़ती ब्याज दरें, रूस व यूक्रेन युद्ध व इजराइल-हमास जंग, आपूर्ति तंत्र पर असर, खाद्यान्न व ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक खींचतान, सुस्त आर्थिक विकास दर नव वर्ष में चुनौतियां बनी रहेंगी। यूक्रेन युद्ध के जारी रहने से भारत के सबसे बड़े निर्यात बाजार यूरोपीय संघ में ऊर्जा से जुड़ी मंदी का खतरा है। फेड की दर वृद्धि में विराम वर्ष की दूसरी छमाही तक संभव नहीं है, क्योंकि अमेरिका घटती मुद्रास्फीति के दबाव से जूझ रहा है। बढ़ते संरक्षणवाद, एक वि-वैश्वीकरण-विरोधी आंदोलन और आर्थिक विखंडन नव वर्ष में चुनौतियां बने रहेंगे।

भारतीय अर्थव्यवस्था की उम्मीदें

भारत नव वर्ष में भी सबसे तेज विकास दर वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आरबीआई ने इस वित्तीय वर्ष (2023-24) में 7% के जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया है। वित्त वर्ष (2024-25) में इसके 6.4% पर होने की उम्मीद है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, भारत वर्ष 2023 में 5.8 प्रतिशत और वर्ष 2024 में 6.7 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर्ज करेगा। फिच रेटिंग्स के मुताबिक, 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था में 6.9% की वृद्धि दर रहेगी। 2024 में घरेलू मांग भी सेवाओं से वस्तुओं की ओर ट्रांसफर होने की संभावना है। अब तक जियो-पॉलिटिकल घटनाओं ने भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर नहीं किया है, लेकिन पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से नए वर्ष में इसका टेस्ट होगा क्योंकि व्यापार लागत बढ़ने लगी है और कच्चे तेल पर दबाव पड़ सकता है। 2024 में अमेरिका और भारत सहित रिकॉर्ड 40 देशों में आम चुनाव होने वाले हैं। इन चुनावों से अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम फर्मों के बीच समस्या बनी हुई है, जो नए साल में भी रहेगी। आयातित ऊर्जा पर भारत की निर्भरता एक चुनौती है, आगे भी बनी रहेगी। एक बड़े और बढ़ते बाजार, एक युवा कार्यबल और शिक्षा सुधार, अपस्किलिंग, विनिर्माण, तकनीक-सक्षम शासन, बुनियादी ढांचे के विकास और बढ़ी हुई क्षेत्रीय कनेक्टिविटी पर एक दृढ़ नीतिगत जोर के साथ, देश ग्रीनफील्ड निवेशकों और व्यवसायों दोनों के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। बाजार विस्तार, विलय और अधिग्रहण, और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण से आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। भारत अपने मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों के कारण वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक स्थान बना रहेगा। 2024 में भारत में विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने वाले प्रमुख उद्योगों में स्वास्थ्य सेवा और बीमा, फिनटेक, नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु तकनीक, इलेक्ट्रिक वाहन व ऑटोमोबाइल, आईटी सेवाएं, रियल एस्टेट, बुनियादी ढांचा, एफएमसीजी, आरएंडडी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), तकनीकी नवाचार शामिल हैं। 2024 में निवेश-आधारित विकास के लिए उभरते उद्योग हैं बैटरी ऊर्जा भंडारण समाधान, हरित हाइड्रोजन, बायोटेक, एवीजीसी (एनीमेशन, दृश्य प्रभाव, गेमिंग, कॉमिक्स), सेमीकंडक्टर चिप निर्माण। इसलिए अर्थव्यवस्था के बेहतर रहने की उम्मीद है।

दुनिया के पटल पर मजबूत हुआ भारत

भू-राजनीति

प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

दुनिया के मुख्तलिफ हिस्सों में भयानक युद्धों के जारी रहने के बावजूद भारत ने वर्ष 2023 में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। भारत दुनिया की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनी। वर्ष 2030 तक भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है। भारत ने अध्यक्ष के तौर पर जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी अंजाम दी। जी-20 के अध्यक्ष देश के तौर पर भारत की कयादत में विश्व के विभिन्न स्थानों पर 250 से अधिक शानदार बैठकें आयोजित की गई। अफ्रीकी संघ को जी-20 की पूर्ण सदस्यता हासिल हुई। जी-20 सम्मेलन के पहले ही दिन दुनिया भर के नेताओं ने दिल्ली घोषणा पत्र पर अपनी सहमति व्यक्त कर दी। विश्व पटल पर यह भारत की बड़ी नैतिक और कूटनीतिक उपलब्धि रही। अरब मुल्कों के साथ भारत के कूटनीतिक संबंध जिस ऊंचाई तक पहुंचे हैं, उसी का शानदार नतीजा हुआ है कि कतर में भारत के जिन पूर्व नेवल अधिकारियों को सजा ए मौत प्रदान की गई थी, उनकी सजा कैद में बदल दी गई है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जब चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतर गया।

पड़ोस में सतर्क रहे भारत

मालदीव की नई हुकूमत की कयादत मोहम्मद मुइज्जू कर रहे हैं, जोकि चीन के प्रबल समर्थक है। उन्होंने आधिकारिक रूप से भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस चले जाने और भारत से अपना हेलीकॉप्टर वापस ले जाने के लिए कहा है। इस छोटे से मगर रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ोसी देश के साथ बहुत सावधानी के साथ निपटना होगा। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान में भी चीन की सक्रिय दखलंदाजी पर सख्त कूटनीतिक नजर रखने की दरकार है। प्रधानमंत्री मोदी और शेख हसीना ने अखौरा-अगरतला रेलवे लाइन का उद्घाटन किया गया। जोकि भारत के पूर्वोत्तर को बांग्लादेश से जोड़ देगा। इससे अगरतला और कोलकाता की यात्रा में काफी कम समय लगेगा।

चीन से तल्ख रिश्ते

चीन के साथ हमारे कामकाजी रिश्ते तो बाकायदा बरकरार बने हुए हैं। निरंतर जारी कूटनीतिक और सैन्य वार्ताओं को बावजूद वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सैनिकों को हटाने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। चीनी समकक्ष के साथ बात करते हुए हमारे विदेश मंत्री ने एकदम स्पष्ट कहा कि सीमा विवाद का पूरी तरह जब तक समाधान नहीं हो जाता तब तक चीन और भारत के रिश्ते सामान्य हो ही नहीं सकते हैं। हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के विस्तारवाद से निपटने की खातिर क्वाड को और अधिक शक्तिशाली बनाना होगा।

पाक को साधना होगा

पाकिस्तान के साथ भारत के ताल्लुकात एकदम तनावपूर्ण, नाजुक और अनिश्चित स्थिति में बने हुए हैं। कश्मीर में जब तक पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद का पूर्णतः सफाया नहीं हो जाता, तब तक आने वाले दौर में भी पाकिस्तान के साथ संबंध सामान्य बन जाने की कोई स्थिति नहीं

होगी। अफगानिस्तान को भारत की मानवीय सहायता निरंतर जारी है। मगर इस देश को नई सुबह की दरकार है। भारत मदद करे।

कनाडा से कठोर संबंध

कनाडा यकीनन खालिस्तानियों की पनाहगाह बनता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर वैश्विक आतंकवाद का एकजुट होकर मुकाबला करने की पैरवी करने वाले अमेरिका और कनाडा को खालिस्तानियों पर कड़ी लगाम आयद करनी चाहिए। आज वह विकट दौर आ गया है, जबकि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर खड़ी है।

दोनों जंग का हो अंत

यूक्रेन बनाम रूस युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ था कि एक नए विनाशकारी युद्ध द्वारा दुनिया की सरजमीं पर दस्तक दे दी गयी। यह युद्ध मध्य पूर्व में इजरायल और फिलिस्तीन की धरती पर शुरू हो गया है। सात अक्टूबर 2023 को फिलिस्तीन की गाजा पट्टी से हमास तंजीम द्वारा कुछ रॉकेट इजरायल की धरती पर दागे गए और इसके बाद इजरायल हुकूमत द्वारा एक ऐसा विनाशकारी युद्ध शुरू किया गया, जिसका मकसद हमास तंजीम को पूरी तरह से तबाह और बर्बाद कर देना था। इसराइल के पक्ष में अमेरिका कमर कसकर खड़ा हो गया, अतः कोई भी प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र सिक्योरिटी काउंसिल में युद्ध को समाप्त करने के लिए अथवा युद्ध विराम के लिए भी पारित नहीं किया जा सका, क्योंकि अमेरिका इसराइल का फिलिस्तीन के विरुद्ध अंध समर्थन करता रहा है। इसराइल सेना के आक्रमण में अभी तक तकरीबन बीस हजार से अधिक फिलिस्तीन नागरिक मारे जा चुके हैं। हलाक़ हुए इन नागरिकों में बड़ी संख्या में बच्चे और महिलाएं शामिल हैं, जिनका युद्ध से कोई लेना-देना नहीं है। यूक्रेन युद्ध में रूस की आक्रामक बर्बरता के विरुद्ध बोलने वाले, पश्चिमी राष्ट्र आज इजरायल की विध्वंसकारी बर्बरता पर एकदम खामोश हैं। फिलिस्तीन की सरजमीन पर गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक पर रहने वाले बेबस इंसानों को रोज-रोज भयानक बारुदी विध्वंस का मुकाबला करना पड़ रहा है। यह भीषण विध्वंस विश्व की मानवीय चेतना को जरा सा भी झकझोर नहीं रहा है। वर्ष 2024 का आगमन हो रहा है और यूक्रेन और ग़ज़ा में छिड़ी जंग का निरंतर विस्तार हो रहा है। चीन और अमेरिका के मध्य ताइवान को लेकर सैन्य तनातनी बढ़ रही है।

जलवायु परिवर्तन चुनौती

जलवायु परिवर्तन की चुनौती आने वाले दौर की सबसे प्रबल चुनौती सिद्ध होगी। जहां एक तरफ युद्ध के कारण तबाही मची है वहीं दूसरी तरफ वहीं दूसरी तरफ जलवायु परिवर्तन के कारण बड़े-बड़े तूफान आ रहे हैं। विनाशकारी प्राकृतिक आपदाएं कहर ढा रही हैं। पर्यावरण विनाश की कीमत पर कोई भी आर्थिक विकास मानव जाति के लिए कोई सार्थक अर्थ नहीं रखता। महात्मा गांधी की सीख हमें याद आती है कि दुनिया के संसाधन इंसान की जरूरतों के लिए तो पर्याप्त है, लेकिन उसकी अंतहीन लिप्सा और लालच के सामने ये कुछ भी नहीं है।

शांति की आकांक्षा

आज विश्व को शांति की कहीं अधिक दरकार है। जंग और संघर्ष तबाही, गरीबी और भुखमरी को फैला रहे हैं। लाखों लोग बेघर हो रहे हैं। आर्थिक विषमता इतनी गहरी हो गई है कि शांतिपूर्ण देश भी आर्थिक विषमता व राजनीतिक ध्रुवीकरण की लपेट में आ चुके हैं। वैश्विक संकट की इस विकट दौर में भारत को अपनी अर्वाचीन ऋषि परंपरा के अनुरूप विश्व शांति की स्थापना के लिए विश्व पटल पर आगे आना चाहिए और इसके लिए प्रबल पहल करनी चाहिए, ताकि रूस-यूक्रेन युद्ध का समुचित समाधान निकाला जा सके और इजरायल और फिलीस्तीन के मध्य जारी जंग समाप्त की जा सके। दुनिया में एक उज्जवल भविष्य की बुनियाद रखी जा सके, जिसमें आर्थिक विकास के साथ ही साथ राजनीतिक सद्भाव और सामाजिक सद्भाव भी निहित हो।

अयोध्या में मोदी की जय-जय

इकबाल अंसारी ने पीएम पर बरसाए फूल,...तो प्राण प्रतिष्ठा में भी जाएंगे

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अयोध्या रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट का उद्घाटन किया और वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इससे पहले प्रधानमंत्री ने एयरपोर्ट से रेलवे स्टेशन तक रोड शो किया।

पीएम के स्वागत में सड़क के दोनों किनारे बड़ी संख्या में लोग जुटे। इनमें एक इकबाल अंसारी भी थे, जो बाबरी मस्जिद-राम मंदिर केस में एक पक्षकार थे। वे भी पीएम मोदी पर फूल बरसाते नजर आए। इनके अलावा मुस्लिम समुदाय के और भी कई लोग प्रधानमंत्री के स्वागत में पहुंचे और फूल बरसाते नजर आए।

पीएम के स्वागत में सड़क के दोनों किनारे उमड़ पड़े लोग

वे देश के पीएम, अयोध्या का भरपूर विकास किया

इकबाल अंसारी ने बताया कि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं और वे सभी के लिए हैं। उनकी अगुवाई में अयोध्या में खूब विकास हुआ है। अयोध्या में छोटा रेलवे स्टेशन था जिसका अब पुनर्निर्माण कराया गया है। इकबाल ने बताया कि अयोध्या में पहले एयरपोर्ट नहीं था लेकिन अब बन गया है। प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के सवाल पर इकबाल अंसारी ने कहा कि वे बिल्कुल प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होना चाहेंगे। न्योता दिया जा रहा है अगर मुझे भी न्योता मिलेगा तो मैं भी जाऊंगा।

उनकी वजह से ही अयोध्या खूबसूरत दिख रही

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने पहले ही पीएम मोदी के स्वागत में फूल बरसाने का निर्णय लिया था, उन्होंने कहा कि वह देश के प्रधानमंत्री हैं और अयोध्या आ रहे हैं यह लाजिम है कि हम उनका स्वागत करें। उन्होंने कहा कि जो अयोध्या में होता है, वैसा ही पूरे देश में करना चाहिए। सभी लोग एक साथ रहते हैं और पूजा पाठ में भी शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री खुद अयोध्या में हैं और यह अयोध्यावासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि अयोध्या की खूबसूरती उनकी वजह से ही है।

अब्दुल्ला के भी बदले सुर

जिसने भी राम मंदिर बनाने की कोशिश की उनका धन्यवाद

राम मंदिर को लेकर सियासी बयानबाजियां भी तेज हो गई हैं। नेशनल कांफ्रेंस के नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला का राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर बयान सामने आया है। सांसद फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि भगवान राम का मंदिर खुलने वाला है। जिन्होंने भी ये कोशिश की उनका मंदिर बने मैं उनको धन्यवाद देता हूं। साथ-साथ उनसे ये भी कहता हूं कि भगवान राम केवल हिंदुओं के राम नहीं हैं। वे पूरे विश्व के राम हैं, ये उनकी पुस्तकों में लिखा है।

राम सिर्फ हिंदुओं के नहीं पूरे विश्व के भगवान

उद्घाटन को लेकर मुबारकबाद

फारूक अब्दुल्ला ने राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर मुबारकबाद दी है। उन्होंने कहा कि राम सिर्फ हिंदुओं के ही भगवान नहीं, बल्कि पूरे विश्व के हैं। उन्होंने भाईचारे का संदेश दिया है। मैं उन सभी को मुबारकबाद देता हूं, जिन्होंने राम मंदिर के निर्माण के लिए अपना अथक प्रयास किया। राम ने मोहब्बत और एक-दूसरे की सहायता की बात की।

मातृभूमि मम पुरी सुहावनि...., अयोध्या एयरपोर्ट पर दिखा भव्य नजारा, लोगों के उत्साह से लगा मानो त्रेता युग आ गया हो

धाए धाम काम सब त्यागी, मनहुं रंक निधि लूटन लागी

हनुमान चालीसा के पाठ से गूंज उठा विमान जमीं से लेकर आसमां तक बस..राम ही राम

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

पीएम मोदी शनिवार को अयोध्या पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को अयोध्या में नवनिर्मित महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे अयोध्या धाम का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद अयोध्या धाम एयरपोर्ट से एक शानदार वीडियो सामने आया है। महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे अयोध्या धाम की उद्घाटन के दौरान एयरपोर्ट से जब विमान उड़ा तो अंदर मौजूद लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया, जिसका वीडियो सामने आया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि विमान के अंदर मौजूद लोग हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने अयोध्या को कई सौगातें भेंट की हैं। उन्होंने मिथिला से रामनगरी के बीच नई ट्रेन अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इसके अलावा उन्होंने अयोध्या में नवनिर्मित महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे अयोध्या धाम का उद्घाटन किया। अयोध्या में करीब 15 किमी का रोड शो किया। इसमें लोगों का ऐसा हुजूम उमड़ा मानो किसी निधि को लूटने के लिए जैसे रंक जैसे टूट पड़े हों।

रोड शो में उमड़ा लोगों का हुजूम, कई सौगातों से भर गई अयोध्या की झोली

पीएम ने अयोध्या को दी कई सौगात

इसके अलावा पीएम मोदी ने अयोध्या रेलवे स्टेशन के नए भवन का भी लोकार्पण किया और वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत की। उन्होंने लोगों को भी संबोधित किया। प्रधानमंत्री बनने के बाद पीएम मोदी चौथी बार अयोध्या पहुंचे हैं।

1450 करोड़ से बना एयरपोर्ट

पीएम मोदी ने अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे अयोध्या धाम का उद्घाटन किया है। इस एयरपोर्ट के चरण-1 को 1450 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का क्षेत्रफल 6500 वर्गमीटर होगा, जो सालाना लगभग 10 लाख यात्रियों की सेवा के लिए सुसज्जित होगा।

आधुनिक सुविधाओं से लैस

अयोध्या हवाई अड्डे का टर्मिनल भवन विभिन्न सुविधाओं से लैस है, जिनमें इंसुलेटेड रूफिंग सिस्टम, एलईडी लाइटिंग, वर्षा जल संचयन, फव्वारे के साथ भूनिर्माण, जल उपचार संयंत्र, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल हैं। हवाई अड्डे से क्षेत्र में संपर्क में सुधार होगा, जिससे पर्यटन, व्यावसायिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया जहां वह राज्य में 15,700 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

पीएम ने लोगों को किया संबोधित

पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि एक वक्त पर रामलला टेंट में विराजमान थे और आज उनका घर बन गया है। पीएम ने कहा कि रामलला को घर मिलने के साथ-साथ देश के चार करोड़ गरीबों को भी अपना मकान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास में 30 दिसंबर की तारीख बहुत ऐतिहासिक रही है। उन्होंने याद दिलाया कि 1943 में आज के ही दिन नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने अंडमान में झंडा फहरा कर भारत की आजादी का जयघोष किया था।

पीएम मोदी का भव्य स्वागत

15 किमी लंबे रोड शो में होती रही फूलों की बारिश, अद्भुत नजारा

पीएम मोदी जैसे ही अयोध्या के वाल्मिकी एयरपोर्ट पहुंचे एयरपोर्ट पर सीएम योगी ने पीएम मोदी का स्वागत और अभिनंदन किया। पीएम का जबर्दस्त स्वागत हुआ। फूलों की वर्षा के साथ आम लोगों ने स्वागत किया। पीएम मोदी वहां से 15 किलोमीटर लंबे रोड शो किया। इस रोड शो में भारी भीड़ रही। रोड शो के दौरान सड़क के दोनों किनारे लोगों की भारी भीड़ जुटी है। फूलों की बारिश हो रही थी। कड़ी सुरक्षा के बीच पीएम का रोड शो आगे बढ़ रहा था। पीएम ने अयोध्या के विकास को नई उड़ान दी। लता चौक से रामपथ पर पहुंचे पीएम का साधु-संतों ने स्वागत किया। सड़क के दोनों किनारे पर लोगों ने उनका स्वागत किया। पीएम भी अभी का नमन भी किया। यहां महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करने के साथ 15,700 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया।

पीएम मोदी ट्रेन में बच्चों से बोले चाय पिला दो न, कुछ खाने को नहीं लाए?

पीएम मोदी अमृत भारत ट्रेन में बैठे कुछ स्कूली बच्चों से मिले। बच्चों संग मुलाकात के दौरान पीएम मोदी का एक अनोखा अंदाज नजर आया, जहां वह बच्चों से हंसी-मजाक करते नजर आए। जब बच्चों ने पीएम मोदी की फोटो दिखाई तो प्रधानमंत्री ने कहा कि वे उस फोटो में गुस्से में दिखाई दे रहे हैं। पीएम मोदी बच्चों से कहते हैं कि 'थोड़ी चाय पिला देती, कुछ खाने को नहीं लाए क्या?' ट्रेन में इस दौरान पीएम मोदी के साथ यूपी के सीएम योगी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद थे।

भारी मन से बोले उद्धव

मुझे राम मंदिर उद्घाटन का आमंत्रण ही नहीं मिला

भव्य राम मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को होना है। इसके लिए सभी बड़े नेताओं

को आमंत्रण भेजा जा चुका है। इस बीच महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) गुट के मुखिया उद्धव ठाकरे ने दावा किया है कि उन्हें उद्घाटन समारोह का आमंत्रण ही नहीं मिला। उन्होंने राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा मंदिर के लिए सैकड़ों लोगों ने बलिदान दिया है।

मोदी ने किया अयोध्या के 'सुसज्जित' रेलवे स्टेशन का उद्घाटन

पीएम मोदी अयोध्या के पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया। इस रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास 240 करोड़की लागत से किया गया है। यह एक तीन मंजिला सर्टिफाइड ग्रीन बिल्डिंग है, जहां पर लिफ्ट, एस्केलेटर, वेटिंग हॉल, क्लॉकरूम और फूड प्लाजा जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन का बाहरी हिस्से में पारंपरिक झलक है, इसमें डिजाइन के कई पहलू भगवान राम के जीवन के साथ-साथ राम मंदिर से भी प्रेरित हैं। एक अधिकारी ने बताया कि स्टेशन के ऊपर एक संरचना है, जिसका डिजाइन शाही 'मुकुट' (मुकुट) जैसा है, जबकि इसके ठीक नीचे एक दीवार पर एक धनुष को चित्रित किया गया है। यह अयोध्या के साथ भगवान राम के जुड़ाव को दिखाता है।

खबर संक्षेप

रेल और प्लेटफॉर्म टिकट कर दिया महंगाः राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बेरोजगारी और महंगाई

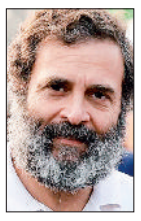

जैसे मुद्दों पर मोदी सरकार को घेरा है। उन्होंने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स में ट्वीट करके रेलवे किराए और रसोई गैस की कीमत को लेकर कटाक्ष किया है। राहुल ने कहा रेल ने हर वर्ग का किराया बढ़ा दिया है।

चित्रदुर्ग में 5 कंकाल मिलने से मचा हड़कंप

चित्रदुर्ग। कर्नाटक के चित्रदुर्ग इलाके में एक पुराने घर के अंदर

5लोगों के कंकाल मिले हैं। पुलिस का मानना है कि इन पांच लोगों की मौत 2019 में हुई होगी। पुलिस और पड़ोसियों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि किसी को इसका पता कैसे नहीं चला?

सड़क हादसे में 5 की मौत,19 लोग घायल

पुदुक्कोट्टई। जिले के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई।हादसे

में एक महिला सहित 5 लोगों की मौत हो गई और 19 लोग घायल हो गए। जिला पुलिस ने बताया त्रिची-रामेश्वरम राजमार्ग पर एक बेकाबू ट्रक एक चाय की दुकान में घुस गया। घायलों को सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया है।

पूज्य पुराणी स्वामी स्मृति महोत्सव में बोले गृहमंत्री शाह

कई साल तक लटकाया गया राम मंदिर का काम मोदी रामलला को उनके 'भवन' में करेंगे विराजित

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भगवान राम की जन्मभूमि को नष्ट कर दिया गया था। पीएम नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को संतों की मौजूदगी में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। शाह गुजरात के अहमदाबाद शहर में स्वामीनारायण गुरुकुल विश्वविद्या प्रतिष्ठानम (एसजीवीपी) के जरिए आयोजित की गई पूज्य पुराणी स्वामी स्मृति महोत्सव में शामिल होने यहां पहुंचे।

पूज्य पुराणी स्वामी स्मृति महोत्सव में लोगों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि अगर स्वामी नारायण संप्रदाय के गुरुकुल गुजरात में अलग-अलग जगहों पर काम नहीं करते तो गुजरात का सर्व शिक्षा अभियान अधूरा रह जाता। यहां उन्होंने राम मंदिर, आतंकवाद, भारतीय सेना के पराक्रम से लेकर देश की अर्थव्यवस्था को लेकर बात की। लोकसभा चुनाव में भाजपा को जिताने की भी अपील की।

पहले राम के जन्मस्थान को नष्ट कर दिया था

शाह ने कहा कि कई साल से भगवान राम के जन्मस्थान को नष्ट कर दिया गया था। 22 जनवरी से रामलला अपने घर में उन्होंने कहा कि पीएम मोदी 22 जनवरी को अयोध्या जाएंगे और संतों की मौजूदगी में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। पीएम मोदी समेत भाजपा के लगभग सभी प्रमुख नेता 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या पहुंचने वाले हैं।

घर में घुसकर जवाब दे रही भारतीय सेना

पाकिस्तान का नाम नहीं लिए बगैर शाह ने कहा कि पड़ोसी के साथ रिश्ता अच्छा होना चाहिए, मगर सीमा से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को नहीं है। बालाकोट एयरस्ट्राइक और उरी सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना अब घर में घुसकर जवाब देती है। मोदी सरकार ने ही पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक करवाई थी।

मोदी को फिर बनाइए पीएम,बदली देश की तस्वीर

शाह ने कहा गुजरात के सीएम जब पीएम बने तो देश की तस्वीर बदल गई। कोरोना काल में सरकार ने अच्छा काम किया है। मोदी को फिर से पीएम बना दीजिए।

पहले ही दिन राजधानी के दर्जन भर पंप पर खत्म हुआ पेट्रोल

पेट्रोल-डीजल के 400 टैकरों के पहिए थमे,आज ड्राई हो जाएंगे आधे फ्यूल पंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केंद्र के नए कानून में सड़क हादसा होने पर ट्रक और टैंकर चालकों को 10 साल की सजा का प्रावधान के बाद मप्र समेत देशभर के

- केंद्र सरकार के कानून के विरोध में सड़कों पर उतरे ट्रांसपोर्टर

ट्रांसपोर्टर सड़कों पर उतर आए हैं। राजधानी में मप्र पेट्रोल पंप एसोसिएशन ने शनिवार को डिपो के अंदर टैंकरों को जाने नहीं दिया, जिससे 400 टैंकरों की सप्लाई रुक गई। राजधानी में ही 12 पंपों पर पेट्रोल-डीजल खत्म हो गया। रविवार को भी टैंकर नहीं भरने से प्रदेश भर के 450 पेट्रोल पंपों में से आधे से ज्यादा पंप ड्राई हो सकते हैं। 1 जनवरी को डिपो की छुट्टी है। हड़ताल खत्म होने पर 2जनवरी को डिपो से फ्यूल की सप्लाई हो सकेगी।

30 से अधिक जिलों में सप्लाई रुकी

मप्र पेट्रोल पंप एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने 'हरिभूमि' को बताया कि शनिवार को प्रदेश के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल की सप्लाई नहीं की गई है, जिससे रविवार को अधिकतर पंप ड्राई हो सकते हैं। राजधानी के भारत, इंडियन ऑयल, एचपीसीएल और रिलायंस डिपो से प्रदेश के 30 से अधिक जिलों में पेट्रोल-डीजल की सप्लाई का जाती है। भोपाल में टैंकर ऐसोसिएशन के साथ इंदौर, जबलपुर, सागर और ग्वालियर डिपो के टैंकर चालक भी हड़ताल पर चले गए हैं। मप्र टैंकर एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष शौकत अली ने बताया कि केंद्र सरकार के नए कानून से टैंकर चालकों के लिए खतरा बढ़ गया है। ऐसे में शनिवार से भोपाल डिपो में चार सौ टैंकरों से सप्लाई नहीं की गई। रविवार को भी टैंकरों से पेट्रोल-डीजल की सप्लाई नहीं की जाएगी।

राजस्थान में भजनलाल मंत्रिमंडल का विस्तार, समारोह से दूर रहीं राजे

राज्यवर्धन और किरोड़ीलाल बने मंत्री, 22 ने ली शपथ

एजेंसी ▶▶ जयपुर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राजस्थान में आखिरकार कई दिनों के इंतजार के बाद शनिवार को कैबिनेट का विस्तार कर दिया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और किरोड़ी लाल मीणा समेत 22 लोगों को मंत्री बनाया गया है। जिनमें से 12 को कैबिनेट, 5 को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 5 विधायकों को राज्यमंत्री बनाया गया। प्रदेश में सीएम भजनलाल शर्मा समेत अब 25 मंत्री हो चुके हैं। हालांकि, कैबिनेट विस्तार समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे सिंधिया शामिल नहीं हुईं।

12 को कैबिनेट, 5 को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 5 विधायकों को राज्यमंत्री बनाया

राज्यपाल ने मीणा को सबसे पहले शपथ दिलाई

राज्यपाल कलराज मिश्र ने सबसे पहले डॉ. किरोड़ी लाल मीणा को मंत्री पद की शपथ दिलाई। फिर राज्यवर्धन सिंह राठौड़, गजेंद्र सिंह खींवसर, बाबूलाल खराड़ी और मदन दिलावर, जोगाराम पटेल, सुरेश सिंह रावत, अविनाश गहलोत, जोराराम कुमावत, हेमंत मीणा, कन्हैयालाल चौधरी व सुमित गोदारा ने शपथ ली।

राज्यपाल से मिले सीएम

इससे पहले सीएम भजनलाल शर्मा शनिवार सुबह राज्यपाल कलराज मिश्र से मिले और नए मंत्रियों को पद की शपथ दिलाने का अनुरोध किया। शनिवार सुबह रामगंजमंडी से विधायक मदन दिलावर सुबह भाजपा के प्रदेश कार्यालय पहुंचे और उन्होंने भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की।

सुरेंद्रपाल भी मंत्री बनाए गए

सुरेंद्रपाल सिंह टीटी को भी कैबिनेट में शामिल किया है, जो प्रत्याशी हैं। प्रदेश में बनाए गए कैबिनेट मंत्रियों में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, गजेंद्र सिंह खींवसर के साथ-साथ राज्यवर्धन सिंह राठौड़, बाबूलाल खराड़ी, जोगाराम पटेल, मदन दिलावर, अविनाश गहलोत, सुरेश सिंह रावत, हेमंत मीणा, कन्हैयालाल चौधरी, जोराराम कुमावत और सुमित गोदारा शामिल हैं.जबकि विधायक झाबर सिंह खर्रा, सुरेंद्रपाल सिंह टीटी, संजय शर्मा, गौतम कुमार और हीरालाल नागर को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ दिलाई गई तो विधायक ओटाराम देवासी, डॉ. मंजू बाघमार, केके बिश्नोई, विजय सिंह चौधरी और जवाहर सिंह बेढम प्रदेश के राज्य मंत्री बने।

भाजपा ने की थी शिकायत

कोच्चि शहर में 'गवर्नर' टाइटल वाला नाटक किया प्रतिबंधित

एजेंसी ▶▶ कोच्चि

केरल के कोच्चि शहर में अधिकारियों ने शुक्रवार को चल रहे कोच्चि कार्निवल में एक नाटक के मंचन पर प्रतिबंध लगा दिया।

भाजपा ने इस नाटक को लेकर आरोप लगाया था कि इसके टाइटल ने संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों का अपमान किया है। नाटक गावर्नरम थोपियुम जिसका अनुवाद 'गवर्नर

एंड हिज हैट' है। केरल में होने वाला नाटक जर्मन नाटक 'विलियम टेल' का मलयालम रूपांतरण है। इस नाटक का मंचन शुक्रवार रात को होने वाला था।

कथित 'तानाशाह गवर्नर' को दर्शाया गया

नाटक में एक राज्य के 'तानाशाह गवर्नर' को दर्शाया गया है, जो शहर में एक टोपी रखता है और लोगों को उसके प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए उसे झुकने का आदेश देता है। राज्यपाल अपने आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए गार्ड तैनात करता है और जो ऐसा करने में विफल रहता है उसे दंडित किया जाता है।

गिरते को करो सलाम, खूब लगाओ दांव, बरसेगा धन

- बाजार में तेज गिरावट के समय दिग्गज देते हैं खरीदारी की सलाह
- यह पैसा बढ़ाने का सबसे बेहतर फार्मूला, कभी नहीं होंगे कंगाल
- अक्सर गिरावट के समय लोग पैनिक होते और पैसे निकालते हैं
- यह परंपरा गलत, रिकवरी का नहीं मिलता लाभ, होता है नुकसान
- निवेश का पहला मूल मंत्र संयम बनाए रखें
- इंतजार करें और अपने निवेश को बढ़ाते जाएं
- बाजार के उतार-चढ़ाव से घराएं नहीं
- शेयर बाजार में निवेश के लिए जरूरी है धैर्य
- जल्दबाजी में शेयर बेचने से हो सकता है नुकसान
- शेयर में पैसा लगाने से पहले देखें कंपनी की वित्तीय स्थिति

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं या करने जा रहे हैं तो एक बात पल्ले गांठ बांध लें कि मोटे पैसे कमाने का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इसलिए सबसे पहले तो लंबी अवधि के निवेश पर ध्यान दें। निवेश करने से पहले जिस कंपनी के शेयर खरीद रहे हैं, उसकी प्रोफाइल भी जांच लें। हां एक बात और ध्यान रखें की निवेश से पहले अपने गोल तय करें और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं। धैर्य और संयम बनाए रखें। अक्सर देखने में आता है कि पैसा लगाने वाले नए लोग एक बड़ी गलती ये करते हैं कि वह बढ़ते शेयरों पर दांव खेलते हैं। इसमें कुछ खराबी नहीं है, लेकिन इनसे कमाई की संभावना कम होती है या रिटर्न बेहद कम ही मिल पाता है। कई बार तो नुकसान भी उठाना पड़ता है। अगर कोई शेयर अपने 52 हफ्तों के हाई के आसपास ट्रेड कर रहा है तो नए निवशकों को उससे दूरी ही बनाए रखनी चाहिए, क्योंकि उस शेयर के गिरने के चांस काफी हाई होते हैं। इसलिए अक्सर कहा जाता है कि बाजार में ऐसे शेयरों में पैसा लगाएं जो काफी टूट गए हों। यानी शेयर बाजार में गिरते को सलाम करें और खूब निवेश करेंगे तो धन बरसेगा यानी आपको बेहतर रिटर्न मिलेगा।

बाजार के जानकारों का कहना है कि यह कोई नहीं बात नहीं है। यह काफी पुराना और आजमाया हुआ फॉर्मूला है। बाजार के मंझे हुए खिलाड़ी इसे अच्छे से समझते हैं, लेकिन इसमें एक परेशानी यह है कि आपको कैसे पता चलेगा कि कोई शेयर अब अपने निचले स्तर तक पहुंच चुका है और अब वह उससे नीचे नहीं जाएगा। इसके पीछे कई फैक्टर्स काम करते हैं, लेकिन एक महत्वपूर्ण इंडिकेशन है कि उस शेयर का पिछला रिकॉर्ड लो है। अगर वह शेयर अपने रिकॉर्ड लो के करीब या उससे नीचे पहुंच गया है तो इसका मतलब है कि अब उस शेयर में खरीदारी का समय है। इस समय निवेशकों को चाहिए कि वे निवेश करें और अच्छा रिटर्न प्राप्त करें।

किस बात का रखना है विशेष ध्यान

यह जरूर याद रखें कि किसी भी शेयर को बिना जांचे परखे न खरीदें। शेयर खरीदने से पहले कंपनी के वित्त और उस सेक्टर के भविष्य को लेकर अध्ययन जरूर कर लें। गिरावट की स्थिति में अगर खराब शेयर हाथ में लग तो 'कंगाली में आटा गीला' वाला हाल हो जाएगा।

दिग्गजों की सलाह

जाने-माने निवेशक वॉरेन बफे ने 2016 में कहा था कि जब मार्केट नीचे जा रहा हो तो शेयर खरीदने से पहले बहुत ज्यादा छानबीन नहीं करेंगे तो भी चल जाएगा। दिग्गज निवेशक जैक बोगल ने भी एक इंटरव्यू में 2018 में कहा था कि बाजार में हो रहे बदलावों (गिरावट) से घबराकर अपने मन को ना बदलें और शेयर खरीदकर उसे होल्ड करें। अगर आप रिकवरी (बाजार की) का फायदा उठाने से चूके तो संभव है कि आप अपने वित्तीय लक्ष्यों से भी चूक जाएं।

अनुशासन बनाए रखें

पोर्टफोलियो में नाटकीय रूप से बदलाव करते रहने से जोखिम बढ़ता है। ऐसी आदत लंबी अवधि के लक्ष्यों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। बेहतर होगा कि बाजार में फौरी उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज करें और अनुशासन बनाए रखें। यदि पोर्टफोलियो में बदलाव जरूरी लगे तो छोटे-छोटे बदलाव करें। इन बदलावों से आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है। जरूरी यह है कि निवेश में हमेशा अनुशासन बनाए रखें और निवेश करते जाएं।

अगर जारी रहा डाउनवर्ड ट्रेंड

एक सवाल ऐसे में यह भी उठता है कि अगर कोई शेयर नीचे गिरना जारी रहा तो क्या होगा। कई इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी फर्म इस पर कहती है कि अगर कोई शेयर नीचे गिरना जारी रहता भी है तो भी घबराने की जरूरत नहीं है। कई बार मार्केट डाउन होने पर मजूबत शेयर भी क्रॉस फायरिंग में फंसते हैं और गिरते रहते हैं। यही वह समय है जब आपको घबराने की जरूरतर नहीं है और संयम बरतना है। अगर ऐसे में गिरावट से आपको घाटा लग भी रहा हो तो भी अपने शेयर को बेचें नहीं और धैर्य बनाए रखें, क्योंकि ये मजबूत शेयर जरूर वापसी करेंगे और आपके द्वारा डिस्काउंट पर की गई खरीदारी आपको जबरदस्त कमाई कराएगी यानी आपको मालामाल होने से कोई नहीं रोक पाएगा।

घबराहट में निर्णय न लें

हमेशा याद रखें कि अर्थव्यवस्था और बाजार का मिजाज चक्रीय होता है। जिस तरह तेजी का दौर आता है, वैसा ही गिरावट का दौर भी बन सकता है। जाहिर है, गिरावट वाले दौर में घबराकर बिकवाली करना अच्छी रणनीति नहीं होगी। अच्छे शेयर अक्सर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देते हैं।

नुकसान में न बेचें शेयर

उतार-चढ़ाव शेयर बाजार का स्वभाव है। निवेशकों को शेयर बाजार में आई गिरावट से घबराना नहीं चाहिए। अगर आपने शेयर बाजार में पैसा लगा रखा है और इसमें आपको अभी नुकसान हुआ है तो भी आपको नुकसान में अपने शेयर बेचने से बचना चाहिए। क्योंकि लॉन्ग टर्म में मार्केट में रिकवरी की उम्मीद है। ऐसे में अगर आप अपने शेयर्स को लम्बे समय के लिए होल्ड करते हैं तो आपको नुकसान होने की उम्मीद कम हो जाएगी।

सिर्फ 100 रुपये हर रोज बचाएं और बन जाएं मालामाल

सुझाव बिजनेस डेस्क

- सिर्फ चाय-सिगरेट के पैसों से भी बन सकते हैं करोड़पति
- चैन से कटेगा बुढ़ापा, बच्चों की शिक्षा के खर्च की नहीं होगी टेंशन
- नौकरी के साथ साथ ही तैयार हो जाएगा मोटा फंड
- म्यूचुअल फंड की एसआईपी में 12 फीसदी तक मिल रहा रिटर्न

कहते हैं कि अमीर बनने का सबसे आसान तरीका है, बचत करना। आजकल तो निवेश के ऐसे विकल्प भी मौजूद हैं, जो मामूली सी रकम को पैसों के ढेर में बदल सकते हैं। बावजूद इसके लोगों में बचत और निवेश को लेकर जागरुकता काफी कम है। अगर कोई निवेशक सिर्फ चाय और सिगरेट की आदत छोड़कर इन पैसों को निवेश करें तो नौकरी खत्म होने तक उनके पास 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का फंड जमा हो जाएगा। बाजार के जानकारों का कहना है कि निवेश को लेकर लोगों के सुस्त रुझान से बहुत दिक्कतें आती हैं और कई लोग तो आर्थिक रूप से तंगहाली में ही दम तोड़ देते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में करीब 20 करोड़ ऐसे यूजर हैं, जिनके पास किसी न किसी ओटीटी का सब्सक्रिप्शन है. इस पर हर महीने 150 से 200 रुपये खर्च करते हैं, लेकिन म्यूचुअल फंड में 100 रुपये से भी निवेश करने वालों की संख्या इसकी महज 10 फीसदी यानी 2 करोड़ है. राधिका की बात कई मायनों में सही भी है, क्योंकि अगर नौकरी शुरू करने वाला युवा सिर्फ रोज के चाय-सिगरेट जितने खर्च का पैसा भी निवेश करे तो रिटायरमेंट तक मोटा फंड तैयार हो जाएगा।

हर महीने कितना पैसा होगा जमा

मान लीजिए कोई दिनभर में सिर्फ 3 सिगरेट पीता है, जिस पर उसका औसतन खर्चा 60 रुपये होता है। इसके अलावा ऑफिस टाइम में 3 से 4 कप चाय पीता है तो भी औसतन 40 रुपये का खर्चा आएगा। दोनों को जोड़ दिया जाए तो रोजाना सिर्फ चाय-सिगरेट पर ही 100 रुपये का खर्चा हो जाएगा। यानी महीने में निवेश करने वाली रकम करीब 3,000 रुपये होगी।

कैसे बनेगा करोड़ों का फंड

निवेश के जानकारों का कहना है कि अगर सिर्फ रोजना के चाय और सिगरेट के पैसों को निवेश किया जाए तो नौकरी करने के दौरान यानी करीब 30 साल में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का फंड तैयार हो जाएगा। अगर 30 साल की उम्र में नौकरी शुरू करने के साथ ही कोई 3000 रुपये हर महीने की एसआईपी शुरू करता है तो 30 साल में उसकी ओर से कुल 10.80 लाख रुपये का निवेश किया जाएगा। इक्विटी म्यूचुअल फंड का लंबी अवधि में औसतन रिटर्न 12 फीसदी रहता है। इसी रिटर्न से देखा जाए तो रिटायरमेंट तक यह निवेश बढ़कर 1,05,89,741 रुपये पहुंच जाएगी। इस दौरान 95,09,741 रुपये सिर्फ ब्याज के रूप में मिलेंगे।

किस फंड पर दांव लगाना सही

ऐसा नहीं है कि म्यूचुअल फंड सिप पर 12 फीसदी रिटर्न सिर्फ कहने की बात है। बाजार में कई ऐसी फंड योजनाएं हैं, जो 20 साल की लंबी अवधि में 12 फीसदी से कहीं ज्यादा रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं। पॉलिसीबाजार डॉट कॉम के अनुसार, कई ऐसे ही फंड हैं, जिनका 20 साल का औसतन रिटर्न 12 फीसदी से कहीं ज्यादा है।

इन फंडों का ऐसा रिटर्न

- आदित्य बिड़ला वेल्थ एस्पायर फंड ने 10 साल से ज्यादा निवेश पर 19.20% फीसदी का रिटर्न दिया है।
- बजाज आलियांज स्मार्ट वेल्थ लक्ष्य ने भी 10 साल से ज्यादा के निवेश पर 17.90% सालाना का रिटर्न दिया।
- एचडीएफसी लाइफ संपूर्ण निवेश में पैसे लगाने वालों को लंबी अवधि में हर साल 17.70% का रिटर्न मिला।
- मैक्स लाइफ ऑनलाइन बचत ने भी 10 साल से ज्यादा के निवेश पर 16.90% का रिटर्न मिला।
- भारती एक्सा लाइफ वेल्थ प्रो फंड ने भी 10 साल से ज्यादा अवधि में 16.60% का औसतन रिटर्न दिया है।

प्लानिंग से बनेगा फटाफट पैसा, आराम से कटेगा बुढ़ापा

सिर पर आ गया रिटायरमेंट तो ऐसे करें निवेश का प्लान

जानकारी बिजनेस डेस्क

इक्विटी फंड लंबी अवधि में 10 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दे रहे

"रिटायरमेंट करीब आ गया है और आपके पास बुढ़ापे के लिए सेविंग नहीं है। ऐसे लोगों के लिए भी निवेश के कई विकल्प हैं, जहां कम समय में ही मोटा पैसा बनाया जा सकता है। अगर आप भी ऐसा कुछ सोच रहे हैं तो आप भी इक्विटी में कम से कम 10 साल के लिए निवेश कर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। इक्विटी फंडों ने 10 साल से ज्यादा समय के निवेश में 10 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है। इस तरह आसानी से अच्छा फंड जुटाकर बुढ़ापे का जुगाड़ किया जा सकता है।"

यह बात सही है कि निवेश और बचत जितनी जल्दी शुरू की जाए, उतना ही बेहतर होता है और फायदा भी ज्यादा मिलता है, लेकिन, जिंदगी की जिम्मेदारियों को पूरा करने और लोन वगैरह चुकाने में फंसकर रह गए और सेविंग नहीं कर सके। ऊपर से रिटायरमेंट भी सिर पर आ गया है तो अब कहां पैसा लगाएं, जिससे फटाफट आपके खाते में एक मोटा फंड जमा हो जाए। रिटायरमेंट की प्लानिंग भी कई बार खर्चों और जिम्मेदारी की वजह से नहीं हो पाती और आप देखते ही देखते 50 की उम्र पार कर जाते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही हुआ है और अभी तक रिटायरमेंट के लिए पैसे नहीं जोड़ सके हैं तो निवेश की अलग रणनीति बनाकर मोटा फंड जुटा सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आपकी देनदारियां कम हों और आप बाजार में थोड़ा जोखिम उठाने के लिए भी तैयार हों। आप भी इक्विटी में कम से कम 10 साल के लिए निवेश कर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। इक्विटी फंडों ने 10 साल से ज्यादा समय के निवेश में 10 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है। इस तरह आसानी से अच्छा फंड जुटाकर बुढ़ापे का जुगाड़ किया जा सकता है।

ज्यादा रिटर्न वाले विकल्प चुनें

किसी भी नौकरीपेशा के लिए 50 साल की उम्र वह पड़ाव होता है, जब उसकी आय अपने उच्चतम स्तर पर और लोन आदि की देनदारियां लगभग खत्म होने की कगार पर रहती हैं। ऐसे में निवेशक जोखिम लेने में भी सक्षम रहता है तो उसकी पूरी रणनीति ज्यादा रिटर्न पाने की होनी चाहिए। इसके लिए इक्विटी आधारित निवेश पर जोर देना बेहतर होगा। कुछ हिस्सा इंटरनेशनल इक्विटी फंड, डेट फंड और सोने में भी लगाना चाहिए। निवेशक ध्यान रखें कि इक्विटी में लगाने वाले पैसे को कम से कम 10 साल तक बनाए रखेंगे तो 10-12% का जबरदस्त रिटर्न मिल सकता है।

... जोखिम नहीं लेना चाहते तो

50 साल से ज्यादा उम्र के ऐसे निवेशक, जिनमें जोखिम लेने की क्षमता नहीं होती और शॉर्ट टर्म का लक्ष्य लेकर चलते हैं, उन्हें लार्जकैप सेग्मेंट में सबसे ज्यादा निवेश करना चाहिए। ऐसे निवेशकों को लॉर्जकैप फंड में कुल फोलियो का 50%, मल्टीकैप फंड में 40%, मिड और स्मॉलकैप फंड में 10% का निवेश करना चाहिए। इसके अलावा अन्य फंड से फोलियो घटाना हो तो कम अवधि वाली एफडी और पोस्ट ऑफिस की योजनाओं में निवेश कर सकते हैं।

यह नियम अपना सकते हैं

- 60 के करीब हैं तो 3 भाग में बांटें पैसाः जब आपकी उम्र 60 के करीब हो या आप रिटायरमेंट ले चुके हैं तो निवेश को तीन भागों में बांटकर रिटर्न का लक्ष्य बनाएं।
- पहला लिक्विड फंड का खाता बनाएं जो आपको जरूरत पड़ने पर तत्काल पैसे उपलब्ध करा सके। इसमें 40 महीने के खर्च के बराबर राशि जमा करें, जो एफडी या शार्ट टर्म बांड में लगाई जा सकती है। इसमें 15-20% का निवेश हो।
- दूसरा स्थायी आय का विकल्प तैयार करें, जिससे निवेश पर कोई जोखिम न हो और निश्चित रिटर्न भी मिलता रहे। इसके लिए वय वंदन योजना या आरबीआई बांड में पैसे लगा सकते हैं। इसमें 45-50% का निवेश करना चाहिए।
- तीसरे विकल्प में ज्यादा रिटर्न देने वाले निवेश शामिल करें, जो फंड को तेजी से बढ़ा सकें। इसके लिए बाजार से जुड़े इक्विटी उत्पाद चुन सकते हैं। इसमें 30-40% हिस्सा लगाना चाहिए।

आपके माता-पिता के लिए बेस्ट हैं ये सुरक्षित निवेश की स्कीम

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट के बाद ज्यादातर निवेशक अपने रुपये पैसे को लेकर ज्यादा सजग रहते हैं और जब निवेश की बात होती है तो वह इसके लिए पूरी तरह से सुरक्षित विकल्प खोजते हैं। सीनियर सिटीजंस के लिए अपनी जमा पूंजी के बड़े हिस्से को सुरक्षित निवेश करने और उसके जरिए स्टेबल रिटर्न पाने के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) सबसे अच्छे विकल्पों में शामिल है। असल में रिटायरमेंट के बाद निवेशक बाजार का ज्यादा जोखिम लेने की स्थिति में नहीं होते हैं। ऐसे में निश्चित रूप से फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) जैसे सुरक्षित निवेश विकल्प उनके लिए बेहतर है। इस पर न सिर्फ रिटर्न की गारंटी होती है, बल्कि आपका पैसा भी सुरक्षित रहता है। सीनियर सिटीजंस फिक्स्ड डिपॉजिट पर बैंक सामान्य एफडी की तुलना में ज्यादा ब्याज देते हैं। इन योजनाओं में जोखिम बहुत ही कम होता है।

बैंक देते हैं ज्यादा ब्याज

सीनियर सिटीजन आम तौर पर बाजार का रिस्क नहीं लेना चाहते हैं। उनकी जोखिम लेने की क्षमता कम होती है और वे अपना पैसा सुरक्षित निवेश विकल्पों में निवेश करते हैं। बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान सीनियर सिटीजंस को लो रिस्क कैटेगरी का मानते हैं और उन्हें निवेश के लिए आकर्षित करने के लिए एफडी पर ज्यादा ब्याज दरों की पेशकश करते हैं। एक और वजह यह है कि बैंक उन्हें अपना भरोसेमंद ग्राहक मानते हैं, क्योंकि रिटायरमेंट के बाद ज्यादातर सीनियर सिटीजंस की पसंद एफडी होती है।

सीनियर सिटीजेंस एफडी के फायदे

ज्यादातर बैंक सीनियर सिटीजंस फिक्स्ड डिपॉजिट में सामान्य फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम की तुलना में 50 बेसिस प्वॉइंट यानी 0.50 फीसदी अतिरिक्त ब्याज देते हैं। आपने तय ब्याज दर पर एफडी लॉक कर दी तो मैच्योरिटी तक दरों में कोई बदलाव नहीं होगा। यानी गारंटी के साथ रिटर्न मिलेगा। भारत में आरबीआई द्वारा बैंकों को रेगुलेट किया जा रहा है। सरकार समर्थित स्कीम होने के चलते एफडी पूरी तरह से सुरक्षित है।

यह भी विकल्प

फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी पर एनुअल बेसिस पर, तिमाही बेसिस पर या मंथली बेसिस पर इंटरेस्ट पेआउट का विकल्प चुन सकते हैं। एफडी का इस्तेमाल लोन लेने के लिए कोलैटरल के रूप में किया जा सकता है। सबसे जरूरी कि इसमें अकाउंट खोलने की प्रक्रिया बेहद आसान है।

कितना लगता है टैक्स

बैंकों में 5 साल की टैक्स सेविंग एफडी में निवेश करने पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत 1.50 रुपये तक की जमा पर टैक्स बेनिफिट ले सकते हैं। वहीं, इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80टीटीबी के अनुसार, सीनियर सिटीजंस एफडी पर एक वित्त वर्ष में अर्जित होने वाले 50 हजार रुपये तक के ब्याज पर टैक्स नहीं देना होता है। अगर किसी वित्त वर्ष में ब्याज की राशि 50 हजार रुपये से अधिक हो तो बैंक इस आय पर टीडीएस वसूलेंगे। आईटी की धारा 194ए के तहत टीडीएस वर्तमान में 10 फीसदी कम है। वरिष्ठ नागरिक एफडी पर अर्जित ब्याज के तहत टैक्स छूट का दावा करने के लिए फॉर्म 15एच का उपयोग कर सकते हैं।

फॉर्म 15जी/फॉर्म 15एच की प्रयोज्यता

यदि आपकी मूल आय 2.50 लाख रुपये प्रति वर्ष की छूट सीमा से कम है। केवल एक व्यक्ति (60 वर्ष तक) या एचयूएफ या ट्रस्ट, फॉर्म 15जी जमा कर सकता है। यह कंपनियों और व्यवसायों के लिए नहीं है। 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को फॉर्म 15जी के स्थान पर फॉर्म 15एच भरना और जमा करना होता है।

म्यूचुअल फंड में निवेश के कई बेहतर विकल्प, पति की रिटायरमेंट तक बना लेंगी अच्छा खासा फंड

हाउसवाइफ भी जोड़ सकती हैं करोड़ों की रकम

अक्सर देखा जाता है कि घरेलू महिलाओं के सामने आर्थिक आजादी की समस्या आ जाती है। जिंदगी में हर काम के लिए वह पति की कमाई और पूंजी पर निर्भर रह जाती हैं। लेकिन वे भी थोड़ी सी सावधानी के साथ बचत और निवेश करें तो आर्थिक रूप से आजादी के साथ ही पति की रिटायरमेंट तक घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ एक करोड़ से ज्यादा का फंड बना सकती है।

तैयारी बिजनेस डेस्क

हाउसवाइफ के पास अपनी कमाई का निश्चित जरिया नहीं

हाउसवाइफ की जिंदगी किसी भी नौकरी पेशा से अधिक बिजी होती है। सुबह जल्दी जागकर घर का सारा काम करना। पति के लिए नाश्ता और लंच बनाना। बच्चों का टिफिन तैयार करना और बुजुर्गों की दिनभर देखभाल करना। एक हाउसवाइफ के लिए यह सारे काम रोज सांस लेने की तरह हैं। एकदम ऑफिस में काम करने जैसा, लेकिन इतना सारी जिम्मेदारियों के बाद भी वह आर्थिक रूप से आजाद नहीं रहती। सोचो क्या उनके पास वित्तीय आत्मनिर्भरता रहती है। 100 में 90 का जवाब होगा, नहीं। पर, अगर आप थोड़ा सा वक्त और पैसा अपने लिए निकालें तो पति की रिटायरमेंट होने तक एक करोड़ से ज्यादा का फंड जुटा लेंगी। इसलिए आपको सिर्फ थोड़ी सी प्लानिंग के तहत काम करना होगा और एक महीने में अपने रोजमर्रा के खर्चे से कम से कम 2600 रुपये तक बचाने होंगे। एक स्टॉक ब्रोकर कंपनी का कहना है कि ज्यादातर हाउसवाइफ की नजर सिर्फ परिवार की देखभाल और उनसे जुड़ी जिम्मेदारियों तक सिमटकर रह जाती है। इस भागदौड़ के बीच अगर सिर्फ मट्ठी भर पैसा हर महीने अपने नाम से जमा करना शुरू कर दें, तो पति की रिटायरमेंट तक आपके पास भी मोटा फंड बन जाएगा। आज महिलाओं के लिए भी ऐसे निवेश विकल्प हैं, जहां थोड़े पैसे लगाकर भी लंबी अवधि में बड़ी पूंजी जमा हो जाती है।

कितने पैसे की होगी जरूरत

यह बात तो सभी जानते हैं कि हाउसवाइफ के पास अपनी कमाई का कोई निश्चित जरिया नहीं होता। इस लिहाज से घर खर्च में पैसे बचाकर वे अपने पास हर महीने कुछ रुपये जमा कर सकती हैं। अगर आप भविष्य के लिए फंड बनाने की सोच रहीं तो बस आपको बच्चे की रोजाना टिफिन जितना खर्चा ही बचाना होगा। मान लीजिए, बच्चे की रोज की टिफिन और जेब खर्च के पीछे आपके 100 रुपये खर्च होते हैं, तो हर महीने आप 4 रविवार हटाकर भी 2,600 रुपये का फंड जुटा लेंगे।

इन पैसों को करें निवेश

आपने देखा कि हर महीने आपके पास 2,600 रुपये जमा हो रहे हैं तो अब आप एक म्यूचुअल फंड की एसआईपी खुलवा दीजिए। म्यूचुअल फंड में आप हर महीने 2,600 रुपये भी जमा करती हैं तो लंबी अवधि यानी 10 साल से ज्यादा के समय में आपको इस पर हर साल 12 फीसदी का औसत रिटर्न मिल जाएगा।

पति की रिटायरमेंट तक कितना पैसा

मान लीजिए आपकी शादी 28 साल की उम्र में होती है और पति की रिटायरमेंट उम्र 60 साल है। इस तरह आपके पास निवेश करने के लिए 32 साल मिलेंगे। इन 32 सालों में 2,600 रुपये हर महीने के हिसाब से आप कुल 9,98,400 रुपये यानी करीब 10 लाख रुपये का निवेश कर सकेंगी। इस पर हर साल 12 फीसदी का रिटर्न मिलता है तो 32 साल में आपका कुल फंड बढ़कर 1,17,24,172 रुपये हो जाएगा, जिसमें ब्याज की रकम 1,07,25,772 रुपये होगी।

इकोनॉमी में 16% से ज्यादा का योगदान

ध्यान रखने वाली बात यह है कि आपने 32 साल तक लगातार एक ही निवेश बनाए रखा है। अगर आप हर साल निवेश की जाने वाली राशि में बढ़ोतरी करते हैं तो यह फंड और भी ज्यादा हो जाएगा। इस तरह, पति की रिटायरमेंट आने तक आप घर में रहकर एक करोड़ से ज्यादा फंड तैयार कर लेंगी। इस तरह हाउसवाइफ को भी आर्थिक आजादी मिलेगी और वह भी आसानी से एक बढ़िया फंड तैयार कर लेगी। इसलिए जरूरी है कि महिलाओं को भी अपने रोजमर्रा के खर्च से कुछ न कुछ बचाकर निवेश करना चाहिए। इससे उनको आत्मनिर्भर बनने से कोई नहीं रोक सकता।

खबर संक्षेप

लगा नहीं था कि विश्व कप खेल सकूंगा

नई दिल्ली। सर्जरी के बाद एक समय तीन चार सप्ताह वह अपने पैरों पर भी खड़े नहीं हो पा रहे थे। ऐसे समय में भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल के लिए इस साल वनडे विश्व कप खेलने के बारे में सोचना भी मुश्किल था। उन्होंने टूर्नामेंट में 452 रन बनाकर शानदार वापसी की बल्कि कई मैचों में मेजबान के लिए संकटमोचक भी साबित हुए। राहुल ने स्टार स्पोर्ट्स की 'बिलीव' सीरिज में कहा, 'वापसी कर दबाव तो था लेकिन मैं उस समय जीवन के सबसे खराब दौर से गुजर रहा था मानो कुछ और मायने नहीं रखता था।'

कुश्ती गतिविधियां शुरू कराने का अनुरोध

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया ने शनिवार को खेल मंत्रालय से अनुरोध किया कि देश में कुश्ती गतिविधियां फिर शुरू कराई जायें क्योंकि पेरिस ओलंपिक में सात महीने ही रह गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ओलंपिक की तैयारियों को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा है। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के प्रदर्शन के बाद से देश में पिछले कई महीने से कुश्ती ठप पड़ी है।

तेज गेंदबाज कोएत्जी दूसरे टेस्ट से बाहर

सेंचुरियन। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी के पेट के निचले हिस्से में दर्द के कारण केपटाउन में तीन जनवरी से भारत

के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट में नहीं खेल सकेंगे। 23 वर्ष के इस गेंदबाज को पहले टेस्ट के दौरान दर्द उठा और बढता गया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने एक्स पर लिखा, 'तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट नहीं खेल सकेंगे। पहले टेस्ट के दौरान उनके पेट के निचले हिस्से में दर्द उठा था।'

पेले को ब्राजील ने दी श्रद्धांजलि

रियो दि जिनेरियो। ब्राजील के फुटबालप्रेमियों ने पेले को उनकी पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी और इस मौके पर दक्षिण अमेरिका के इस देश की सबसे प्रसिद्ध प्रतिमा 'क्राइस्ट द रीडीमर' ने पेले की जर्सी नंबर दस पहनी। फुटबॉल के जादूगर कहे जाने वाले पेले ने पिछले साल कोलोन कैंसर के कारण 82 वर्ष की उम्र में दम तोड़ दिया था। पेले के क्लब सांतोस एफसी के शहर सांतोस और उनके जन्म स्थान ट्रेस कोराकोस में भी समारोह आयोजित किए गए। फीफा ने भी पेले के कॅरियर की झलकियों वाले वीडियो के साथ संदेश दिया, 'पेले की विरासत हमेशा बनी रहेगी।'

जॉब

☛ FRAUD कॉल से सावधान RELIANCE JIO 5G कंपनी में पार्ट/फुलटाइम घर बैठे SMS JOB करके लड़के/ लड़कियां,गृहणियां, कमाए (21,500-67,500) महीना लैपटॉप मोबाइल मुफ्त नामपता WHATSAPP करें 6296026501.

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

उम्मीद 2024 : ओलंपिक, टी20 वर्ल्ड कप समेत बड़े स्पोर्ट्स में तिरंगा लहराएगा भारत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

साल 2023 खेल जगत में मिला जुला रहा। एक तरफ जहां क्रिकेट में भारत के हाथों निराशा हाथ लगी तो वहीं, एशियन गेम्स में भारतीय महिला और पुरुष ने गोल्ड जीतकर इतिहास रचा। यह साल स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा के नाम रहा। दोहा डायमंड लीग में गोल्ड पर कब्जा किया। क्रिकेट में भारत ने पहले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियंशिप का फाइनल गंवाया, उसके बाद वनडे वर्ल्ड कप फाइनल जीते का सपना अधूरा रह गया, लेकिन साल में कई टूर्नामेंट भारत के लिए नई उम्मीद लेकर आएंगे। आइए जानते हैं किस-किस खेल में भारत साल 2024 को यादगार बना सकता है।

टी20 वर्ल्ड कप

आगामी साल में वेस्टइंडीज और यूएसए की मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप खेला जाना है। पिछले टी20 वर्ल्ड कप में भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों शिकस्त मिली थी। साल 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में भारत से जीत की उम्मीद रहेगी। वहीं, बांग्लादेश की मेजबानी में महिला टी20 वर्ल्ड कप का भी आयोजन किया जाएगा।

पेरिस ओलंपिक

भारतीय खिलाड़ियों के लिए साल 2024 बहुत ही खास होने वाला है। पेरिस में ओलंपिक का आयोजन किया जाएगा। भारत की पुरुष और महिला दोनों टीमों ने टोक्यो ओलिंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था और उन्होंने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। इसके अलावा अन्य खेलों के खिलाड़ियों ने भी पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल किया है।

38वें राष्ट्रीय खेल

अगले साल में उत्तराखंड 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करेगा। 37वें राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। अगले राष्ट्रीय खेलों में भी खिलाड़ियों से बेजोड़ प्रदर्शन की उम्मीद की जाएगी।

यूफा यूरो 2024

इनके अलावा 14 जून से 14 जुलाई 2024 तक फुटबॉल का दूसरा सबसे बड़ा टूर्नामेंट यूफा यूरो 2024 का टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा। यहां भारतीय फुटबॉल टीम से दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं, आईसीसी अंडर 19 वर्ल्ड कप 2024 साउथ अफ्रीका में आयोजित किया जाएगा।

क्रिकेट : दो मैचों की टेस्ट शृंखला में 0-1 से पीछे है टीम इंडिया

नेट अभ्यास में रोहित का फोकस मुकेश पर, जडेजा ने की गेंदबाजी

एजेंसी ▶▶| सेंचुरियन

पहले टेस्ट में मिली हार के बाद भारतीय टीम के लिए सुपरस्पोर्ट पार्क पर शनिवार को अभ्यास सत्र वैकल्पिक था लेकिन कप्तान रोहित शर्मा ने जमकर पसीना बहाया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने पहले टेस्ट की दोनों पारियों में रोहित को आउट किया था। यहां दो घंटे तक हुए अभ्यास सत्र में रोहित ने बतौर कप्तान और बल्लेबाज भाग लिया। रोहित का फोकस तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की गेंदों का सामना करने पर था जिन्होंने 45 मिनट तक सिर्फ भारतीय कप्तान को गेंदबाजी की।

फिट होकर लौटे रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन ने भी नेट में अभ्यास किया। थ्रोडाउन विशेषज्ञ दयानंद गरानी ने भी रोहित को आफ स्टम्प पर गेंद डाली। अभ्यास के दौरान रोहित ने मुकेश से कहा, 'हवा में अंदर आ रहा है पर कोशिश कर एंगल से अंदर लाने का।' बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने जब उनसे पूछा, 'तू इस नेट पे आएगा' तो उन्होंने कहा, 'नहीं यही पर और दस मिनट बल्लेबाजी करुंगा।'

प्रसिद्ध नहीं हो रहे कृष्णा

रोहित ने मुकेश को अतिरिक्त समय दिया और कुछ टिप्स भी दिए। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले मुकेश पिछले तीन साल में दो बार रणजी ट्रॉफी फाइनल में पहुंची बंगाल टीम के इस प्रदर्शन के सूत्रधारों में रहे हैं। पहले टेस्ट में नाकाम रहे तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को फिर मौका मिलता है तो यह हैरानी की बात होगी। प्रसिद्ध ने नेट पर किसी बल्लेबाज को गेंदबाजी नहीं की और वह सही लैंथ तलाशने के लिए मेहनत करते रहे। गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने अकेले उन पर 75 मिनट दिए।

जडेजा पूरी तरह फिट

रविंद्र जडेजा ने काफी समय गेंदबाजी और बल्लेबाजी की और वह पूरी तरह फिट दिखे। उन्होंने अश्विन के साथ करीब 45 मिनट गेंदबाजी की। बल्लेबाजी के दौरान शार्दुल ठाकुर को बाएं कंधे में चोट लगी जब वह फील्डिंग कोच टी दिलीप के थ्रोडाउन का सामना कर रहे थे। अभ्यास के बाद वह आइस पैक लगाकर बैठे दिखे।

बल्लेबाजी करते शार्दुल के कंधे में लगी चोट

सेंचुरियन। भारतीय टीम को शनिवार को झटका लगा जब गेंदबाज आल राउंडर शार्दुल ठाकुर को नेट पर बल्लेबाजी करते हुए कंधे में चोट लग गई। ऐसी संभावना है कि वह तीन जनवरी से केपटाउन में शुरू होने वाले

दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे लेकिन उनकी चोट की गंभीरता स्कैन से पता चल पाएगी, अगर इसकी जरूरत पड़ेगी। इस समय यह पुष्टि नहीं हो सकी कि उनकी चोट के लिए स्कैन की जरूरत है या नहीं। ठाकुर को काफी परेशानी हो रही थी और वह नेट सत्र के दौरान गेंदबाजी भी नहीं कर सके। ठाकुर थ्रोडाउन नेट में सबसे पहले पहुंचने वाले खिलाड़ी थे और जब वह बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ से थ्रोडाउन से गेंद का सामना कर रहे थे तो उनके बाएं कंधे में गेंद लग गई। यह नेट सत्र शुरू होने के 15 मिनट के बाद हुआ। ठाकुर शॉर्ट गेंद का बचाव नहीं कर सके जैसा वह पहले टेस्ट की दूसरी पारी के दौरान हुआ था। वह गेंद लगते ही दर्द से चिल्ला उठे। लेकिन मुंबई के इस आल राउंडर ने नेट पर बल्लेबाजी जारी रखी।

थिएम के मैच के दौरान आया सांप क्वालीफाइंग मैच में हारने से बचे

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन डोमिनिक थिएम शनिवार को ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग मैच के दौरान आस्ट्रेलिया के सबसे जहरीले सांप के कोर्ट पर आने से खेल रूकने के बाद जीत दर्ज करने में सफल रहे। थिएम पहले दौर के क्वालीफाइंग मैच के दौरान 20 साल के आस्ट्रेलियाई जेम्स मैककाबे से एक सेट से पिछड़ रहे थे तभी दर्शकों ने कोर्ट के करीब एक सांप को देखा। सुरक्षाकर्मी तेजी से कोर्ट के पास पहुंचे और अंपायर को खेल रोकना पड़ा क्योंकि सांप कोर्ट पर रेंग रहा था जिससे खिलाड़ी और दर्शक भयभीत थे। यह सांप 50 सेंटीमीटर लंबा था और आस्ट्रेलिया के सबसे जहरीले सांप में से एक है। उसे जल्द ही वहां से हटा लिया गया जिसके बाद ही खेल शुरू हो पाया। फिर थिएम ने तीन मैच प्वाइंट बचाकर दूसरा सेट टाईब्रेक में जीतकर बराबरी हासिल की। इसके बाद 30 साल के इस खिलाड़ी ने 2-6, 7-6 (4), 6-4 से जीत हासिल की। यह आस्ट्रियाई

खिलाड़ी रविवार को अंतिम क्वालीफाइंग दौर में इटली के गुईलियो जेपिएरी या ओमर जासिका के बीच मुकाबले के विजेता से भिड़ेगा।

Full Majority to BJP
2024 LOK SABHA ELECTION
BJP will form independent Government without coalition.
10000000% success
Mr. Modi Sir next Prime Minister
predicted by
S ALEXANDER
Astrologer
Namakkal, Tamilnadu.
Mob: 8248126514

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि सिकंदर, पुत्र महीपाल, निवासी मकान सं0–51सी–743, गली नं–05, ज्वाला नगर, शाहदरा, दिल्ली. ने **FIR No.614/2018 U/s 323/354/354B/506/509/34 IPC,** थाना विवेक विहार, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त सिकंदर मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रुप मे दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त सिकंदर फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **FIR No.614/2018 U/s 323/354/354B/506/509/34 IPC,** थाना विवेक विहार, दिल्ली के उक्त अभियुक्त सिकंदर से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.02.2024** को या इससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
इसरा जैदी
महानगर दण्डाधिकारी(महिला)–02
शाहदरा जिला, कमरा नं–60
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/15053/SHD/2023

अभियुक्त व्यक्ति की हाजरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82Cr.PC देखिये

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्ता **1. सबिता** पत्नी जग्गा और **2. बबिता** पत्नी देवेन्द्र, दोनों **निवासी** ग्राउंड फ्लोर, परिसर का पिछला भाग, प्लॉट नंबर 39, द्वारका निवासी, स्कीम पॉकेट-9, सेक्टर-23बी, द्वारका, बैकसाइड मीटर नंबर 40703492 के पास, नई दिल्ली ने केस **सीटी केस संख्या 535/2021 धारा 135 इंडियन इलेक्ट्रिसिटी एक्ट पुलिस थाना सेक्टर-23, द्वारका, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **1. सबिता** और **2. बबिता** मिल नहीं रहें हैं और मुझे समाधान प्रद रुप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **1. सबिता** और **2. बबिता** फरार हो गयी हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रही हैं)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती हैं कि **सीटी केस संख्या 535/2021 धारा 135 इंडियन इलेक्ट्रिसिटी एक्ट पुलिस थाना सेक्टर-23, द्वारका, दिल्ली** के अभियुक्त **1. सबिता** और **2. बबिता** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.02.2024** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
श्री विनोद कुमार मीना
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, (दक्षिण पश्चिम),
विशेष अदालत (विद्युत), कोर्ट नं.609,
द्वारका जिला कोर्ट, नई दिल्ली

DP/15151/DW/2023 (Court Matter)

ऋचा घोष की पारी बेकार तीन रन से हारा भारत

मुंबई। ऋचा घोष की करियर की सर्वश्रेष्ठ 96 रन की पारी और दीप्ति शर्मा का 38 रन देकर पांच विकेट का शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन भारत के काम नहीं आ सका जिससे आस्ट्रेलियाई महिला टीम ने शनिवार को यहां दूसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में तीन रन की जीत से तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। जीत के लिए 259 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए घोष ने 113 गेंद में 13 चौके से 96 रन की पारी खेली लेकिन मेजबान टीम अंतिम ओवर में लड़खड़ा गयी और उसे घरेलू मैदान पर आस्ट्रेलिया से लगातार नौंवी हार झेलनी पड़ी। भारतीय टीम निर्धारित 50 ओवर में आठ विकेट पर 255 रन ही बना सकी। दीप्ति 36 गेंद में एक चौके से 24 रन और दूसरे छोर पर श्रेयांका पाटिल पांच रन बनाकर नाबाद रहीं। घोष के अलावा भारत के लिए उप कप्तान स्मृति मंधाना ने शुरू में 38 गेंद में तीन चौके और एक छक्के से 34 रन का बनाये। जेमिमा रोड्रिग्स (55 गेंद में 44 रन) और घोष ने तीसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी निभाकर नींव रखी।

■ आस्ट्रेलियाई महिला टीम ने शृंखला जीती

समद टीम में शामिल, चोटिल जैकसन और मार्टिन्स बाहर

एएफसी एशियाई कप के लिए भारत ने की टीम की घोषणा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मुख्य मिडफील्डरों की चोटों से जूझ रहे भारत ने शनिवार को एएफसी एशियाई कप के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें सहल अब्दुल समद जगह बनाने में सफल रहे। लेकिन जैकसन सिंह और ग्लान मार्टिन्स को फिटनेस संबंधित मुद्दों के कारण बाहर रखा गया। शीर्ष मिडफील्डर जैकसन को नवंबर में कंधे में चोट लगी थी और उनका चुना जाना संदिग्ध था। मोहन बागान के मार्टिन्स भी हाल ही में चोटिल हो गए थे। हालांकि ये दोनों 50 संभावित खिलाड़ियों में शामिल थे। इस महीने के शुरू में चोटिल हुए समद हालांकि टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे जिसका नेतृत्व अनुभवी स्ट्राइकर सुनील छेत्री करेंगे।

भारतीय टीम

गोलकीपर : अमरिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह संधू, विशाल कैथ। **डिफेंडर :** आकाश मिश्रा, लालचुंगनुंगा, मेहताब सिंह, निखिल पुजारी, प्रीतम कोटल, राहुल भेके, संदेश झिंगन, सुभाशीष बोस। **मिडफील्डर :** अनिरुद्ध थापा, ब्रैंडन फर्नांडिस, दीपक टांगरी, लालेंगमाविया राल्टे, लिस्टन कोलासो, नाओरेम महेश सिंह, सहल अब्दुल समद, सुरेश सिंह वांगजाम, उदांता सिंह। **फॉरवर्ड :** ईशान पंडिता, लालियानजुआला चांगटे, मनवीर सिंह, राहुल कन्नोली प्रवीण, सुनील छेत्री, विक्रम प्रताप सिंह।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान होंगी सविता

बेंगलुरु। अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया 13 से 19 जनवरी तक रांची में होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर में भारत की 18 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की कप्तान होंगी जबकि वंदना कटारिया उपकप्तान रहेंगी। टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमें पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारतीय महिला टीम की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'पेरिस ओलंपिक के हमारे सफर में एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। हमें अपेक्षाओं पर खरे उतरकर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है।' सविता ने हाल ही में एफआईएच वर्ष की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार जीता जबकि वंदना 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बनी। भारत को पूल बी में न्यूजीलैंड, इटली और अमेरिका के साथ रखा गया है जबकि जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य ग्रुप ए में हैं।

डेविस कप : खेल मंत्रालय ने विदेश और गृह मंत्रालय को भेजा अनुरोध

एआईटीए के पाक दौरे को मंजूरी मिलने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/कराची

भारतीय टीम को आगामी डेविस कप टेनिस मुकाबले के लिए पाकिस्तान जाने की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। अखिल भारतीय टेनिस संघ ने शनिवार को यह जानकारी दी। एआईटीए ने हाल ही में खेल मंत्रालय से सलाह मांगी थी कि क्या वे तीन और चार फरवरी को पाकिस्तान में होने वाले विश्व ग्रुप वन प्लेआफ के लिए टीम भेज सकते हैं।

एआईटीए महासचिव अनिल धूपर ने कहा, 'हमें अभी तक लिखित में मंजूरी नहीं मिली है लेकिन जल्दी ही मिल जाएगी। हमें बताया गया है कि चूंकि यह द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं है और आईटीए इसका आयोजन कर रहा है तो सरकार ऐसे टूर्नामेंटों में दखल नहीं देती। इसकी प्रक्रिया है। खेल मंत्रालय ने विदेश और गृह मंत्रालय को अनुरोध भेज दिया है और उनकी राय के बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। हमें जल्दी ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है। हम मुकाबले और यात्रा की तैयारी कर रहे हैं।' इस बीच पाकिस्तान टेनिस महासंघ ने शनिवार को कहा कि इस्लामाबाद में होने वाले डेविस कप मुकाबले में एआईटीए के खिलाड़ियों और अधिकारियों की भागीदारी को लेकर उसे अंतिम पुष्टि का इंतजार है।

भारत के नहीं आने पर पाक को मिलेंगे पूरे अंक

एजेंसी ने 26 दिसंबर को खबर दी थी कि एआईटीए ने टीम के पाकिस्तान दौरे के लिए खेल मंत्रालय से सलाह मांगी है। सैफुल्लाह ने कहा कि एआईटीए को अपनी टीम के आगमन की अंतिम पुष्टि के लिए समय सीमा दी गई है और अगर वे नहीं आते हैं तो अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ मेजबान को पूरे अंक देने पर विचार कर सकता है। भारतीय डेविस कप टीम आखिरी बार 1964 में पाकिस्तान गई थी जब लाहौर में हुआ मुकाबला भारत ने 4-0 से जीता था। भारत और पाकिस्तान का सामना 2019 में भी हुआ था लेकिन वह मुकाबला कजाखस्तान में खेला गया था।

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा सूचना संख्या 196–एस/71/2023–24/निविदा सूचना/टी डब्ल्यू एस ई जे/टी एस

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य अभियंता/टीएसपी, उत्तर रेलवे, मुख्यालय कार्यालय, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली–110001 ई–प्रोक्योरमेंट प्रणाली के माध्यम से निम्नलिखित निविदा आमंत्रित करते हैं :

क्रम सं.	1.	निविदा संख्या	टी एस 235024

संक्षिप्त विवरण: थिक वेब स्विच एक्सपेंशन जॉइंट्स (टी डब्ल्यू एस ई जे) आरडीएसओ ड्राइंग संख्या टी–8822, संशोधन–2 के अनुसार सभी फिटिंग के साथ, ईआरसी, लाइनर्स और पी एस सी स्लीपरों को छोड़कर पीएससी स्लीपरों पर बीजी 60 किलोग्राम यूआईसी/60ई1 लंबी वेल्डेड रेल के लिए (प्रत्येक छोर पर 100 मिमी तक अनुमेय संचलन) स्पेसिफिकेशन आईआर एसः टी–10–2023 और आईआर एसः टी–62–2022 के अनुसार निर्माण और आपूर्ति। नवीनतम आर डी एस ओ ड्राइंग और नवीनतम स्पेसिफिकेशन निविदा बंद होने की तारीख तक संशोधन सहित लागू रहेंगे।

मात्रा	50 सेट
निविदा दस्तावेज की कीमत (रूपये में)	कुछ नहीं
बयाना राशि (रूपये में)	3,36,890/-
अनुमानित निविदा मूल्य (रूपये में)	1,68,44,500/-
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	31.01.2024 को 14.30 बजे
समापन की अवधि	12 माह

नोटः- उपरोक्त ई–प्रोक्योरमेंट टेंडर की संपूर्ण जानकारी **"www.ireps.gov.in"** तथा **"www.nr.indianrailways.gov.in"** वेबसाइट पर उपलब्ध है।

संख्या 196–एस/71/2023–24/निविदा सूचना/टी डब्ल्यू एस ई जे/टी एस
दिनांक 29.12.2023 4093/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राम ने इसी बाण से रावध का वध किया

पंच धातु से बना 11.5 किलो का 'अजयबाण', 10 जनवरी को पहुंचेगा अयोध्या

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

अयोध्या में नवनिर्मित श्री राम मंदिर में पौराणिक 'अजयबाण' की प्रतिकृति रखी जाएगी। 5 फीट लंबे इस बाण की शक्तिपीठ अंबाजी में शास्त्रोक्त विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना की गई। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान राम ने इसी बाण से रावण का वध किया था। सोने, चांदी, तांबे, पीतल और लोहे से बने इस बाण को बनाने में 5 लाख रुपए का खर्च आया है।

त्रेतायुग में मां अंबा ने दिया था यह बाण

पौराणिक कथाओं के अनुसार, अजयबाण के साथ शक्तिपीठ अंबाजी का अनोखा जुड़ाव पाया जाता है। त्रेतायुग में भगवान श्री राम और लक्ष्मणजी की मुलाकात जब ऋषि शृंगी से हुई, तो उन्होंने भगवान श्री राम को आद्यशक्ति मां अंबा की पूजा कर उन्हें प्रसन्न करने को कहा था। तब राम ने वन में मां जगदंबा की आराधना की। फलस्वरूप स्वयं मां अंबा ने प्रसन्न होकर श्री राम को अजयबाण देकर वरदान देते हुए विजयी भव का आशीर्वाद दिया।

खास बॉक्स में रखा जाएगा

अब कलयुग में भगवान राम का भव्य मंदिर बन रहा है, तब पौराणिक कथा के अनुसार अजयबाण की प्रतिकृति बनाने की प्रेरणा मिली है। धनुर्वेद ग्रंथ में बाण के बारें में जानकारी मिलती है, उसे ध्यान में रखकर अजयबाण की प्रतिकृति बनाई गई है। इसलिए इस बाण की डिजाइन में आगे का हिस्सा मोटा बनाया गया है। श्री राम मंदिर की तरफ से अजयबाण के लिए एक विशेष बॉक्स डिजाइन करने को कहा गया है। इसके साथ अजयबाण के महत्व के बारें में जानकारी भी जोड़ी जाएगी।

शास्त्रोक्त विधि विधान से की पूजा

श्री आरासुरी देवस्थान ट्रस्ट, अंबाजी की प्रेरणा से अहमदाबाद के जय भोले ग्रुप ने पौराणिक धर्मग्रंथों में वर्णन के अनुसार अजयबाण की प्रतिकृति का निर्माण किया है। इसे अयोध्या में निर्माणाधीन श्री राम मंदिर में स्थापित किया जाएगा। इस अजयबाण की पूजा अर्चना शक्तिपीठ अंबाजी मंदिर के ब्राह्मणों द्वारा शास्त्रोक्त विधि विधान से की गई है।

बाण की लंबाई 5 फीट

11.5 किलोग्राम वजन के इस अजयबाण को बनाने में सोना, चांदी, तांबा, पित्तल और लोहे का इस्तेमाल हुआ है। जिसकी लंबाई 5 फीट रखी गई है। महज 5 दिनों में ये अजयबाण अहमदाबाद की फैक्ट्री में बनकर तैयार हुआ है, जिसमें 5 लाख रुपए का खर्च आया है।

8 जनवरी को अहमदाबाद से प्रस्थान करेगा

ये अजयबाण 10 जनवरी के दिन अयोध्या स्थित भव्य श्री राम मंदिर में अर्पण किया जाएगा। श्री राम भक्तों की श्रद्धा और आस्था को देखते हुए अजयबाण के दर्शन की व्यवस्था 7 जनवरी तक की गई है। इसके बाद 8 जनवरी को यह अजयबाण अयोध्या के श्री राम मंदिर में अर्पण करने के लिए अहमदाबाद से प्रस्थान करेगा।

जय भोले ग्रुप ने तैयार की है अजयबाण की प्रतिकृति

इसी अजयबाण से भगवान श्री राम ने दशानन रावण का वध किया था। अजयबाण से रावण का वध का उल्लेख माताजी की आरती में भी पाया जाता है। अजयबाण की प्रतिकृति को तैयार करने वाले जय भोले ग्रुप के फाउंडर दीपेश पटेल ने कहा, 'त्रेतायुग में मां अंबा ने भगवान श्री राम को अजयबाण दिया था, जिससे रावण का वध हुआ था।'

खबर संक्षेप

दुनिया की आबादी एक साल में 7.5 करोड़ बढ़ी

वॉशिंगटन। 1 जनवरी 2024 से दुनिया की आबादी 8 अरब को पार कर जाएगी। अमेरिका के सेंसस ब्यूरो ने अपनी रिपोर्ट में ये दावा किया है। इसके मुताबिक, पिछले 1 साल में दुनिया की जनसंख्या में करीब 7.5 करोड़ का इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में हर सेकेंड 4.3 लोग जन्म लेते हैं, जबकि 1 सेकेंड में 2 लोगों की मौत होती है। ब्यूरो के मुताबिक, 1 जनवरी 2024 को दुनिया की कुल आबादी 8.02 अरब हो जाएगी। 1 जनवरी 2023 ये आंकड़ा 7.94 अरब था। नवंबर 2022 में यूएन ने कहा था दुनिया की आबादी 8 अरब पहुंच गई।

चीन ने डोंग जून को बनाया नया रक्षा मंत्री

बीजिंग। चीन ने डोंग जून को अपना नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया। नवनियुक्त 62 वर्षीय रक्षा मंत्री डोंग जून पहले पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के नौसेना प्रमुख थे। इससे पहले उन्होंने उत्तरी समुद्री बेड़े, पूर्वी समुद्री बेड़े के साथ-साथ दक्षिणी कमांड थिएटर सहित पीएलए के सभी प्रमुख डिवीजनों में काम किया है। पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू अगस्त से अचानक लापता हो गए थे।

मुख्य सचिवों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को पीएम मोदी ने किया संबोधित

नागरिकों के लिए सुशासन सुनिश्चित करने के तरीकों पर प्रतिबद्ध हो करें काम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित करने के साथ-साथ सभी नागरिकों के लिए प्रतिबद्धता के साथ सुशासन की दिशा में काम करना होगा। तीसरे मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन के अंतिम दिन पीएम नरेंद्र मोदी ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि सम्मेलन के मुख्य विषय 'जीवन की सुगमता' यानी 'ईज ऑफ लिविंग' को ध्यान में रखते हुए बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित करने के साथ सभी नागरिकों के लिए सुशासन सुनिश्चित करने के तरीकों पर प्रतिबद्धता के साथ काम करना होगा।

मुख्य सचिवों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को पीएम मोदी ने कहा कि बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित करने के साथ-साथ सभी नागरिकों के लिए प्रतिबद्धता के साथ सुशासन की दिशा में काम करना होगा।

देश की प्रगति के लिए सुशासन पर जोर दिया

खास बातें

- कल्याणकारी योजनाओं तक आसान पहुंच करवाएं
- सेवा वितरण में गुणवत्ता पर विशेष जोर दें
- जमीन, बिजली, पेयजल, स्वास्थ और स्कूल पर दें ध्यान

सम्मेलन में 200 से अधिक लोगों की रही भागीदारी

सम्मेलन में केन्द्र सरकार के प्रतिनिधि, मुख्य सचिव और सभी राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में राष्ट्र के विकास और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण नीतिगत-संबंधी विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। नागरिकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी और नवीन समाधानों का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

लोगों की भलाई से जुड़ी योजनाओं पर

पीएम मोदी ने बैठक में आम लोगों की भलाई से जुड़ी सभी योजनाओं को और सरल बनाने की कोशिश के साथ साइबर सुरक्षा, एआई की चुनौतियों जैसे उभरते हुए मसलों पर भी चर्चा की। इसके अलावा राज्यों के साथ प्रधानमंत्री आकांक्षी जिलों व आकांक्षी ब्लाक प्रोग्राम के बारे में भी चर्चा हुई। राज्यों में पर्यटन के प्रोत्साहन, उनकी ब्रांडिंग, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना व पीएम स्वनिधि योजना के अमल को लेकर चर्चा हुई।

राज्यों ने सफल मॉडल प्रस्तुत किए

सम्मेलन में सभी राज्यों के मुख्य सचिवों ने बेहतर सुशासन के लिए अपने संबंधित अधिकार क्षेत्र में कार्यान्वित कार्यक्रमों एवं अनुभवों का सफल मॉडल प्रस्तुत किया, मुख्य सचिवों का यह सम्मेलन राष्ट्र को प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिबद्धता की एक नई भावना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सरकारी वितरण तंत्र को मजबूत करें

तीसरा सम्मेलन

बता दें कि यह इस तरह का तीसरा सम्मेलन है। इससे पहले जून 2022 में धर्मशाला में और दूसरा जनवरी 2023 में दिल्ली में आयोजित किया गया था। सहकारी संघवाद के सिद्धांत को जमीन पर उतारने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहभागी शासन और साझेदारी को प्रोत्साहित करना उद्देश्य है।

पीएम मोदी ने कहा कि इस सम्मेलन का आयोजन उद्देश्य सरकारी वितरण तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया है। साथ ही सहयोगात्मक कार्रवाई के माध्यम से ग्रामीण और शहरी, दोनों आबादी के लिए जीवन की बेहतर गुणवत्ता के लक्ष्य को हासिल करना है, इसके अलावा कल्याणकारी योजनाओं तक आसान पहुंच और सेवा वितरण में गुणवत्ता पर विशेष जोर देने की पहल शामिल है।

पुलिस घरेलू हिंसा व वित्तीय तनाव से जोड़ रही

5 मिलियन डॉलर की हवेली से पति-पत्नी व बेटी की लाशें

एजेंसी ▶▶ मैसाचुसेट्स

अमेरिका के मैसाचुसेट्स में भारतीय मूल के एक कपल और उनकी बेटी को घर में मृत पाया गया है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। भारतीय मूल का यह जोड़ा अपनी 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की हवेली में बेटी के समेत रहता था। इसी हवेली में सभी मृत अवस्था में पाए गए हैं। पुलिस इस घटना को घरेलू हिंसा से जोड़कर देख रही है। जबकि जांच एजेंसियों का दावा है कि दंपति हाल के वर्षों में वित्तीय समस्याओं का सामना कर रहा था। इस बात की पुष्टि कपल के खातों के ऑनलाइन रिकॉर्ड से पता चलता है। रिपोर्ट के अनुसार, टीना और उनके पति पहले एक बंद हो चुकी एडुनोवा नाम की शिक्षा प्रणाली कंपनी चलाते थे।

मृतक के पास पाई गई एक बंदूक

स्थानीय अभियोजक माइकल मॉरिसस्सी ने बताया कि यह घटना गुरुवार (28 दिसंबर) शाम को हुई थी। जब अपनी हवेली में 57 वर्षीय राकेश कमल, उनकी पत्नी, 54 वर्षीय टीना और उनकी 18 वर्षीय बेटी एरियाना मृत पाए गए। उन्होंने कहा कि मौके पर राकेश कमल के शरीर के पास एक बंदूक पाई गई थी। हालांकि, वह इस घटना को हत्या या आत्महत्या बताने से पहले मेडिकल जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह संभवतः एक घरेलू हिंसा से जुड़ा हुआ मामला हो सकता है। हालांकि घर में किसी भी प्रकार की तोड़-फोड़ का कोई संकेत नहीं मिला है।

इजराइली सेना ने तेज की कार्रवाई

24 घंटे में 200 की मौत, खान यूनिस में हमास की सुरंगों पर किए हवाई हमले

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

इजराइल और हमास का हिंसक संघर्ष जारी है। बीते ढाई महीने से जारी इस युद्ध में अब तक 21 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इजराइली सेना ने हमास के आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए हमले तेज कर दिए हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक गाजा पट्टी के खान यूनूस में हमास की सुरंगों पर भीषण बमबारी में बीते 24 घंटे के दौरान 200 लोगों की मौत हुई है। दक्षिणी शहर में लगातार आगे बढ़ रहे इजराइली सेना के जवानों ने हमास के सुरंगों पर हवाई हमले किए। साथ ही तोप के गोले भी बरसाए गए।

82 दिनों में 21 हजार से अधिक लोगों की मौत

गौरतलब है कि बीते ढाई महीने से अधिक समय से जारी युद्ध के दौरान गाजा के 2।3 मिलियन लोग सुरक्षित ठिकानों की तलाश में घर छोड़कर भाग चुके हैं। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक बीते 24 घंटे में इजराइली हमलों में 187 फिलिस्तीनी लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। इसी के साथ 7 अक्तूबर के बाद अब तक मरने वालों की संख्या 21,507 तक पहुंच चुकी है। यानी गाजा की कुल आबादी का लगभग एक फीसदी खत्म हो चुका है। खंडहरों में हजारों और शवों के दबे होने की आशंका है।

नुसीरात शिविर पर भी कई हवाई हमले

शुक्रवार रात गाजा पट्टी में खान यूनिस पर इजराइली टैंक ने भीषण गोलीबारी और हवाई बमबारी की। इजराइल के अभियान में 24 घंटे में लगभग 200 लोगों के मारे जाने की खबर है।

तहखाने की सुरंग भी नष्ट

खान यूनिस के कुछ हिस्से पर इजराइली सेना दिसंबर की शुरुआत में ही कब्जा कर चुकी है। रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि हमास के कमांड सेंटरों और हथियार डिपो को भी सेना लगातार निशाना बना रही है। सेना ने गाजा के हमास नेता याह्या सिनवार के घरों में से एक के तहखाने में बनी सुरंग और पूरे परिसर को नष्ट कर दिया है।

भगवान श्रीराम को लगेगा छत्तीसगढ़ के चावल का भोग

रायपुर। अयोध्या में श्रीराम मंदिर की 22 जनवरी को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा में भगवान श्रीराम को छत्तीसगढ़ के चावल का भोग लगेगा। यहां से 300 मीट्रिक टन सुगंधित चावलों से भरे 11 ट्रकों को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर से भगवा ध्वज की झंडी दिखाकर रवाना किया। चावल छत्तीसगढ़ प्रदेश राइस मिलर्स एसोसिएशन द्वारा उपलब्ध कराया गया है। श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या के लिए रवाना किया। अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर का भव्य उद्घाटन हो रहा है।

मुंबई हमले का मास्टरमाइंड है लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी

हाफिज सईद को भारत के हवाले करने से पाक का इनकार

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने आतंकी सरगना हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की भारत की मांग को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान ने शुक्रवार को पुष्टि की कि भारत ने कई आतंकी मामलों में वांछित 2008 के मुंबई हमले के मुख्य साजिशकर्ता हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की मांग की है। पाकिस्तान विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा कि पाकिस्तान को भारतीय अधिकारियों से सईद के प्रत्यर्पण की मांग करने वाला अनुरोध मिला है। उन्होंने कहा, 'यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पाक और भारत के बीच कोई द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि मौजूद नहीं है। लिहाजा उसका प्रत्यर्पण संभव नहीं है।' जानकारों का कहना है कि इस तरह के मसौदा समझौते के अभाव में भी प्रत्यर्पण संभव है।

खास बातें

पाक और भारत के बीच कोई द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि मौजूद नहीं

हाफिज की पार्टी चुनाव में इस्लामिक स्टेट का सपना दिखा रही है।

चुनाव लड़ रही है सईद की पीएमएमएल

भारत ने सईद के बेटे तल्हा सईद के पाकिस्तान में चुनाव लड़ने की खबरों पर भी गौर किया है और कहा कि उस देश में कट्टरपंथी आतंकवादी संगठनों को 'मुख्यधारा में आना' कोई नई बात नहीं है और यह लंबे समय से उसकी सरकारी नीति का हिस्सा है। दरअसल, पाकिस्तान में फरवरी 2024 में आम चुनाव हैं और एक बार फिर चुनावी मुकाबले में आतंकी हाफिज सईद की पार्टी पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) भी मैदान में उतरी है। उसने देशभर में प्रत्येक राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभा क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। हाफिज ने अपने बेटे तल्हा सईद को भी उम्मीदवार बनाया है। वो लाहौर से चुनाव लड़ रहा है। इतना ही नहीं, हाफिज से जुड़ा संगठन पाकिस्तान की जनता को बरगलाने के लिए सियासी एजेंडा लेकर भी आया है। उसकी पार्टी चुनाव में इस्लामिक स्टेट का सपना दिखा रही है।

भारत ने सईद के प्रत्यर्पण की मांग की है

विदेश मंत्रालय के उच्च अधिकारी ने शुक्रवार को कहा था कि हाफिज सईद के प्रत्यर्पण का अनुरोध कुछ दस्तावेजों के साथ हाल में पाकिस्तान को भेजा गया था। अधिकारी ने कहा, 'हमने संबंधित सहायक दस्तावेजों के साथ पाकिस्तान सरकार को एक अनुरोध भेज दिया है।'

मुंबई हमले में मारे गए थे 166 लोग

संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकी घोषित सईद लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक है। हाफिज सईद के नेतृत्व वाला जमात-उद-दावा, लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है। लश्कर-ए-तैयबा 2008 के मुंबई हमले को अंजाम देने के लिए जिम्मेदार है, जिसमें छह अमेरिकियों सहित 166 लोग मारे गए थे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109